page 1 and 8 Apr 5_page 1 Mar 25 final ds.qxd 4/5/2026 1:45 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 लीगल लिटरेसी क्लब की शुरुआत, छात्रों को अधिकारों के प्रति किया जागरूक

5 लंदन में रहने पर ट्रोल हुए विराट कोहली, बोले मैं ओवरसीज प्लेयर नहीं हूं

8 नक्षत्र से संबंधित पौधे

मौसम जम्मू — न्यूनतम 18 — अधिकतम 25

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-83 | जम्मू तवी, रविवार 05 अप्रैल, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

बजट सत्र के सफल संचालन के बाद जम्मू-कश्मीर विधानसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

जम्मू, 04 अप्रैल । अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर विधानसभा को बजट सत्र के सफल संचालन के बाद अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया। यह सत्र फरवरी, मार्च और अप्रैल में 22 बैठकों तक चला।

विधानसभा सत्र 02 फरवरी को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा बजट प्रस्तुत करने के साथ शुरू हुआ। 06 फरवरी को सदन ने विभिन्न विभागों के लिए अनुदान पारित किए। इन अनुदानों पर 20 फरवरी तक प्रतिदिन दो बैठकों में विस्तृत चर्चा हुई। पांच सप्ताह के अवकाश के बाद बजट सत्र 27 मार्च को पुनः शुरू हुआ। अध्यक्ष ने बताया कि विधानसभा में कुल 22 बैठकें हुईं, जो राज्यों में दूसरी सबसे अधिक संख्या है। गुजरात में 23 बजट बैठकें हुईं। उन्होंने बताया कि इस सत्र में सदन कुल 6,636 मिनट (110.6 घंटे) चला। कुल आठ सरकारी विधेयक प्राप्त हुए जिन्हें प्रस्तुत कर पारित किया गया। इसके अतिरिक्त 25 विधेयक प्रस्तुत किए गए और एक अध्यादेश पेश किया

गया, राथर ने सदन को सूचित किया।

निजी सदस्यों के कार्य के संबंध में अध्यक्ष ने कहा कि पिछले सत्र से 36 विधेयक लंबित थे, जबकि इस सत्र में 39 नए विधेयक प्राप्त हुए। इनमें से 72 विधेयक सूचीबद्ध किए गए, 24 पर चर्चा हुई और दो पेश किए गए। प्रश्नों के संबंध में उन्होंने कहा कि कुल 1,528 प्रश्न प्राप्त हुए - 802 तारांकित और 726 अतारांकित। प्रश्नों की व्यक्तिगत रूप से जांच करने के बाद कुल 1,379 प्रश्न सूचीबद्ध किए गए, 144 अस्वीकृत किए गए, दो सदस्यों द्वारा वापस ले लिए गए और तीन प्रश्न सूचीबद्ध नहीं किए गए।

अध्यक्ष ने कहा कि सदन में 151 तारांकित प्रश्नों पर चर्चा हुई, साथ ही 331 पूरक प्रश्नों पर भी चर्चा हुई। इसी प्रकार 110 ध्यानाकर्षण नोटिस प्राप्त हुए, जिनमें से 63 अस्वीकृत किए गए और 47 स्वीकार किए गए। कुल 26 नोटिस सूचीबद्ध किए गए और सभी 26 पर चर्चा हुई। राथर ने बताया कि प्रस्तावों के संबंध में कुल 128 प्रस्ताव प्राप्त हुए जिनमें से 101 स्वीकार किए गए, 27 अस्वीकृत किए गए, 14 सूचीबद्ध किए गए और चार पर विचार किया गया लेकिन कोई भी पारित नहीं हुआ। उन्होंने अल्पावधि चर्चा के लिए लिए गए दो नोटिसों का भी उल्लेख किया जबकि सदन को 2,231 कटौती प्रस्ताव प्राप्त हुए जिनमें से 2,059 स्वीकार किए गए और 172 अस्वीकृत किए गए।

सदस्यों के सहयोग की सराहना करते हुए राथर ने कहा कि यह प्रशंसनीय है कि सदन ने भागीदारी के लिए अधिकतम अवसर प्रदान किए जिससे सभी दलों के सदस्यों को अपने विचार व्यक्त करने और एक स्वस्थ लोकतांत्रिक भावना को प्रतिबिंबित करने का मौका मिला। मंत्रियों पर कार्यभार का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वे कई विभागों और जिम्मेदारियों को संभालते हैं जिससे सदन की कार्यवाही का जवाब देते समय उनकी भूमिका विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण हो जाती है। उन्होंने मुख्यमंत्री की व्यस्त जिम्मेदारियों के बावजूद पूरे सत्र में उपस्थित रहने के लिए, साथ ही सरकारी अधिकारियों - विशेष रूप से मुख्य सचिव अटल डुल्लू की भी प्रशंसा की।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में निजी विश्वविद्यालय विधेयक-2026 पारित, उच्च शिक्षा को मिलेगा बढ़ावा

जम्मू, 04 अप्रैल । जम्मू-कश्मीर विधानसभा के बजट सत्र के अंतिम दिन शनिवार को सदन ने निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना और निगमन से संबंधित जम्मू-कश्मीर निजी विश्वविद्यालय विधेयक, 2026 (विधायी प्रस्ताव संख्या 08/2026) को ध्वनि मत से पारित कर दिया। यह विधेयक शिक्षा मंत्री सकीना इटू द्वारा सदन में प्रस्तुत किया गया था। इसमें जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना, संचालन और निगमन के साथ-साथ उनके प्रबंधन और शैक्षणिक मानकों को विनियमित करने का प्रावधान किया गया है, ताकि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित हो सके और छात्रों के हितों की रक्षा की जा सके। विधेयक पर चर्चा के दौरान शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने कहा कि सरकार ने इसे तैयार करने से पहले उच्च शिक्षा क्षेत्र से जुड़े सभी पहलुओं और चिंताओं पर व्यापक विचार किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह कानून जम्मू-कश्मीर में उच्च शिक्षा के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस विधेयक के लागू होने से उन छात्रों को विशेष लाभ मिलेगा, जो अब तक उच्च शिक्षा के लिए जम्मू-कश्मीर से बाहर जाने को मजबूर थे।

निजी विश्वविद्यालयों से संबंधित विधेयक पारित होने पर मुख्यमंत्री उमर ने कहा, ऐतिहासिक क्षण

जम्मू, 04 अप्रैल । जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने शनिवार को निजी विश्वविद्यालयों से संबंधित विधेयक पारित किया जो केंद्र शासित प्रदेश में निजी संस्थानों की स्थापना और पंजीकरण से संबंधित है। शिक्षा मंत्री सकीना इटू द्वारा प्रस्तुत विधेयक में कहा गया है, जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना और पंजीकरण तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने और छात्रों के हितों की रक्षा के लिए उनके कामकाज, प्रबंधन और शैक्षणिक मानकों को विनियमित करने हेतु एक विधेयक। इटू और सभी हितधारकों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विधेयक के पारित होने को केंद्र शासित प्रदेश के युवाओं के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बताया। सदन में बोलते हुए इटू ने कहा कि सरकार ने विधेयक तैयार करने से पहले उच्च शिक्षा क्षेत्र से संबंधित सभी मुद्दों और चिंताओं पर विचार किया है। मंत्री ने कहा कि यह विधेयक निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त करेगा और जम्मू-कश्मीर में उच्च शिक्षा क्षेत्र को बढ़ावा देगा। इससे जम्मू-कश्मीर के कई छात्रों को लाभ होगा क्योंकि पहले वे उच्च शिक्षा के लिए केंद्र शासित प्रदेश से बाहर जाते थे। विधायकों मीर सैफुल्लाह, निज़ामुद्दीन भट, पीरज़ादा फारूक अहमद शाह और तनवीर सादिक ने विधेयक में संशोधन पेश किए थे लेकिन सरकार के आश्वासन के बाद उन्होंने अपने संशोधन वापस ले लिए। विधायक बलवंत सिंह मनकोटिया ने भी एक संशोधन पेश किया था जिसे ध्वनि मत से खारिज कर दिया गया।

16-18 अप्रैल को संसद में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर चर्चा, 2029 से 33% महिला आरक्षण लक्ष्य : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 04 अप्रैल । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि संसद 16 से 18 अप्रैल के बीच फिर से बैठक करेगी, जिसमें नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर चर्चा कर इसे आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य 2029 से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना है।

केरल के तिरुवल्ला में शनिवार को एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण केंद्र सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक देश में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने और लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

मोदी ने कहा, हमारी सरकार ने संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने का निर्णय लिया है। अब संसद में इस पर विस्तार से चर्चा होगी और सभी दलों से सहयोग की अपेक्षा है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि वे इस विधेयक का समर्थन करें, क्योंकि यह केवल राजनीति नहीं बल्कि महिला सशक्तिकरण का विषय है।

प्रधानमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि जनसंख्या के आधार पर सीटों के पुनर्निर्धारण को लेकर जो आशंकाएं जताई जा रही हैं, वे निराधार हैं। उन्होंने कहा कि सीटें कम नहीं होंगी, बल्कि बढ़ेंगी, जिससे दक्षिण भारत सहित सभी राज्यों को लाभ मिलेगा।

अपने संबोधन में मोदी ने महिलाओं के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जनधन योजना, मुद्रा लोन, स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा और 'लखपति दीदी' जैसे कार्यक्रमों ने महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार महिलाओं को समाज और अर्थव्यवस्था के हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है और 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

उन्होंने कहा कि देश के समग्र विकास के लिए महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना आवश्यक है और यह विधेयक उस दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा परिदृश्य और परिचालन स्थिति की समीक्षा की

श्रीनगर, 04 अप्रैल। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने शनिवार को उत्तरी कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा और परिचालन तैयारियों की व्यापक समीक्षा की जिसमें उन्होंने उभरते खतरों का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने और रणनीतिक श्रेष्ठता बनाए रखने के लिए बहु-क्षेत्रीय युद्ध तत्परता, सभी सेवाओं के बीच निर्बाध समन्वय और तकनीकी एकीकरण की आवश्यकता पर बल दिया। इस दौरे के दौरान सीडीएस ने उत्तरी कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा परिदृश्य और परिचालन स्थिति की समीक्षा की और बल की अनुकरणीय परिचालन तैयारियों, सैद्धांतिक सामंजस्य और दृढ़ व्यावसायिकता की सराहना की।

बारामूला मेंबउन्हें भविष्य के बल अनुप्रयोग और प्रौद्योगिकी समावेशन पर जानकारी दी गई। चिनार कोर के अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि युद्ध का स्वरूप गहन परिवर्तन से गुजर रहा हैबजिसके लिए एक मजबूत और एकीकृत संरचना पर आधारित बहु-क्षेत्रीय संचालन (एमडीओ) की ओर एक बदलाव की आवश्यकता है। उन्होंने संयुक्तता की केंद्रीयता पर जोर देते हुए कहा कि निर्णायक परिणाम प्राप्त करने के लिए थल, वायु, समुद्री, साइबर, अंतरिक्ष और संज्ञानात्मक क्षेत्रों में निर्बाध एकीकरण अपरिहार्य है। उन्होंने भविष्य के युद्ध के लिए त्वरित संयुक्त प्रशिक्षण, सिद्धांतों के सामंजस्य और सभी क्षेत्रों में समन्वित प्रभाव सुनिश्चित करने के लिए अंतर-संचालनीय कमान और नियंत्रण संरचनाओं के विकास का आह्वान किया। सीडीएस ने उभरती चुनौतियों का सामना करने के लिए एक सुनियोजित रोडमैप की आवश्यकता पर बल दिया - एक ऐसा रोडमैप जो एकीकृत प्रयासों के माध्यम से तकनीकी अनुकूलन, संज्ञानात्मक लचीलापन और सामूहिक तैयारी को बढ़ावा दे। उन्होंने दोहराया कि परिकल्पित खतरों की तैयारी दूरदर्शिता, नवाचार, एक एकीकृत युद्ध दर्शन और राष्ट्रव्यापी प्रयास पर आधारित होनी चाहिए। उन्होंने विकसित हो रही सुरक्षा चुनौतियों के मद्देनजर परिचालन तत्परता और लचीलेपन के महत्व पर प्रकाश डाला। जनरल चौहान ने सभी रैंकों से परिचालन उत्कृष्टता बनाए रखने, संयुक्तता को जीवन शैली के रूप में अपनाने और भविष्य के संघर्षों के पूरे स्पेक्ट्रम पर हावी होने के लिए तैयार रहने का आग्रह किया।

राजधानी एक्सप्रेस में बढ़ाई गई सुविधा, भीड़ को देखते हुए अतिरिक्त 3एसी कोच जोड़ा गया

जम्मू, 04 अप्रैल । गर्मी के मौसम में यात्रियों की बढ़ती भीड़ और लंबी वेटिंग लिस्ट को देखते हुए भारतीय रेलवे के जम्मू मंडल ने राजधानी एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 12425/12426) में अतिरिक्त 3एसी कोच जोड़ने का फैसला लिया है। यह कदम यात्रियों की सुविधा बढ़ाने और कन्फर्म टिकट की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, ट्रेन संख्या 12426 राजधानी एक्सप्रेस में 4 अप्रैल से 10 अप्रैल तक अतिरिक्त 3एसी कोच लगाया जाएगा। इससे खासकर गर्मियों की छुट्टियों में यात्रा करने वाले यात्रियों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उचिता सिंघल ने बताया कि छुट्टियों के दौरान यात्रियों और पर्यटकों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह अस्थायी व्यवस्था की गई है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि भविष्य में मांग के अनुसार अन्य ट्रेनों में भी ऐसे कदम उठाए जा सकते हैं। यात्री इस अतिरिक्त कोच में सीट उपलब्धता की जानकारी आईआरसीटीसी की वेबसाइट या रेलवे आरक्षण काउंटर से प्राप्त कर सकते हैं और अपनी टिकट बुकिंग कर सकते हैं।

वांछित अपराधी लाहू गुर्जर गिरफ्तार

जम्मू, 04 अप्रैल। जम्मू और कश्मीर पुलिस ने आज मीरान साहिब पुलिस स्टेशन की एक टीम द्वारा सुनियोजित अभियान चलाकर वांछित अपराधी गुलजार अहमद उर्फ लाहू गुर्जर को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी आपराधिक रिकॉर्ड वाला अपराधी था और लंबे समय से गिरफ्तारी से बच रहा था। उन्होंने बताया कि वह हत्या के प्रयास, दंगा, आपराधिक धमकी, अपहरण, पुलिसकर्मियों पर हमला और नशीली दवाओं से संबंधित गतिविधियों जैसे गंभीर अपराधों से जुड़े कई मामलों में वांछित था। अधिकारियों ने बताया कि वह बिश्ना, मीरान साहिब और बारी ब्राह्मणा सहित इलाकों में पुलिस टीमों पर हमलों की घटनाओं से भी जुड़ा था और पहले अपने साथियों की मदद से छापेमारी के दौरान भागने में कामयाब रहा था। उन्होंने बताया कि विशिष्ट सूचना के आधार पर संबंधित एसएचओ इंस्पेक्टर जतिंदर सिंह के नेतृत्व में मीरान साहिब पुलिस स्टेशन की एक टीम ने आज उसे गिरफ्तार किया।

विधानसभा में उठा राशन कार्ड बिफर्केशन का मुद्दा, विधायक राजीव जसरोटिया ने सरकार को घेरा

कठुआ , 04 अप्रैल । जसरोटा के विधायक राजीव जसरोटिया ने विधानसभा में राशन कार्ड बिफर्केशन (विभाजन) का अहम मुद्दा उठाते हुए सरकार का ध्यान आम लोगों की समस्याओं की ओर आकर्षित किया। विधायक जसरोटिया ने कहा कि वर्ष 2011 के बाद से अब तक राशन कार्डों का बिफर्केशन नहीं किया गया है, जबकि एक-एक परिवार अब बढ़कर तीन-तीन परिवारों में बदल चुका है। उन्होंने बताया कि पहले एक परिवार में एक सरकारी कर्मचारी होता था लेकिन अब अलग हुए अन्य परिवार बेरोजगार हैं और उन्हें बीपीएल श्रेणी का लाभ नहीं मिल पा रहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि राशन कार्ड का बंटवारा न होने के कारण पात्र लोगों को बीपीएल, उवला योजना और लाडली योजना जैसी सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है जिससे गरीब और जरूरतमंद वर्ग प्रभावित हो रहा है। जसरोटिया ने सदन में सुझाव देते हुए कहा कि आरडीडी विभाग और सोशल वेलफेयर विभाग चूल्हा पर्ची सिस्टम अपनाकर पात्र परिवारों को राहत दे सकते हैं।

कश्मीर से रेल कार्गो बढ़ाने को लेकर बड़ी बैठक

जम्मू, 04 अप्रैल । कश्मीर की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने और फलों के कारोबार को राष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने के लिए रेलवे ने बड़ा कदम उठाया है। जम्मू मंडल द्वारा श्रीनगर में एक अहम बैठक आयोजित की गई जिसमें विभिन्न हितधारकों ने हिस्सा लिया।

बैठक का मुख्य उद्देश्य कश्मीर से रेल के माध्यम से पार्सल ट्रैफिक को बढ़ावा देना और इसे सड़क परिवहन के मुकाबले एक भरोसेमंद, समयबद्ध और किफायती विकल्प बनाना था। बैठक की अध्यक्षता रेलवे बोर्ड के अतिरिक्त सदस्य (वाणिज्य) ने की, जबकि वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उचित सिंघल, फल उत्पादक, व्यापारी और कार्गो एग्रीगेटर्स भी इसमें शामिल हुए।इस दौरान चेरी सहित अन्य फलों को देशभर में तेजी से पहुंचाने के लिए रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। खास तौर पर बडगाम से चलने वाली जॉइंट पार्सल प्रोडक्ट-रैपिड कार्गो सर्विस ट्रेन को अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया, जो बारी ब्राह्मणा और अंबाला कैंट होते हुए दिल्ली के आदर्श नगर तक तय समय में माल पहुंचाती है। बैठक में छोटे व्यापारियों और किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए कार्गो एग्रीगेटर्स के साथ समन्वय बढ़ाने पर सहमति बनी, ताकि छोटे स्तर के माल को भी आसानी से रेल के माध्यम से भेजा जा सके। साथ ही बडगाम, श्रीनगर और पंपोर रेलवे स्टेशनों पर लोडिंग सुविधाओं को अपग्रेड करने की योजना भी साझा की गई।

घाटी में सुरक्षा अभियानों में 'बॉडी कैम' अनिवार्य बनाने की मांग, उपराज्यपाल के आदेशों का स्वागत

जम्मू, 04 अप्रैल । जम्मू-कश्मीर इकाई ने गांदरबल के अरहामा में हुई हालिया घटना और उसके बाद सुरक्षा बलों की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवालों को लेकर अपनी विस्तृत प्रतिक्रिया दी है। पार्टी के प्रदेश प्रमुख मनीष साहनी ने स्पष्ट किया कि भारतीय सेना राष्ट्र का गौरव है और इसकी छवि को धूमिल करने की किसी भी साजिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।उन्होंने कहा कि सेना को विवादों से बचाने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग आवश्यक है। प्रदेश मध्यवर्ती कार्यालय से जारी बयान में साहनी ने कहा, आतंकवाद के विरुद्ध हर अभियान में हम सेना के साथ चट्टान की तरह खड़े हैं। हमारे जवानों का मनोबल और उनकी साख सर्वोपरि है। लेकिन जब भी किसी ऑपरेशन पर सवाल उठते हैं तो उनका त्वरित और पारदर्शी समाधान होना चाहिए ताकि राष्ट्र-विरोधी तत्वों को सेना के खिलाफ दुष्प्रचार का अवसर न मिले। साहनी ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा दिए गए मजिस्ट्रेट जांच के आदेशों का स्वागत करते हुए कहा कि निर्धारित 7 दिनों की समय सीमा के भीतर जांच रिपोर्ट न केवल प्रस्तुत की जाए, बल्कि उसे सार्वजनिक भी किया जाए। उन्होंने भविष्य में इस प्रकार की विवादित स्थितियों को समाप्त करने के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में संचालित सभी सुरक्षा अभियानों के दौरान सुरक्षा कर्मियों के लिए 'बॉडी कैम' और डिजिटल वीडियो रिकॉर्डिंग को अनिवार्य बनाने की मांग की।

गांदरबल मुठभेड़ को लेकर जम्मू-कश्मीर विधानसभा में हंगामा

जम्मू, 04 अप्रैल । जम्मू-कश्मीर विधानसभा के बजट सत्र के अंतिम दिन शनिवार को गांदरबल मुठभेड़ को लेकर सदन में जोरदार हंगामा देखने को मिला। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी), कांग्रेस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के विधायकों ने हाल ही में हुई मुठभेड़ की न्यायिक जांच की मांग उठाई और इसे गंभीर मामला बताया। दरअसल, 31 मार्च को अरहामा के जंगलों में हुई मुठभेड़ में सेना ने एक व्यक्ति को मार गिराने का दावा किया था, जिसकी पहचान गांदरबल निवासी राशिद अहमद मुगल के रूप में हुई। सेना का कहना है कि वह एक आतंकवादी था, लेकिन मृतक के परिवार ने इस दावे

को खारिज करते हुए मुठभेड़ को फर्जी बताया है। परिवार का आरोप है कि राशिद का आतंकवाद से कोई संबंध नहीं था और उन्होंने शव को अंतिम संस्कार के लिए वापस करने की मांग की है। इस बीच, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को मामले की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं और सात दिनों के भीतर रिपोर्ट सौंपने को कहा है। शनिवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को छोड़कर सत्ता पक्ष और विपक्ष के अधिकांश विधायकों ने इस घटना की निंदा की और अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर से इस मुद्दे पर बयान देने की मांग की। नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ विधायक मुबारक गुल ने इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि यदि किसी निर्दोष की हत्या हुई है तो यह बेहद गंभीर मामला है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने सदन से इस घटना के खिलाफ कड़ा संदेश देने की अपील की। पूर्व न्यायाधीश और एनसी विधायक हसनैन मसूदी ने कहा कि सम्मानजनक अंतिम संस्कार का अधिकार एक मौलिक और संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने जोर दिया कि इस अधिकार का हनन न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करता है। उन्होंने मृतक के परिवार की मांग का समर्थन करते हुए शव सौंपने की अपील की। कांग्रेस विधायक निजामुद्दीन भट ने कहा कि इतने संवेदनशील मामले में केवल प्रशासनिक जांच पर्याप्त नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि निष्पक्षता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए न्यायिक जांच आवश्यक है, क्योंकि प्रशासनिक जांच में हितों का टकराव हो सकता है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक मीर सैफुल्लाह ने घटना को बेहद चिंताजनक बताते हुए कहा कि दोषियों की पहचान कर उन्हें सजा दिलाने के लिए न्यायिक जांच जरूरी है।

जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है,लेकिन निर्दोषों को भुगतना नहीं चाहिए : उपमुख्यमंत्री

जम्मू, 04 अप्रैल । उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने शनिवार को कहा कि जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है, लेकिन किसी भी परिस्थिति में किसी भी निर्दोष को भुगतना नहीं चाहिए।

विधानसभा के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उपराज्यपाल ने गांदरबल घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं और सरकार इसकी रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई करेगी। जम्मू और कश्मीर तीन दशकों से अधिक समय से आतंकवाद का सामना कर रहा है। आतंकवादियों के लिए यहां या देश में कहीं भी कोई जगह नहीं है। साथ ही, किसी भी निर्दोष की जान नहीं जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट आने दीजिए।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर गांदरबल मुठभेड़ फर्जी साबित होती है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी और इस बात पर जोर दिया कि ऐसी घटनाएं दोबारा नहीं होनी चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के वादों की आलोचना करने वाले विपक्ष पर भी निशाना साधा और कहा कि सरकार जनता के प्रति जवाबदेह है। उन्होंने कहा कि हम विपक्ष के इशारे पर काम नहीं कर रहे हैं। उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार जनता की सरकार है। हम यहां अपने

किए गए वादों को पूरा करने आए हैं। विपक्ष को अपने वादों के बारे में जवाब देना चाहिए।

आज का इतिहास

- **1801** : ब्रिटेन में पहली बार जनगणना हुई।
- **1876** : ग्राहम बेल ने पहली बार टेलीफोन पर अपने मित्र से बात की। उन्होंने मित्र से कहा कि ''मेरी आवाज सुनो, मैं एलेक्जेंडर ग्राहम बेल'
- **1922** : महात्मा गांधी पहली बार साबरमती आश्रम में गिरफ्तार किए गए।
- **1922** : चीन ने परमाणु अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर किए।
- **1945** : पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव सिंधिया का जन्म।
- **1998** : इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुहार्तो लगातार सातवीं बार राष्ट्रपति पद पर निर्वाचित।
- **2002** : फिलीस्तीन के राष्ट्रपति यासर अराफात के आने-जाने पर लगा प्रतिबंध हटा।
- **2003** : उत्तर कोरिया ने क्रूज मिसाइल का परीक्षण किया।
- **2006** : पाकिस्तान के क्वेटा शहर में बारूदी सुरंग विस्फोट में 26 लोगों की मौत हुई।
- **2007** : यूक्रेन के वैसिलीइवानचुक को हराकर भारत के विश्वनाथन आनंद शतरंज में प्रथम स्थान पर पहुंचे।
- **2008** : माणिक सरकार की अगुवाई में त्रिपुरा में पुनः लेफ्ट फ्रंट ने सत्ता संभाली।
- **2008** : मलेशिया में अब्दुल्ला बदावी पुनः देश के प्रधानमंत्री बने।

जबलपुर में घूमने के लिए हैं कई प्रमुख पर्यटन स्थल

नर्मदा नदी के मुहाने पर स्थित है जबलपुर, जो कि मध्य प्रदेश के सबसे प्राचीन और प्रसिद्ध शहरों में से एक है। इस शहर का नाम संत जबली के नाम पर रखा गया है। इनका जिक्र रामायण में भी किया गया है। ऐसा माना जाता है कि नर्मदा नदी के तट पर एक छोटी-सी गुफा में जबली नामक साधु निवास करते थे। ब्रिटिश शासन के दौरान इसे जबलीपुरम, जुब्बुलगढ़ और जुब्बुलपोर नाम दिया गया था। जबलपुर पर सबसे पहले मौर्य राजवंश के सतवाहन, गुप्ता, गोंडवाना और मराठाओं का शासन था। इसके बाद ये शहर ब्रिटिश हुकूमत के शासन में आ गया। जबलपुर में कई सारे उद्योग हैं। इस शहर का विकास बड़ी तेजी से हो रहा है और यहां पर आपके लिए कई दार्शनिक स्थल भी हैं। स्मार्ट सिटी योजना के तहत जबलपुर को भी स्मार्ट सिटी बनाने के लिए चुना गया है। जबलपुर का मौसम मध्य उत्तर भारत जैसा ही है। यहां मार्च से जून तक गर्मियों का मौसम रहता है और नवंबर से मार्च तक ठंड रहती है। यहां की अधिकतर जनसंख्या कृषि करती है और यहां पर कुछ निर्माण उद्योग भी लगाए गए हैं। ऑफिस की चिक-चिक से राहत देती भारत की ये अनजानी जगह जबलपुर शहर वायु, रेल और सड़क मार्ग द्वारा मुख्य शहरों से जुड़ा हुआ है। शहर से एयरपोर्ट 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इस शहर तक भारत का सबसे लंबा हाईवे एनएच 7 आता है। अगर आप जबलपुर घूमने जा रहे हैं तो जानिए कि इस शहर में घूमने के लिए कौन-कौन सी जगह हैं, जिसे आप देख सकते हैं।

नर्मदा नदी में करें पवित्र स्नान

यहां देश की पांच पवित्र नदियों में से एक है नर्मदा। यहां 12 साल में एक बार 12 दिनों के लिए नर्मदा पुष्करम उत्सव का आयोजन किया जाता है। नर्मदा नदी के तट पर स्थित ओंकारेश्वर मंदिर के दर्शन से पहले आप इस पवित्र नदी में स्नान कर सकते हैं। मान्यता है कि इस नदी में स्नान करने से सारे पाप धुल जाते हैं। माना जाता है कि एक बार भगवान शिव ध्यान में लीन थे और उन्हें अत्यधिक पसीना आ रहा था। तब उनके पसीने की एक बूंद यहां पर गिरी जिसने नदी का रूप ले लिया। इस नदी को नर्मदा के नाम से जाना जाने लगा। इसे भगवान शिव की पुत्री कहा जाता है।

डुमना नेचर रिजर्व

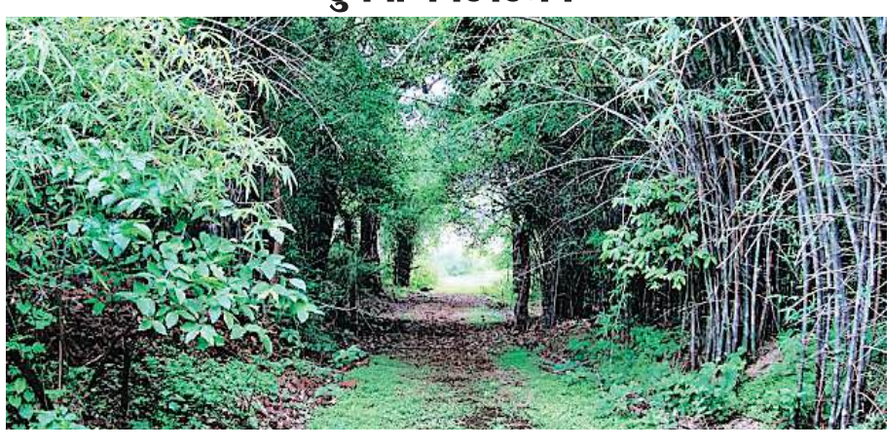

जबलपुर भ्रमण की शुरुआत यहां के खूबसूरत प्राकृतिक स्थल डुमना नेचर रिजर्व से कर सकते हैं। लगभग 1058 हेक्टेयर में फैला यह रिजर्व राज्य के चुनिंदा पर्यटन स्थलों में गिना जाता है। जबलपुर से 10 किमी दूर स्थित यह नेचर रिजर्व वीकेंड पर आरामदायक अवकाश बिताने के लिए सबसे आदर्श विकल्प माना जाता है। इस स्थल का एक इको टूरिज्म के रूप में विकसित किया गया जहां आप वन्य जीवन को बहुत ही करीब से देख सकते हैं। इस रिजर्व में विभिन्न जंगली जानवरों की प्रजातियों को भी देख सकते हैं, जिसमें चीतल, जंगली सूअर, सियार, तेंदुआ आदि शामिल हैं। इनके अलावा आप यहां विभिन्न पक्षी प्रजातियों को भी देख सकते हैं। इस रिजर्व में बच्चों के खेलने के लिए एक अलग से बाल उद्यान भी बनाया गया है।

भेड़ाघाट

जबलपुर से लगभग 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित भेड़ाघाट देखने लायक एक आकर्षक स्थल है। यह स्थल नर्मदा नदी के आसपास बनी संगमरमर की चट्टानों के लिए जाना जाता है। अपने रोमांच को दोगना करने के लिए आप यहां नौकायन का भी आनंद उठा सकते हैं। नर्मदा नदी की सैर के सहारे आसपास इन ऊंची-ऊंची सफेद चट्टानों को देखना सैलानियों को बहुत ही भाता है। नदी के दोनों तरफ लगभग 100 फीट की ऊंचाई पर ये सख्त चट्टानें बनी हुई हैं। चांदनी रात के दौरान यहां का दृश्य का रमणीय लगता है। जीवन के सबसे अनमोल पल बिताने के लिए आप एक बार भेड़ाघाट जरूर आएं।

सैर के दौरान जरूर बनाएं इन स्थलों का भी प्लान

धुंधर वाटर फाल

अगर आप जबलपुर में आकर अपने मूड को तरोताजा करना चाहते हैं तो यहां से 30 किमी की दूरी पर धुंधर झरने की सैर का आनंद ले सकते हैं। यहां पानी की तेज रफ्तार से उत्पन्न कोलाहल सैलानियों को दूर से ही रोमांचित कर देता है। यह जलप्रपात भारत की सबसे पवित्र नदियों में से एक नर्मदा पर बना है, जलप्रपात बिंदू पर आकर नदी का पानी 98 फीट की ऊंचाई से गिरता है। यहां पानी की हल्की-हल्की बौछारें धुएं का रूप ले लेती हैं शायद इसलिए इसका नाम धुंधर झरना पड़ा। ऊंचाई से गिरता पानी जब सख्त चट्टानों से टकराता है तो यहां धुएं जैसा दृश्य दिखाई देने लगता है। एक अद्भुत अनुभव के लिए आप यहां की सैर का आनंद ले सकते हैं।

मदन महल किला

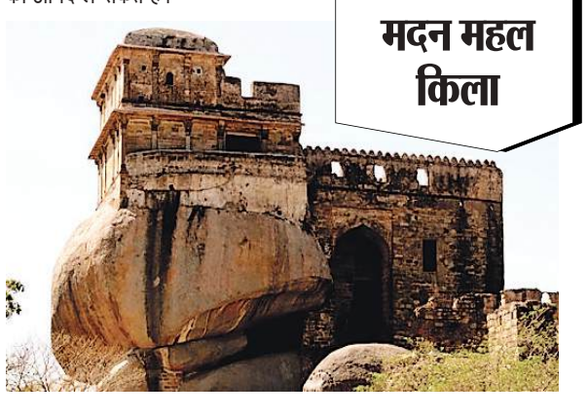

प्राकृतिक स्थलों के अलावा आप जबलपुर में ऐतिहासिक स्थानों की सैर का प्लान बना सकते हैं। यहां स्थित मदन महल किला पर्यटकों द्वारा ज्यादा देखे जाने वाला फोर्ट है। इस किले का निर्माण 11 शताब्दी के दौरान गोंड शासक रानी दुर्गावती के पुत्र मदन शाह द्वारा किया गया था। इस किले के माध्यम से आप अतीत के स्थापत्य गौरव को बारीकी से देख सकते हैं। यहा देश के बाकी किलों से काफी भिन्न है, इसका निर्माण किसी खास उद्देश्य से करवाया गया था। 500 मीटर की ऊंचाई पर स्थित इस किले से आप शहर के आकर्षक दृश्यों का आनंद उठा सकते हैं।

चौसठ योगिनी मंदिर

उपरोक्त स्थलों के अलावा आप जबलपर स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल चौसठ योगिनी मंदिर के दर्शन के लिए जा सकते हैं। पहाड़ी के शीर्ष पर स्थित 10 वीं शताब्दी यह मंदिर प्राचीन वास्तुकला को भली भांति प्रदर्शित करता है। 125 फीट व्यास के साथ यह मंदिर श्रद्धालुओं के साथ-साथ सैलानियों को भी अपनी ओर आकर्षित करता है।

रानी दुर्गावती संग्रहालय

जबलपुर पर्यटन पर आने वाले पर्यटक यहां जरूर आते हैं। एक तो यहा दुर्लभ वस्तुएं देखने को मिलती है तथा दूसरा यह जबलपुर शहर के बीचो बीच स्थित है। यहा पुरातत्व दृष्टि से महतवपूर्ण दुर्लभ मूर्तियों और वस्तुओं का संग्रह है। यहा आप खुदाई में निकली अनेक दुर्लभ वस्तुएं देख सकते हैं।

धुआंधार प्रपात

मध्य प्रदेश में स्थित एक बहुत ही सुंदर जलप्रपात है, जो नर्मदा नदी पर भेड़ाघाट में स्थित है पानी का इतनी ऊंचाई से गिर कर धुंए का निर्माण होता है, जिसे धुआंधार कहते हैं यह प्रपात मन को मोहने वाला होता है

जबलपुर संगमरमर के पत्थर के लिए भी प्रसिद्ध है, जो नर्मदा नदी पर स्थित भेड़ाघाट में पाया जाता है। इस संगमरमर का उपयोग आभूषण, मूर्ति और साज-सज्जा की वस्तु बनाने में किया जाता है और यहां से संगमरमर पूरे भारत में भेजा जाता है।

शिव स्टेच्यू

करीब 70 फीट लंबी भगवान शिव की मूर्ति कचनार सिटी जबलपुर में स्थित है, जहां भगवान शिव खुले आसमान के नीचे ध्यान की मुद्रा में बैठे हुए हैं। भगवान शिव की ऐसी मूर्ति आस्था को बल देती है यह मूर्ति भारत में भगवान शिव की कुछ बड़ी मूर्तियों में से एक है।

ग्वारीघाट

ग्वारीघाट सबसे सुंदर नर्मदा घाट जो प्रसिद्ध है, वहां के मंदिरों के लिए जैसे श्री राम रामलला मंदिर, गणेश मंदिर, गुरुद्वारा और जैन मंदिर। नर्मदा नदी के बीच में स्थित है मां नर्मदा का मंदिर जहां श्रद्धालु भारी मात्रा में मां के दर्शन करने के लिए आते हैं।

पिसनहारी की मढ़िया

पिसनहारी की मढ़िया एक जाना-माना दिगंबर जैन तीर्थ स्थल है, यह जैन मंदिर जबलपुर मे अपने वास्तुशिल्प और सुंदरता के लिए जाना जाता है तथा शहर का एक मुख्य आकर्षण भी है।

हनुमान ताल जैन मंदिर

हनुमान ताल जैन मंदिर एक ऐतिहासिक मंदिर है, जो हनुमान ताल के दाईं तरफ स्थित है। हनुमान ताल जैन मंदिर स्वतंत्र मंदिरों में से एक है और दूसरा जैन मंदिर जबलपुर में पिसनहारी की मढ़िया है, जो नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के पास स्थित है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

'हंदवाड़ा में जल आपूर्ति बंद करना राजस्व वसूली अभियान का हिस्सा था'

जम्मू, 04 अप्रैल (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के जल शक्ति मंत्री जावेद अहमद राणा ने शनिवार को विधानसभा में बताया कि हंदवाड़ा मंडल के कुछ हिस्सों में एक दिन के लिए जल आपूर्ति अस्थायी रूप से बंद करना विभाग के राजस्व वसूली अभियान का हिस्सा था। उन्होंने कहा कि इस कदम का उद्देश्य वसूली में सुधार करना और निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करना था। वह विधायक शेख खुर्शीद द्वारा लाए गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का जवाब दे रहे थे।

मंत्री ने जोर देकर कहा कि निर्बाध जल आपूर्ति के लिए उपयोगकर्ता शुल्क का समय पर भुगतान बेहद जरूरी है और यह जनता व प्रशासन दोनों की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि विभाग ने पहले घर-घर अभियान चलाकर और स्थानीय मंचों के जरिए जागरूकता फैलाने की कोशिश की, लेकिन अंततः अंतिम उपाय के रूप में जल आपूर्ति बंद करने का कदम उठाया गया।उन्होंने जानकारी दी कि इस कार्रवाई से मागम, नीलिपोरा और आसपास की कुछ बस्तियां प्रभावित हुईं, जहां राजस्व वसूली कम थी। हालांकि, 30 मार्च 2026 को जल आपूर्ति बहाल कर दी गई और इसके बाद से स्थिति सामान्य बनी हुई है। मंत्री जावेद अहमद राणा ने यह भी कहा कि बड़ी संख्या में उपभोक्ता पीने योग्य पानी का लाभ तो ले रहे हैं, लेकिन नियमित बिलिंग और बार-बार याद दिलाने के बावजूद बकाया राशि का भुगतान नहीं कर रहे हैं। इस दौरान मंत्री ने यह भी बताया कि ट्रांसफार्मर और जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी (पीएचई) उपकरणों की चोरी के मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों के पास एफआईआर दर्ज कराई गई है। वह विधायक देवयानी राणा के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का भी जवाब दे रहे थे।

लीगल लिटरेसी क्लब की शुरुआत, छात्रों को अधिकारों के प्रति किया जागरूक

कठुआ, 04 अप्रैल (हि.स.)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कठुआ के तत्वावधान में जम्मू संस्कृति स्कूल, कठुआ में लीगल लिटरेसी क्लब का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में कानूनी जागरूकता बढ़ाना और उन्हें उनके अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति संवेदनशील बनाना है। मुख्य अतिथि के रूप में उच्च न्यायालय जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव कुमार ने कहा कि युवाओं में कानूनी साक्षरता विकसित करना समय की जरूरत है जिससे समाज में न्याय, समानता और संवैधानिक मूल्यों को मजबूत किया जा सके। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष जतिंदर सिंह जम्वाल, सचिव उर्वशी आर. भार्गव, उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा सहित कई गणमान्य व्यक्ति, स्कूल प्रबंधन, शिक्षक व छात्र उपस्थित रहे। इस दौरान छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जिसमें कानून पर है सबका अधिकार नुक्कड़ नाटक विशेष आकर्षण रहा। अधिकारियों ने कहा कि लीगल लिटरेसी क्लब की स्थापना से स्कूल स्तर पर कानूनी शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा और छात्र समाज में जागरूकता के दूत बनेंगे।

अनुराग ठाकुर ने अमर सिंह स्पोर्ट्स एंड यूथ इनिशिएटिव के लोगो का किया अनावरण

नई दिल्ली, अप्रैल 4। लोकसभा सांसद तथा पूर्व केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण एवं युवा मामले एवं खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने नई दिल्ली में हाल ही में शुरू किए गए अमर सिंह स्पोर्ट्स एंड यूथ इनिशिएटिव, जम्मू-कश्मीर के लोगो का आधिकारिक रूप से अनावरण किया। इस अवसर पर अमर सिंह स्पोर्ट्स एंड यूथ इनिशिएटिव के निदेशक मार्तंड सिंह भी उपस्थित थे। ठाकुर को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) का नेतृत्व करने का विशिष्ट अनुभव रहा है, जहां वे सचिव और अध्यक्ष के रूप में सेवाएं दे चुके हैं। इस अवसर पर बोलते हुए मार्तंड सिंह ने लोगो के महत्व और उसके प्रतीकात्मक स्वरूप पर प्रकाश डाला, जिसमें सूर्य और त्रिशूल को दर्शाया गया है। उन्होंने बताया कि इस डिज़ाइन की परिकल्पना उनके दादा, प्रख्यात राजनेता और विद्वान डॉ. कर्ण सिंह द्वारा की गई थी। उन्होंने इनिशिएटिव के ध्येय वाक्य - उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक मत रुको - पर भी विस्तार से चर्चा की, जो उपनिषदों से लिया गया है और स्वामी

विवेकानंद द्वारा लोकप्रिय बनाया गया। यह युवाओं को अपनी आंतरिक क्षमता को पहचानने, दृढ़ संकल्प के साथ उत्कृष्टता प्राप्त करने और अपने सर्वोच्च लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयास करने का संदेश देता है। मार्तंड सिंह ने ठाकुर को अक्टूबर 2025 में स्थापना के बाद से इनिशिएटिव की गतिविधियों और उद्देश्यों के बारे में अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य जम्मू-कश्मीर के युवाओं में खेल प्रतिभा, कौशल विकास और शिक्षा को प्रोत्साहित, बढ़ावा देना और उन्हें निखारना है। उन्होंने इस क्षेत्र को अपार संभावनाओं से भरपूर बताया। अनुराग ठाकुर ने इनिशिएटिव के विकास और विस्तार के लिए महत्वपूर्ण सुझाव और विचार साझा किए तथा क्षेत्र में युवाओं की भागीदारी और खेल संस्कृति को मजबूत करने के प्रयासों को जारी रखने के लिए प्रेरित किया। बैठक के दौरान पिछले पांच वर्षों में जम्मू-कश्मीर में खेलों के उभार—जो प्रधानमंत्री विकास पैकेज तथा खेलो इंडिया गेम्स और विंटर गेम्स जैसी पहलों से प्रेरित है—पर भी चर्चा हुई। मार्तंड सिंह ने कहा, यह एक अत्यंत सकारात्मक बैठक रही। उनके शब्द प्रेरणादायक और उत्साहवर्धक थे, जिससे मुझे इन प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए नई ऊर्जा मिली।

वाहन छोड़ने के बदले रिश्वत मांगने के आरोप में पुलिस हेड कांस्टेबल गिरफ्तार

राजौरी, 04 अप्रैल (हि.स.)। भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने शनिवार को राजौरी जिले के थानामंडी पुलिस स्टेशन के एक हेड कांस्टेबल को 10,000 रुपये की रिश्वत मांगने और लेने के आरोप में गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

आरोपी की पहचान थानामंडी पुलिस स्टेशन में तैनात हेड कांस्टेबल मोहम्मद इलियास के रूप में हुई है। यह कार्रवाई रियासी निवासी अब्दुल हामिद की शिकायत के बाद की गई जिन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस अधिकारी दुर्घटनाग्रस्त वाहन को छोड़ने के बदले पैसे मांग रहा था। यह मामला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उसने पहले ही 5,000 रुपये दे दिए थे लेकिन उस पर अतिरिक्त 10,000 रुपये देने का दबाव डाला जा रहा था जिसके कारण उसने एसीबी से संपर्क किया।

शिकायत के अनुसार दुर्घटना तब हुई जब अब्दुल हामिद शाहदरा शरीफ जा रहे थे। उन्होंने बताया कि मैंने पहले ही 5,000 रुपये दे दिए थे। अब जांच अधिकारी 10,000 रुपये और मांग रहा था। मुझे बताया गया कि अगर मैंने पैसे नहीं दिए तो वे मामले को लंबा खींचेंगे और मेरा वाहन नहीं छोड़ा जाएगा। शिकायतकर्ता ने कहा कि उसे बहुत उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। शिकायत के बाद एसीबी ने जाल बिछाकर आरोपी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और मामले में आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

सैनिक स्कूल नगरोटा में इन्वेस्टिचर सेरेमनी, एनडीए चयनित कैडेट्स के अभिभावकों का सम्मान

जम्मू, 04 अप्रैल (हि.स.)। सैनिक स्कूल नगरोटा में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए इन्वेस्टिचर सेरेमनी बड़े गौरव और गरिमा के साथ आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत एनडीए 154 कोर्स में चयनित आठ कैडेट्स के अभिभावकों के सम्मान से हुई जिसने पूरे स्कूल और क्षेत्र को गर्व का अवसर प्रदान किया। कैडेट इखलाक हसन, हुसैन, प्रणव शर्मा, आदित्य कुमार सिंह, पृथ्वी राज संब्याल, दिव्यांश भारद्वाज, पियूष शर्मा और यासिर मुख्तार वानी के अभिभावकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रक्षा मंत्रालय से प्राप्त 12 लाख रुपये से अधिक की प्रोत्साहन राशि भी अभिभावकों को सौंपी गई।

एनडीए 154 कोर्स के लिए चयनित ये कैडेट्स जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के विभिन्न क्षेत्रों से हैं जो स्कूल की समावेशी सोच और व्यापक पहुंच को दर्शाता है। यह उपलब्धि संस्थान की उस निरंतर भूमिका को भी उजागर करती है जिसके तहत वह युवाओं को सशस्त्र बलों में योगदान देने के लिए तैयार करता है। समारोह के दौरान 15 नए छात्र नेताओं को औपचारिक रूप से जिम्मेदारियां सौंपी गईं। राघव चिब को स्कूल कैप्टन, उदय कुमार को स्कूल एडजुटेंट, आदर्श कुमार तिवारी

को स्पोर्ट्स कैप्टन, ईशान परिहार को कल्चरल कैप्टन और उत्कर्ष विवेक को बैंड कैप्टन नियुक्त किया गया। सभी ने पद की शपथ लेते हुए अनुशासन और परंपराओं को बनाए रखने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य कैप्टन (आईएन) शिबू देवासिया ने एनडीए चयनित कैडेट्स के अभिभावकों को बधाई दी और नए छात्र नेताओं को जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया।

हीरानगर में पंचायत मतदाता सूची पुनरीक्षण का निरीक्षण

कठुआ , 04 अप्रैल (हि.स.)। उपमंडल दंडाधिकारी (एसडीएम) हीरानगर फुलैल सिंह ने पंचायत मतदाता सूची पुनरीक्षण के तहत विभिन्न मतदान केंद्रों—चक भगवाना और चक गोपाल का व्यापक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने बूथ लेवल अधिकारियों और पंचायत चुनाव बूथ अधिकारियों की कार्यप्रणाली का जायजा लिया जो आम नागरिकों को मतदाता विवरण के अद्यतन व सत्यापन में सहायता प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों व स्थानीय लोगों से बातचीत कर जागरूकता और सुविधाओं की स्थिति का आकलन किया।यह निरीक्षण जिला पंचायत चुनाव अधिकारी कठुआ राजेश शर्मा के निर्देशों तथा राज्य चुनाव आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के तहत किया गया। एसडीएम ने अधिकतम जनभागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए अधिकारियों को सभी पात्र मतदाताओं को पूर्ण सहयोग देने के निर्देश दिए।

जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर सड़क दुर्घटना में उत्तर प्रदेश के चार लोग घायल

अनंतनाग, 04 अप्रैल (हि.स.)। शनिवार को दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर संगम क्रॉसिंग पर एक सड़क दुर्घटना में चार लोग घायल हो गए। यह दुर्घटना व्यस्त संगम जंक्शन पर एनएच-44 पर हुई जो कश्मीर घाटी को देश के शेष भाग से जोड़ने वाला एक प्रमुख मार्ग है।

अधिकारियों ने बताया कि घायल सभी लोग पर उत्तर प्रदेश के निवासी हैं और उन्हें घटना के तुरंत बाद इलाज के लिए बिजबेहरा उप जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल सूत्रों ने बताया कि घायलों का इलाज चल रहा है हालांकि उनकी चोटों की गंभीरता के बारे में तत्काल जानकारी नहीं मिल पाई है।

पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया है और दुर्घटना के कारणों के बारे में अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के बाद यातायात कुछ समय के लिए प्रभावित हुआ लेकिन बाद में बहाल कर दिया गया।

डोगरी साहित्य सभा ने स्थापना दिवस मनाया

जम्मू, 4 अप्रैल। आज डोगरी साहित्य सभा कुप्पड़ प्रगालता ने 29में स्थापना दिवस पर चेचा मुशायरे दा कवि प्रौग्राम कराया ऐ। ऐस कार्यक्रम दे मुख परोने श्री राम रतन शर्मा हे। चेचे परोने अशोक शर्मा और हे।

प्रधानता श्री सुभाश सुम्बडिया साबक पैंच ने किती ऐ। मुशायरे दी शुरूआत गणेश बंदनां कनें ओई ऐ। श्री जनकराज भगत, विशाल डोगरा, श्री राजेन्द्र सिंह, जगदीश सिंह, राकेश वर्मा, रमेश चंद्र, शीलो देवी, सरसवती ते साथनां अनिता देवी, गुड़ी देवी ते श्रीमति त्रिपता देवी, कांता देवी, बबली देवी, पूर्ण चंद, रैम अली, गौरव शर्मा, दर्शन कुमार बगैरा मते लोक शामल हे। पहला ईनाम राकेश वर्मा, दुआ ईनाम राजेंद्र सिंह, त्रिया ईनाम जगदीश उरे गी दिता गया।

हीरानगर में 6 ट्यूबवेल साइट्स पर पंपिंग मशीनरी स्थापित

जम्मू , 04 अप्रैल (हि.स.)। मंत्री जावेद अहमद राणा ने विधानसभा में जानकारी देते हुए बताया कि हीरानगर क्षेत्र की सभी छह ट्यूबवेल साइट्स पर पंपिंग मशीनरी स्थापित कर दी गई है। यह जानकारी विधायक राजीव जसरोटया द्वारा उठाए गए प्रश्न के जवाब में दी गई। मंत्री ने बताया कि करोल-मथारियां, स्प्लावां और बोबिया जैसे गांवों में नहरें, पंप रूम और डिलीवरी टैंक सहित सिंचाई ढांचा तैयार कर चालू कर दिया गया है। हालांकि कड़याला और चक चंगा क्षेत्रों में भूमि विवाद और अन्य कारणों के चलते वितरण नेटवर्क और सिविल कार्य शुरू नहीं हो सके हैं।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल अभियंता—तृतीय/फिरोजपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित ई—निविदाएं, अंतिम तिथि **22.04.2026** समय **15:00** बजे तक, **www.ireps.gov.in** पर आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता अपने मूल/संशोधित निविदा बंद होने की तिथि तथा समय तक प्रस्तुत कर सकते हैं। मैन्युअल निविदा मान्य नहीं है और ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा। ठेकेदार निविदा प्रपत्र की लागत और बयाना राशि का भुगतान केवल **www.ireps.gov.in** पोर्टल पर उपलब्ध ऑन लाइन साधनों के माध्यम जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड व क्रेडिट कार्ड आदि से भुगतान कर सकते हैं। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, एफ.डी.आर. व रसीदों आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नही हैं।

निविदा प्रकार	निविदा अनुभाग	बोली प्रणाली
खुला	कार्य	एकल पैकेट प्रणाली
निविदा अपलोड करने की तिथि	**बोली शुरू की तिथि**	**बोली समापन की तिथि तथा समय**
30.03.2026	08.04.2026	22.04.2026/ 15:00 बजे

क्रम संख्या	निविदा संख्या	निविदा का विवरण			
1.	267-2025-26-SrDEN-III-FZR	वरिष्ठ डिविजनल इंजीनियर-तृतीय के अधिकार क्षेत्र में ट्रैफिक विभाग के 09 एल—क्रॉसिंग्स के बुनियादी ढांचे में सुधार, तथा फिरोजपुर डिवीजन में ट्रैफिक विभाग के 33 एल—क्रॉसिंग्स के बुनियादी ढांचे में सुधार का कार्य।			
		विज्ञापन मूल्य (रु.)	**बयाना राशि (रु.)**	**ऑफर की वैधता**	**समापन की अवधि**
		84,33,242.70	1,68,700.00	60 दिन	09 महीने
		समान प्रकृति का कार्य:- "ट्रैक निर्माण कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य।"			

नोट: 1. निविदा डालने से पहले, निविदाकर्ता निविदा के संबंध में जारी किए गए किसी भी शुद्धिपत्र की जाँच करेंगे। 2. हिन्दी में किसी भी त्रुटि हेतु अंग्रेजी वर्जन का अवलोकन करे, तथा अंग्रेजी वर्जन ही मान्य होंगे।

सं.: 267-2025-26-SrDEN-III-FZR दिनांक: 01.04.2026 1111/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू में खगोल विज्ञान पर विशेष व्याख्यान, 'मिल्की वे' के रहस्यों पर हुई चर्चा

जम्मू, 04 अप्रैल (हि.स.)। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के भौतिकी एवं खगोल विज्ञान विभाग द्वारा एक अकादमिक कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया, जिसमें 卐गैलेक्सी का केमिकल इवोल्यूशन, मिल्की वे - कुछ पहेलियाँ卐 विषय पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। यह व्याख्यान प्रख्यात खगोल वैज्ञानिक प्रो. बाचम ईश्वर रेड्डी द्वारा दिया गया जो आईआईटी जम्मू में डीन रह चुके हैं और भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान के पूर्व निदेशक भी रहे हैं। उन्होंने 'मिल्की वे' गैलेक्सी के निर्माण, रासायनिक विकास और तारों की उत्पत्ति से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। साथ ही उन्होंने न्यूक्लियोसिंथेसिस, तारकीय आबादी और गैलेक्सी के विकास से जुड़े अनसुलझे प्रश्नों और हालिया शोध प्रगति पर भी प्रकाश डाला।

यह कार्यक्रम कुलपति प्रो. संजीव जैन के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया जिनकी पहल से विश्वविद्यालय में अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा मिल रहा है। कार्यक्रम का संचालन प्रो. वंदना शर्मा के संयोजन में हुआ जबकि विभागाध्यक्ष प्रो. विनय कुमार ने आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ओंकार नाथ वर्मा ने प्रभावी ढंग से किया जिससे संवादात्मक माहौल बना रहा। इस अवसर पर शिक्षक, शोधार्थी और विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। अंत में प्रश्नोत्तर सत्र के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ जिसमें प्रतिभागियों ने खगोल विज्ञान के समकालीन विषयों पर गहरी रुचि दिखाई।

एसपी बृजेश शर्मा को भावभीनी विदाई, कार्यकाल की सराहना में आयोजित सम्मान समारोह

जम्मू, 04 अप्रैल (हि.स.)। जिला ग्रामीण एसपी बृजेश शर्मा के स्थानांतरण के अवसर पर श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट द्वारा एक भावभीनी विदाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रशासनिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लेकर उनके कार्यकाल की सराहना की और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में बृजेश शर्मा ने कहा कि जिले में कार्य करना उनके लिए एक यादगार अनुभव रहा। उन्होंने पुलिस और आम जनता के बीच बेहतर समन्वय को अपनी प्राथमिकता बताते हुए कहा कि इसमें उन्हें स्थानीय लोगों का भरपूर सहयोग मिला। उन्होंने ट्रस्ट का आभार व्यक्त करते हुए

कहा कि यहां के लोगों का स्नेह वह हमेशा याद रखेंगे।

ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रोहित शास्त्री ने कहा कि बृजेश शर्मा ने अपने कार्यकाल में ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और संवेदनशीलता का परिचय दिया तथा कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस अवसर पर तहसीलदार भलवाल मोनिका शर्मा और एडीपीओ दोमाना मुदस्सर ने भी उनके प्रशासनिक समन्वय और नेतृत्व की सराहना की। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अंत में सभी ने मिलकर एसपी बृजेश शर्मा को सम्मानित किया और उनके आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

परशुराम जयंती पर भव्य आयोजन की तैयारी, डोगरा ब्राह्मण सभा तैयारियों में जुटी

जम्मू, 04 अप्रैल (हि.स.)। डोगरा ब्राह्मण सभा परेड, जम्मू द्वारा 17 अप्रैल को मनाई जाने वाली परशुराम जयंती की भव्य तैयारियां जोर-शोर से शुरू कर दी गई हैं। इस संबंध में शनिवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता सभा के अध्यक्ष वेद प्रकाश ने की जबकि आयोजन में भाजपा प्रवक्ता एवं पूर्व उपमहापौर पूर्णिमा शर्मा का विशेष सहयोग रहा। बैठक में समाज की प्रमुख महिला सदस्यों, पूर्व पार्षदों, सेवानिवृत्त शिक्षकों और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर आयोजन को सफल और समावेशी बनाने के लिए सुझाव दिए। इस दौरान शोभा यात्रा में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी, सुरक्षा और बेहतर समन्वय पर विशेष जोर दिया गया।

वेद प्रकाश ने विश्वास जताया कि यह आयोजन समाज को एकजुट करने और सांस्कृतिक विरासत को सशक्त बनाने का कार्य करेगा। वहीं, पूर्णिमा शर्मा ने कहा कि महिलाओं की भागीदारी से आयोजन और अधिक सुरक्षित, प्रभावी और जीवंत बनेगा। कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत 12 अप्रैल को निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग के एचओडी डॉ. सुशील शर्मा और ऑर्थोपेडिक्स विशेषज्ञ डॉ. राकेश शर्मा अपनी सेवाएं देंगे।

15 अप्रैल को विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिताएं और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे जबकि 17 अप्रैल को सुबह 10:30 बजे शोभा यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होकर निकलेगी और सभा स्थल पर समाप्त होगी। इसके अलावा 19 अप्रैल को बच्चों के लिए यज्ञोपवित संस्कार का आयोजन किया जाएगा जिससे उन्हें सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों से जोड़ा जा सके।

GOVERNMENT OF JAMMU AND KASHMIR
OFFICE OF THE REGIONAL TRANSPORT OFFICER
TRANSPORT NAGAR, JAMMU
PUBLIC NOTICE

Subject: Initiation of action against habitual vehicle offenders (25,751 cases) in respect of District Jammu in light of provisions of the Motor Vehicles Act, 1988, Rules framed there-under and Supreme Court Committee on Road Safety Guidelines

References:

i. Letter No. TRPT-Gen/14/2022-02-(7044671) dated 15-01-2026 issued by Administrative Department (Transport), Civil Secretariat, Jammu.

ii.Letter No. THQ/Legal/Cancel-DL/2026/5615-17 dated 09-03-2026 received from Inspector General of Police (Traffic), Jammu.

iii.Letter No. TC/JK/Estt./2026/3026-50 dated 01-04-2026 received from Transport Commissioner, J&K, Jammu.

Whereas, the Traffic Police, Jammu have furnished an offence-wise list of 25,751 vehicles in respect of District Jammu **(Annexure-A)** wherein the registered owners have been involved in five (05) or more violations (challans) under the provisions of the Motor Vehicles Act, 1988 and Rules made thereunder;

Whereas, the violations include offences falling under the ambit of the Supreme Court Committee on Road Safety Guidelines, such as, Non-wearing of crash helmet, Driving without seat belt, Over-speeding, Overloading, Driving under the influence of alcohol (drunken driving), Use of mobile phone while driving;

Whereas, repeated commission of such offences constitutes habitual violation of traffic laws and attracts penal action under the relevant provisions of law;

Whereas, the relevant rules governing violations are reproduced as under:

Section 19 of the Motor Vehicles Act, 1988 authorizes Power to Licensing Authority to disqualify or revoke Driving Licence,

Section 53 & **Section 55** of the Motor Vehicles Act, 1988 authorizes Registering Authority to Suspend/Cancel Registration Certificate,

Section 86 of the Motor Vehicles Act, 1988 authorizes Registering Authority to Cancel/Suspend Permits.

Now therefore, It is hereby notified that:

All vehicle owners whose vehicles are reflected in Annexure-A and have been booked five (05) or more times challans shall treat this Public Notice as a Show Cause Notice. Such defaulters are hereby called upon to submit their reply/representation within 15 days from the date of issuance of this notice, explaining as to why action should not be taken against them under the provisions of the Motor Vehicles Act and Rules and Supreme Court Committee on Road Safety Guidelines.

In case no reply is received within the stipulated period, it shall be presumed that the concerned vehicle owner has no explanation to offer and ex-parte action shall be initiated. The action may include, but shall not be limited to Suspension or cancellation of Driving Licence (DL) , Suspension or cancellation of Registration Certificate (RC), Suspension or cancellation of Route Permit (RP), Any other action as warranted under law

The list of defaulting vehicles is enclosed herewith as Annexure-A for information and necessary compliance and is also available on official website of office of Transport Commissioner, J&K, Jammu.

No: MVD/RTO/2026/09-12
Dated: 02.04.2026

DIP/J-153/26
Dtd: 4-4-2026

Sd/-
Regional Transport Officer
Jammu

संपादकीय

आवश्यक वस्तुओं पर सतर्क निगरानी

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच आपूर्ति श्रृंखलाओं की कमजोरियों और कीमतों में उतार-चढ़ाव के खतरे ने एक बार फिर आवश्यक वस्तुओं के प्रबंधन की नाजुकता को उजागर किया है। जिन क्षेत्रों पर इसका सीधा प्रभाव नहीं पड़ता, वहाँ भी वैश्विक अस्थिरता के प्रभाव अक्सर घबराहट में खरीदारी, कृत्रिम कमी और अवसरवादी बाजार गतिविधियों के रूप में सामने आते हैं। ऐसी परिस्थितियों में प्रशासनिक तैयारियाँ कोई विकल्प नहीं बल्कि अनिवार्यता बन जाती हैं, क्योंकि थोड़ी सी चूक भी जनता के लिए परेशानी का कारण बन सकती है। इसी संदर्भ में जम्मू संभाग के सभी जिलों में आवश्यक वस्तुओं की निगरानी के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति का हालिया निर्णय एक सकारात्मक कदम है। इस पहल का उद्देश्य प्रत्येक जिले में जिला नियंत्रण कक्षों की निगरानी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को नियुक्त कर व्यवस्था को अधिक सुव्यवस्थित बनाना है, ताकि आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता और वितरण से जुड़ी शिकायतों का समाधान किया जा सके। डोडा, पुंछ, जम्मू, रियासी, राजौरी, किश्तवाड़, सांबा, रामबन, उधमपुर और कठुआ जैसे जिलों को इस व्यवस्था के अंतर्गत लाकर एक अधिक उत्तरदायी और जवाबदेह तंत्र विकसित करने का प्रयास किया गया है। हालांकि, केवल नोडल अधिकारियों की नियुक्ति और नियंत्रण कक्षों की स्थापना पर्याप्त नहीं होगी, जब तक कि इसे जमीनी स्तर पर ठोस और प्रभावी कार्रवाई का समर्थन न मिले। निगरानी केवल कागजी कार्यवाही या नियमित रिपोर्टिंग तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। आवश्यक है कि नियमित क्षेत्रीय निरीक्षण, अचानक जांच और वास्तविक समय में भंडार की स्थिति का सत्यापन किया जाए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आवश्यक वस्तुएँ बिना किसी बाधा के वास्तव में जनता तक पहुँच रही हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अनिश्चितता के समय में अक्सर उभरने वाली जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ प्रशासन को सख्त कदम उठाने होंगे। ऐसी गतिविधियाँ न केवल आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित करती हैं, बल्कि लोगों के डर का फायदा उठाकर मुनाफाखोरी भी करती हैं। इन पर रोक लगाने के लिए कड़े दंड और कानूनी कार्रवाई जरूरी है, अन्यथा सबसे अच्छी निगरानी व्यवस्था भी निष्प्रभावी साबित हो सकती है। संभाग स्तर पर समन्वय की जिम्मेदारी निभाने वाले अधिकारी की भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण है। यह व्यवस्था जिलों के बीच बेहतर संवाद और नियंत्रण कक्षों के सुचारू संचालन में मदद कर सकती है, लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि शिकायतों का समाधान कितनी तेजी से होता है और पूरी प्रक्रिया कितनी पारदर्शी है। जनता का विश्वास घोषणाओं से नहीं, बल्कि ठोस परिणामों से बनता है। अंततः, स्थिति एक संतुलित दृष्टिकोण की मांग करती है—जहाँ प्रशासनिक उपायों के साथ सख्त प्रवर्तन और जवाबदेही भी सुनिश्चित हो। आवश्यक वस्तुओं की निगरानी को एक प्रतिक्रियात्मक प्रक्रिया से आगे बढ़ाकर एक मजबूत और सक्रिय तंत्र में बदलना होगा, जो वैश्विक अनिश्चितताओं और स्थानीय चुनौतियों दोनों का सामना कर सके। तभी यह अपने मूल उद्देश्य जनता को अनावश्यक कठिनाइयों से बचाने में सफल हो पाएगा।

देश में गिरता शिक्षा का स्तर

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अभी मेडिकल पीजी में शून्य (0) पर्सेंटाइल पर प्रवेश का मुद्दा पुराना भी नहीं हुआ है कि राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा स्कूल लेक्चरर के लिए आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम ने देश की शिक्षा के हालातों के पोल खोलकर ही रख दी है। शिक्षा के मंदिर में बच्चों को पढ़ाने के लिए लेक्चरर के पद पर नियुक्ति के लिए आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा में राजनीति विज्ञान के लेक्चरर के पद के लिए हजारों युवाओं ने परीक्षा दी और 225 पद होने के बावजूद केवल छह परीक्षार्थी चयन के योग्य पाये गये। मजे की बात है कि परीक्षा देने वाले हजारों युवाओं में मात्र 219 युवा भी न्यूनतम प्राप्तांक 40 प्रतिशत अंक भी प्राप्त नहीं कर पाए।

हालात की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि फिजिकल एजुकेशन के 37 पदों के लिए एक भी नहीं और होम साइंस जैसे विषय के लेक्चरर के पद के लिए केवल एक परीक्षार्थी ही सफल हो सका। अब एक ओर देश में प्रतिपक्ष बेरोजगारी की समस्या को गंभीरता से उठा रहा है तो तो दूसरी और भर्ती वाले पदों के लिए न्यूनतम अहर्ता अंक प्राप्त करने में भी आज के युवा सफल नहीं हो पा रहे हैं।

यह कोई राजस्थान की ही बात नहीं है अपितु यह समूचे देश की शिक्षा के स्तर की बानगी है। क्योंकि निश्चित रुप से राजस्थान लोक सेवा आयोग की परीक्षा में अन्य प्रदेशों के युवा भी परीक्षार्थी रहे होंगे। बेरोजगारी की समस्या अपनी जगह पर है पर दूसरी ओर स्नातक, स्नातकोत्तर और तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवाओं के ज्ञान के स्तर को इससे आंका जा सकता है। यही कारण है कि आज मल्टी टास्क सर्विस जिसे परंपरागत शब्दों में कहा जाए तो चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद या शहरी निकायों में सफाई कर्मचारी के कुछ पदों के लिए ही हजारों लाखों युवा आवेदन करने लगे हैं और तस्वीर का एक पहलू यह है कि इन युवाओं में उच्च और तकनीकी शिक्षा यहां तक की इंजीनियर, डॉक्टर, एमबीए तक आवेदन कर रहे हैं।

यह हमारे शैक्षणिक संस्थानों के लिए किसी तमाचे से कम नहीं होना चाहिए। राजनीतिक विज्ञान के स्कूल लेक्चरर के लिए परीक्षा देने वाले युवाओं ने निश्चित रूप से राजनीति विज्ञान की उच्च पढ़ाई की होगी। उनका न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक भी प्राप्त नहीं करना चिंताजनक है। वैसे देखा जाए तो 40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर चयनित होने वाले स्कूल लेक्चरर से आप बच्चों को अच्छी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने की अपेक्षा करेंगे तो बेमानी होगी। हालात वास्तव में गंभीर है और यही कारण है कि नौकरी के लिए आयोजित परीक्षाओं में नकल, गलत प्रयोग और पेपर आउट व डमी कैंडिडेट द्वारा परीक्षाएं देने के लिए माफिया की बन पड़ी है।

मेडिकल पीजी में जीरो पर्सेंटाइल पर प्रवेश के निर्णय पर यह अवश्य संतोष की बात है कि फैडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन ने सरकार के इस निर्णय की खिलाफत करने की हिम्मत दिखाई है। इसमें कोई दोराय नहीं कि देश में शिक्षण संस्थाओं का जाल बिछा कर सबके लिए शिक्षा की सुविधा उपलब्ध हो सकी। अब तो डीम्ड यूनिवर्सिटी सहित यूनिवर्सिटी नित नई खुलती जा रही है। इसे अच्छा भी माना जा सकता है पर सौ टके का सवाल यह है कि क्या शिक्षण संस्थान केवल डिग्री देने के माध्यम ही बन कर रह गए हैं। राजनीति विज्ञान तो उदाहरण मात्र है, सवाल यह है कि परीक्षा देने वाले हजारों प्रतियोगियों ने किसी एक संस्थान से तो डिग्री प्राप्त की नहीं होगी। यह सोचने का वक्त है कि आखिर हम जा कहां रहे हैं।

शिक्षण संस्थानों की स्तरीयता पर ही सवाल खड़े हो जाते हैं। इसके अलावा जिस तरह से कोचिंग संस्थानों और पुस्तकालयों की बाढ़ आई हुई है उसके परिणाम भी इन परिणामों में कहीं दूर-दूर तक लक्षित नहीं हो रहे। सरकार और तकनीकी शिक्षण संस्थानों को कम से कम अपने स्तर का तो ध्यान रखना ही होगा। शिक्षा की गुणवत्ता और तकनीकी अध्ययन की वैश्विक पहचान बनाना सरकार और

मेडिकल पीजी में जीरो पर्सेंटाइल पर प्रवेश के निर्णय पर यह अवश्य संतोष की बात है कि फैडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन ने सरकार के इस निर्णय की खिलाफत करने की हिम्मत दिखाई है। इसमें कोई दोराय नहीं कि देश में शिक्षण संस्थाओं का जाल बिछा कर सबके लिए शिक्षा की सुविधा उपलब्ध हो सकी। अब तो डीम्ड यूनिवर्सिटी सहित यूनिवर्सिटी नित नई खुलती जा रही है।

अध्ययन केन्द्रों की पहली और अंतिम प्राथमिकता होनी चाहिए, पर यहां तो स्थानीय स्तर पर ही खरे नहीं उतर पा रहे हैं। कल्पना कीजिए कि जीरो पर्सेंटाइल वालों को विशेषज्ञ बनाकर इलाज का लाइसेंस देंगे तो इसे आम नागरिकों की जिंदगी से खिलवाड़ और शिक्षा पद्धति के साथ मजाक बनाना ही है। सरकार और आयोग को समय रहते शिक्षा के स्तर को बनाए रखने की पहल करनी होगी। इसी से देश की शिक्षा की गुणवत्ता देश दुनिया में बनी रह सकेगी। सरकारी और गैरसरकारी संस्थाओं को खासतौर से आगे आना होगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

घुमंतू समाज की पहचान का आधार बनेगी जनगणना

डॉ. सत्यवान सौरभ

देश में कुछ समुदाय ऐसे भी हैं, जिन्हें आज तक ठीक से गिना ही नहीं गया—न आंकड़ों में, ना नीतियों में, और ना ही संवेदनाओं में। ये वे लोग हैं, जिन्हें कभी अंग्रेजों ने जन्मजात अपराधी घोषित कर दिया था और आजादी के 78 साल बाद भी जिनकी पहचान उसी कलंक के बोझ तले दबी हुई है। यह विमुक्त, घुमंतू और अर्द्ध-घुमंतू जनजातियां हैं। यह आज भी भारत के विकास के नक्शे में अदृश्य बनी हुई हैं। ऐसे में 2027 की जनगणना केवल एक सांख्यिकीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि ऐतिहासिक न्याय का एक सुनहरा अवसर है। ब्रिटिश शासन के दौरान 1871 का आपराधिक जनजाति अधिनियम इन समुदायों के जीवन पर एक अमिट दाग बनकर चिपक गया। इस कानून ने उन्हें जन्म से ही अपराधी घोषित कर दिया, जिससे उनके जीवन का हर पहलू संदेह और निगरानी के घेरे में आ गया। यह केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं था, बल्कि सामाजिक बहिष्कार की एक संगठित व्यवस्था थी। स्वतंत्रता के बाद 1952 में इस अधिनियम को समाप्त कर इन समुदायों को विमुक्त तो कर दिया गया, लेकिन समाज की मानसिकता आज भी उस औपनिवेशिक सोच से पूरी तरह मुक्त नहीं हो पाई। परिणामस्वरूप, ये समुदाय आज भी पुलिस के संदेह, सामाजिक तिरस्कार और सरकारी उपेक्षा का शिकार बने हुए हैं।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिन लोगों को आजादी के बाद मुख्यधारा में शामिल किया जाना चाहिए था, वे आज भी पहचान के संकट से जूझ रहे हैं। स्थायी निवास का अभाव, लगातार प्रवास और दस्तावेजों की कमी इनके जीवन की सबसे बड़ी बाधाएं हैं। आधार कार्ड, राशन कार्ड, वोटर आईडी जैसे सामान्य दस्तावेज, जो किसी भी नागरिक के अधिकारों का आधार होते हैं, इन समुदायों के लिए एक सपना बनकर रह जाते हैं। जब पहचान ही नहीं होगी, तो अधिकार कैसे मिलेंगे? यही कारण है कि ये समुदाय सरकारी योजनाओं, आरक्षण और कल्याणकारी कार्यक्रमों से लगातार बाहर रह जाते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में स्थिति और भी चिंताजनक है। घुमंतू जीवनशैली के कारण बच्चों की पढ़ाई लगातार बाधित होती है। एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते रहने के कारण स्कूलों में नामांकन और निरंतरता दोनों ही मुश्किल हो जाते हैं। परिणामस्वरूप, इन समुदायों में ड्रॉपआउट दर अत्यधिक है और साक्षरता का स्तर बेहद निम्न। शिक्षा से वंचित रहना केवल एक व्यक्तिगत नुकसान नहीं, बल्कि पूरे समुदाय के भविष्य को अंधकार में धकेल देना है। स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति भी इससे अलग नहीं है। स्थायी स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच न होने के कारण ये लोग कुपोषण, संक्रमण और अन्य बीमारियों से जूझते रहते हैं। सरकारी अस्पतालों तक पहुंच की कमी और जागरूकता का अभाव उनकी समस्याओं को और गंभीर बना देता है।

इन सबके बीच सबसे ज्यादा कठिनाई महिलाओं को झेलनी पड़ती है। एक ओर वे सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन से जूझती हैं, तो दूसरी ओर लैंगिक भेदभाव और असुरक्षा की मार भी सहती हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित रहने के कारण उनकी स्थिति और भी कमजोर हो जाती है।

कई मामलों में वे राजनीतिक प्रतिनिधित्व से भी दूर रहती हैं, जिससे उनकी आवाज़ नीति-निर्माण तक पहुंच ही नहीं पाती। नीतिगत स्तर पर भी इन समुदायों के साथ लंबे समय तक न्याय नहीं हो पाया है। 2019 में विकास एवं कल्याण बोर्ड का गठन और सीड जैसी योजनाएं शुरू करना सकारात्मक कदम जरूर हैं, लेकिन उनका प्रभाव सीमित रहा है। बजट की कमी, कमजोर कार्यान्वयन और निगरानी तंत्र की अनुपस्थिति इन योजनाओं को प्रभावी बनने से रोकती है। सबसे महत्वपूर्ण समस्या यह है कि इन समुदायों के बारे में सटीक और विश्वसनीय आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। जब तक किसी समूह की वास्तविक संख्या, स्थिति और आवश्यकताओं का स्पष्ट आकलन नहीं होगा, तब तक उसके लिए प्रभावी नीतियां बनाना संभव नहीं है।

यही वह बिंदु है, जहां 2027 की जनगणना एक निर्णायक भूमिका निभा सकती है। अगर इस जनगणना में विमुक्त, घुमंतू और अर्द्ध-घुमंतू जनजातियों के लिए अलग कॉलम और कोड शामिल किया जाता है, तो यह उनके अस्तित्व को औपचारिक मान्यता देने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। यह केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि यह पहचान, सम्मान और अधिकारों की बहाली का प्रश्न है। हालांकि, इस दिशा में कई चुनौतियां भी सामने आ सकती

हैं। जाति जनगणना को लेकर पहले से ही राजनीतिक बहस जारी है और ऐसे में एक नई श्रेणी जोड़ना विवाद को और बढ़ा सकता है। लेकिन यह समझना जरूरी है कि यह मुद्दा केवल राजनीति का नहीं, बल्कि मानवाधिकार और सामाजिक न्याय का है। अगर सरकार और समाज इस दिशा में ईमानदारी से प्रयास करें, तो इन चुनौतियों को पार किया जा सकता है।

इसके लिए आवश्यक है कि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर एक समन्वित रणनीति तैयार करें। स्थानीय स्तर पर सर्वेक्षण और डेटा संग्रह की व्यवस्था को मजबूत किया जाए, ताकि घुमंतू समुदायों को सही तरीके से गिना जा सके। आधुनिक तकनीक—जैसे डिजिटल जनगणना और जीपीएस ट्रैकिंग—का उपयोग कर उनकी गतिशील जीवनशैली को ध्यान में रखते हुए डेटा एकत्र किया जा सकता है। साथ ही, गैर-सरकारी संगठनों और सामुदायिक समूहों को इस प्रक्रिया में शामिल करना भी महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि वे इन समुदायों के साथ सीधे जुड़े होते हैं और उनकी वास्तविक स्थिति को बेहतर समझते हैं।

शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में विशेष योजनाएं बनाकर इन समुदायों को मुख्यधारा से जोड़ना होगा। मोबाइल स्कूल, अस्थायी स्वास्थ्य केंद्र और कौशल विकास कार्यक्रम जैसे उपाय उनके जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला सकते हैं। इसके अलावा, पुलिस और प्रशासनिक तंत्र में संवेदनशीलता लाना भी जरूरी है, ताकि इन समुदायों के प्रति मौजूद पूर्वाग्रहों को समाप्त किया जा सके। वैश्विक स्तर पर भी ऐसे कई उदाहरण मौजूद हैं, जहां घुमंतू और हाशिये पर मौजूद समुदायों के लिए विशेष नीतियां बनाकर उन्हें मुख्यधारा में शामिल किया गया है। यूरोप में रोमा समुदाय के लिए चलाए गए कार्यक्रम इस दिशा में एक सकारात्मक उदाहरण हैं। भारत भी इनसे सीख लेकर अपने संदर्भ में प्रभावी नीतियां विकसित कर सकता है।

अंततः, यह सवाल केवल आंकड़ों का नहीं, बल्कि उस न्याय का है, जो इन समुदायों से दशकों से छीन लिया गया है। 2027 की जनगणना इस अन्याय को समाप्त करने का एक ऐतिहासिक अवसर है। अगर इस अवसर को भी गंवा दिया गया, तो यह केवल एक प्रशासनिक विफलता नहीं होगी, बल्कि यह हमारे संविधान के उस वादे का भी उल्लंघन होगा, जो समानता और न्याय की बात करता है। अब समय आ गया है कि हम इन अदृश्य नागरिकों को दृश्य बनाएं, उन्हें गिनें, पहचान दें और उनके अधिकारों को सुनिश्चित करें, क्योंकि जब तक समाज के सबसे अंतिम व्यक्ति को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक विकास का कोई भी दावा अधूरा ही रहेगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भय से विश्वास तक- एक युगांतकारी परिवर्तन

-बृजमोहन अग्रवाल

छह दशकों तक भारत की आंतरिक सुरक्षा, लोकतांत्रिक व्यवस्था और विकास यात्रा को चुनौती देता रहा नक्सलवाद आज अपने निर्णायक अवसान की अवस्था में पहुँच चुका है। यह केवल एक सुरक्षा सफलता नहीं, बल्कि उस राष्ट्रीय संकल्प की विजय है, जिसमें स्पष्ट नीति, अटूट राजनीतिक इच्छाशक्ति और केंद्र-राज्य के अभूतपूर्व समन्वय ने मिलकर एक जटिल और दीर्घकालिक समस्या का समाधान किया है। नक्सलवाद का यह अवसान इस सत्य को पुनः स्थापित करता है कि भारत में बंदूक की शक्ति अंततः लोकतंत्र की सामूहिक शक्ति के आगे टिक नहीं सकती। यह परिवर्तन अचानक नहीं आया- इसके पीछे दशकों का संघर्ष, अनगिनत बलिदान और एक ऐसी रणनीतिक निरंतरता रही है, जिसने अंततः इस चुनौती को निर्णायक रूप से परास्त किया।

भारत में नक्सलवाद का उदय वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी से हुआ, जिसकी वैचारिक जड़ें तत्कालीन सोवियत संघ और चीन की उग्र वामपंथी विचारधारा में थीं। अपनी विकास विरोधी छवि के कारण जब बंगाल में इस विचारधारा के प्रति विरोध पनपने लगा तो अपने विस्तार के लिए नक्सलवाद ने सॉफ्ट टारगेट्स की तलाश शुरू की- ऐसे क्षेत्र जहाँ शासन की पहुँच सीमित हो, सामाजिक-आर्थिक चुनौतियाँ अधिक हों और जनजागरूकता कम हो। देश के वनांचल, आदिवासी और खनिज संपदा से समृद्ध क्षेत्र इस दृष्टि से सबसे आसान लक्ष्य थे। नक्सलवाद विस्तार की इसी रणनीति के तहत तथाकथित 卐रेड कॉरिडोर卐 विकसित हुआ, जो तिरुपति से पशुपति तक फैले विशाल भूभाग में फैल गया।

तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, झारखंड, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों से घिरा छत्तीसगढ़, जिसका लगभग 42 प्रतिशत क्षेत्र वनाच्छादित है, इस रेड कॉरिडोर का रणनीतिक केंद्र बन गया। पड़ोसी राज्यों से अपनी गतिविधियाँ सीमित रखने का अघोषित समझौता कर नक्सली अबूझमाड़ क्षेत्र में संगठित होते चले गए। अपनी दुर्गम भौगोलिक स्थिति के कारण दशकों तक प्रशासनिक सर्वेक्षण से दूर रहा अबूझमाड़ नक्सलियों का सुरक्षित शेल्टर बन गया।

समय के साथ नक्सलवाद ने अपनी मूल वैचारिक पहचान खो दी और एक हिंसक आर्थिक उगाही तंत्र में परिवर्तित हो गया। बस्तर और सरगुजा जैसे वनाच्छादित जनजातीय क्षेत्रों में नक्सलियों ने समानांतर सत्ता संरचना स्थापित कर दी, जहाँ तथाकथित जन अदालतों के माध्यम से भय आधारित नियंत्रण कायम किया गया।

छत्तीसगढ़ के खनिज सम्पन्न क्षेत्रों की खदानें, विद्युत परियोजनाएँ, तेंदूपत्ता व्यापार- सभी उनके लिए उगाही के स्रोत बन गए। सरकारी कर्मचारियों, व्यापारियों, ठेकेदारों और यहाँ तक कि पुलिस बलों से भी जबरन वसूली की जाने लगी। यह उगाही धीरे-धीरे इतनी बढ़ी कि छत्तीसगढ़ में इसका वार्षिक आंकड़ा हजारों करोड़ रुपये तक पहुँचने की चर्चा होने लगी।

सोवियत संघ के विघटन के बाद रूस में यह विचारधारा समाप्त हो गई। चीन ने भी माओवाद की सशस्त्र संरचना को छोड़कर आर्थिक सुधारों पर आधारित पूंजीवादी कम्युनिज्म मॉडल को अपना लिया, लेकिन भारत में नक्सलवाद अपने मूल उद्देश्यों से भटककर लेवी वसूली और हिंसा फैलाने का टूल बन गया। नक्सलवाद के झंडाबरदारों ने विचारधारा को त्यागकर इसे अपने आर्थिक हितों की पूर्ति और आतंक फैलाने का साधन बना लिया।

दुर्भाग्य से, कांग्रेस नीत सरकारों के लंबे शासनकाल में नक्सलवाद के प्रति स्पष्ट और कठोर नीति का अभाव रहा क्योंकि उस दौर में केंद्र और कई राज्यों में भी वामपंथी पार्टियां कांग्रेस के सहयोगी की भूमिका में थीं। सत्ता के लिए वामपंथ के साथ कांग्रेस की राजनीतिक निकटता का परिणाम यह हुआ कि नक्सलवाद पर निर्णायक प्रहार करने की बजाय इसे सामाजिक-आर्थिक संघर्ष के रूप में प्रस्तुत कर वैधता प्रदान करने की नीति हावी हो गई।

उस दौर में प्रशासनिक तंत्र के भीतर भी यह वैचारिक भ्रम दिखाई देता था। नक्सलवाद को सामाजिक समता पाने का वर्ग संघर्ष ठहराने के दृष्टिकोण से प्रशिक्षित किए गए आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की नीतियाँ भी नक्सलवाद के विरुद्ध कठोर होने के बजाय सहानुभूतिपूर्ण हो गई थीं। इस ढुलमुल नीति का परिणाम यह हुआ कि नक्सलवाद देश के 12 राज्यों के लगभग 180 जिलों में फैल गया और छत्तीसगढ़ के गठन के बाद से ही प्रदेश के समग्र विकास की राह में सबसे बड़ा रोड़ा बन गया।

छात्र जीवन में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े रहते हुए मुझे बस्तर क्षेत्र में काम करने का अवसर मिला जहां नक्सलवाद रूपी दैत्य से मेरा प्रथम साक्षात्कार हुआ और यह आभास भी हुआ कि दंडकारण्य में इस दैत्य का दमन केवल हथियारों से नहीं किया जा सकता। नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष की भूमि तैयार करने के लिए इस क्षेत्र में वैचारिक जनजागरण की नितांत आवश्यकता थी और इसलिए जनजातीय समाज के बीच राष्ट्रीयता का अलख जगाने के प्रकल्प में मैंने भी अपनी भागीदारी निभाई।

1990 के दशक में स्वर्गीय सुंदरलाल पटवा जी के नेतृत्व में रायपुर के पुराने कमिश्नर कार्यालय के बीटीआई कम्युनिटी परिसर में आयोजित बैठक में पहली बार यह निर्णय लिया गया कि नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष को राष्ट्रीयता के व्यापक संदर्भ में लड़ा जाएगा। यही वह निर्णायक मोड़ था जब नक्सलवाद की समस्या को केवल कानून-व्यवस्था के दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकता और अखंडता के परिप्रेक्ष्य में देखा गया।वर्ष 2003 से 2006 के बीच जब मुझे मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह की सरकार में छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री के रूप में कार्य करने का उत्तरदायित्व मिला, तब प्रदेश में पहली बार नक्सलवाद के विरुद्ध एक ठोस, नीतिगत और समन्वित अभियान प्रारंभ किया गया। 卐ज्वाइंट एफर्ट, ज्वाइंट कमांड और ज्वाइंट पॉलिसी卐 के सिद्धांत पर केंद्र और राज्य के बीच समन्वय स्थापित करने के प्रयास किए गए। तत्कालीन केंद्रीय गृहमंत्री शिवराज पाटिल के साथ इस विषय पर मेरी कई गंभीर और विस्तृत मंत्रणाएँ हुई थीं। उस दौर में इस विषय की संवेदनशीलता को देखते हुए देश के इतिहास में पहली बार विधानसभा में गोपनीय बैठकों का आयोजन किया गया, ताकि लोग बिना किसी भय के खुलकर अपनी बात रख सकें। तात्कालीन स्पीकर प्रेम प्रकाश पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित की जाने वाली इन बैठकों से अधिकारियों और पत्रकार को भी दूर रखना जरूरी हो गया था। इन मंत्रणाओं के परिणामस्वरूप बनी रणनीति के तहत तात्कालीन डीजीपी ओपी राठौड़ के नेतृत्व में कई अभियान चलाए गए और इसी क्रम में सलवा जुडूम जैसे जनअभियान की शुरुआत हुई।

हमारे समक्ष सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि अशिक्षा, अज्ञानता और दुष्प्रचार के कारण स्थानीय समाज का बड़ा हिस्सा नक्सलवाद के प्रति सहानुभूति रखता था। इस स्थिति को बदलने के लिए व्यापक जनजागरण अभियान चलाया गया। स्कूलों, महाविद्यालयों और छात्रावासों में पर्चे और साहित्य वितरित किए गए। घर-घर जाकर नक्सलवाद की वास्तविकता को उजागर किया गया। इस अभियान में दिल्ली विश्वविद्यालय और जेएनयू जैसे संस्थानों से जुड़े राष्ट्रवादी विचारकों और छात्रों का भी सहयोग लिया गया।

जनजातीय समाज को यह समझाया गया कि नक्सल नेतृत्व में स्थानीय छत्तीसगढ़ी आदिवासियों की भागीदारी शून्य है। जल, जंगल, जमीन के नारों की आड़ में हमारे भोले-भाले आदिवासियों का उपयोग केवल एक साधन के रूप में किया जा रहा था। यह भी सामने आया कि नक्सलियों के द्वारा आदिवासी युवतियों के साथ अमानवीय व्यवहार किया जाता था, उन्हें शोषण का शिकार बनाया जाता था, उन्हें विवाह तक नहीं करने दिया जाता और सामान्य सामाजिक जीवन जीने तक से वंचित रखा जाता था। इन कड़वी सच्चाइयों के उजागर होने से आई जनजागृति का परिणाम यह हुआ कि नक्सलवाद को मिलने वाला सामाजिक समर्थन कमजोर पड़ने लगा।

सलवा जुडूम केवल एक सरकारी पहल नहीं थी बल्कि आदिवासी समाज के भीतर से उठा एक स्वाभाविक जनआंदोलन था, जिसने पहली बार सही मायने में नक्सलवाद को चुनौती दी। तात्कालीन नेता प्रतिपक्ष महेंद्र कर्मा ने न केवल इस अभियान को पुरजोर समर्थन दिया बल्कि इसे जमीन पर उतारने में महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाई। इस संघर्ष से जुड़े रहने के कारण अंततः उन्हें अपने प्राणों की आहुति तक देनी पड़ी- जो इस आंदोलन की गंभीरता और बलिदान की पराकाष्ठा का साक्षात प्रमाण है। नक्सलवाद ने हमें झीरम जैसे दंश दिए जिसमें प्रदेश के अग्रणी नेता काल कलवित हो गए।

सलवा जुडूम जन आंदोलन को अगर व्यापक संस्थागत समर्थन मिला होता तो निश्चित ही नक्सलवाद का उन्मूलन उसी दौर में हो जाता, पर वैधानिक संस्थानों में काम करने वाले कई लोगों की सलवा जुडूम के खिलाफ लामबंदी, अर्बन नक्सली बुद्धिजीवियों के वैचारिक विरोध और केंद्र सरकार के नीतिगत असमंजस के कारण यह अवसर पूर्ण रूप से साकार नहीं हो सका।

वास्तविक परिवर्तन तब आया जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में नक्सलवाद के विरुद्ध स्पष्ट, कठोर और समन्वित नीति अपनाई गई। नक्सलवाद को महज कानून-व्यवस्था की समस्या न मानकर, राष्ट्र की एकता, विकास और लोकतांत्रिक ढांचे के लिए गंभीर चुनौती मानते हुए नक्सलवाद के उन्मूलन के लिए समयबद्ध रणनीति तैयार की गई।

लंदन में रहने पर ट्रोल हुए विराट कोहली, बोले- मैं ओवरसीज प्लेयर नहीं हूं

एजेंसी

नई दिल्ली । IPL 2026 में Royal Challengers Bengaluru के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल, फैंस मजाक में कह रहे थे कि RCB इस सीजन 5 ओवरसीज खिलाड़ी खिला रही है, क्योंकि कोहली ज्यादातर समय लंदन में रहते हैं। जब इस बारे में उनसे पूछा गया तो कोहली हंसते-हंसते लोटपोट हो गए और मजेदार जवाब दिया। कोहली ने कहा, 'मुझसे क्यों पूछ रहे हो? ओवरसीज खिलाड़ियों से पूछो। मैं ओवरसीज प्लेयर नहीं हूं। क्या मैं आपको ओवरसीज प्लेयर लगता हूं'विराट कोहली इन दिनों अपने परिवार के साथ लंदन में ज्यादा समय बिताते हैं, जिस कारण सोशल मीडिया पर उन्हें लेकर तरह-तरह की बातें होती रहती हैं। हालांकि कोहली इन बातों को मजाक में लेते नजर आए और इंटरव्यू के दौरान भी उनका हल्का-फुल्का अंदाज देखने को मिला। विराट कोहली ने IPL 2026 की शुरुआत शानदार अंदाज में की। Sunrisers Hyderabad के खिलाफ पहले मैच में उन्होंने 38 गेंदों में नाबाद 69 रन की शानदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 5 चौके और 5 छक्के लगाए और टीम को 202 रन के लक्ष्य तक पहुंचाया। यह IPL इतिहास का सबसे तेज 200+ रन चेज भी रहा, जो 15.4 ओवर में पूरा हुआ।

पंजाब किंग्स ने 5 विकेट से जीता मैच, चेन्नई सुपर किंग्स की लगातार दूसरी हार

चेन्नई। कप्तान श्रेयस अय्यर के शानदार और संतुलित अर्धशतक की मदद से पंजाब किंग्स ने आईपीएल के मैच में चेन्नई सुपर किंग्स को पांच विकेट से हराया। श्रेयस ने 29 गेंद में 50 रन बनाये और निहाल वढेरा के साथ चौथे विकेट के लिये 59 रन की अहम साझेदारी की। पंजाब ने 210 रन का लक्ष्य आठ गेंद बाकी रहते पांच विकेट खोकर हासिल करते हुए लगातार दूसरी जीत दर्ज की जबकि चेन्नई की यह लगातार दूसरी हार थी। पंजाब के शीर्षक्रम के बल्लेबाजों ने विशाल लक्ष्य के बावजूद संयम के साथ बल्लेबाजी करते हुए अच्छी शुरूआत दी। प्रियांश आर्य ने 11 गेंद में 39 , प्रभसिमरन सिंह ने 34 गेंद में 43 और कूपर कोनोली ने 22 गेंद में 36 रन बनाये। आर्य ने चेन्नई के गेंदबाजों को दबाव में ला दिया। खलील अहमद को उन्होंने एक चौका और एक छक्का लगाया जबकि मैट हेनरी को उनके पहले ही ओवर में दो चौके और एक छक्का लगाकर 20 रन निकाले। आर्य और प्रभसिमरन ने सिर्फ 4 . 2 ओवर में 61 रन की साझेदारी की। वहीं कप्तान श्रेयस ने धीमी शुरूआत करने के बाद हाथ खोलने शुरू किए। उन्होंने स्पिनरों की जमकर धुनाई की और लेग स्पिनर राहुल चाहर को शानदार छक्का लगाया।

'तू तो बूस्ट ही पिएगा ना', जब अर्जुन तेंदुलकर को टीम के साथी ने मारा ताना

नई दिल्ली। IPL 2026 तेज गेंदबाज अर्जुन तेंदुलकर के लिए 'करो या मरो' वाला सीजन साबित हो सकता है, जो इस लीग में अपनी अलग पहचान बनाने के लिए बेताब हैं। अपने पिता और गॉड ऑफ क्रिकेट सचिन तेंदुलकर की विरासत को आगे बढ़ाते हुए अर्जुन अभी तक IPL में कोई यादगार छाप नहीं छोड़ पाए हैं। घरेलू क्रिकेट में मुंबई से गोवा जाने के बाद इस बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने कई मैच जिताने वाली गेंदबाजी की है। हालांकि, एक बात जो उन्हें लगातार परेशान करती है, वह है अपने 'कम्फर्ट जोन' में फंसे रहना। IPL में लखनऊ सुपर जायंट्स की तरफ से खेलने वाले अर्जुन 2026 सीजन से पहले शुभंकर मिश्रा के पॉडकास्ट पर आए थे। बातचीत के दौरान उन्होंने घरेलू क्रिकेट में गोवा के लिए खेलने के उनके अनुभव के बारे में पूछा गया। सवाल का जवाब देते हुए अर्जुन ने कहा, 'मैं कम्फर्ट जोन से बाहर नहीं निकला हूं। यहां भी मुझे मजा आ रहा है।' 'द इंडियन एक्सप्रेस' के अनुसार एक बार अर्जुन को उनके एक टीम के साथी ने उनके पिता सचिन तेंदुलकर वाले एक मशहूर विज्ञापन को लेकर ट्रोल किया था। यह घटना 2016 में कांगा लीग के एक मैच की है, जब अर्जुन आउट होने के बाद अपने टीम के साथियों के साथ जमीन पर बैठे हुए थे। जब खिलाड़ियों के बीच चाय बांटी जा रही थी, तो उनमें से एक ने अर्जुन को एक कप चाय दी। जब इस तेज गेंदबाज ने मना कर दिया, तो उस टीम के साथी ने उनका मजाक उड़ाते हुए कहा, 'हां-हां, तू तो बूस्ट ही पिएगा ना?'

थियागो अगस्टिन ने पहला सेट हारने के बाद बेन शेल्टन पर जोरदार जीत हासिल की

ह्यूस्टन । अर्जेंटीना के थियागो अगस्टिन टिरांटे ने ह्यूस्टन में यूएस पुरुष क्ले कोर्ट चैंपियनशिप में टॉप सीड बेन शेल्टन को हरा दिया। थियागो ने पहले सेट में हारने के बाद जोरदार वापसी करते हुए शेल्टन पर जीत दर्ज की। टिरांटे ने पहला सेट 7-6 (5) से हारने के बाद जोरदार वापसी की और मैच पर नियंत्रण स्थापित किया और अगले दो सेट 6-3, 6-4 से जीत लिए। अर्जेंटीना के इस खिलाड़ी ने सर्व में परफेक्ट प्रदर्शन किया। उन्होंने शांत और अच्छे प्रदर्शन के साथ अपने सभी 16 सर्विस गेम अपने नाम किए। शेल्टन के लिए हार मुश्किल दौर की तरह है। फरवरी में डलास ओपन में टेलर फ्रिट्ज के खिलाफ टाइटल जीतने के बाद से वह राउंड ऑफ 16 से आगे नहीं बढ़ पाए हैं। ह्यूस्टन में हुए दूसरे मैचों में, अर्जेंटीना के रोमन एंड्रेस बुरुचागा ने तीसरी सीड लर्नर टिएन को 7-5, 6-4 से हराया, जबकि टॉमी पॉल ने टॉमस मार्टिन एचेवेरी को 6-4, 6-2 से हराकर आगे बढ़े। रात के मैच में, दूसरी सीड फ्रांसेस टियाफो ने लगभग तीन घंटे तक चले रोमांचक मुकाबले में एलेक्सी पोपिरिन को 3-6, 6-4, 7-6 (6) से हराया।

फिडे कैंडिडेट्स 2026, राउंड 5: जावोखिर सिंदारोव ने हिकारू नाकामुरा को हराकर बढ़त बरकरार रखी

एजेंसी

नई दिल्ली। साइप्रस में खेले जा रहे फिडे कैंडिडेट्स 2026 के पांचवें राउंड में जावोखिर सिंदारोव ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए हिकारू नाकामुरा को हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ सिंदारोव 5 राउंड के बाद 4.5 अंकों के साथ एकमात्र बढ़त पर बने हुए हैं। सिंदरोव ने मुकाबले में सही समय पर सेंटर में ब्रेक और सक्रिय रूख के खेल के जरिए नियंत्रण हासिल किया। उन्होंने 14...ह्×ड्ड4 चाल से व्हाइट के क्वींसाइड विस्तार को सजा दी, इसके बाद 16वीं चाल में ष्5 खेलकर दबाव बनाया और धीरे-धीरे अपने मोहरों को बेहतर स्थिति में पहुंचाया। इसके बाद उन्होंने किंगसाइड पर द्व6, द्ध6 और द्द5 जैसी चालों से दबाव बढ़ाया। 41वीं चाल में द्द×द्ध4 के साथ निर्णायक प्रहार करते हुए उन्होंने मुकाबला अपने नाम किया।वहीं भारत के आर

प्रज्ञानानंद ने लगातार दूसरे मुकाबले में ड्रॉ खेला। उन्होंने आंद्रेई एसिपेंको के खिलाफ श्रीफोल्ड रिपीटेशन के जरिए अंक बांटे। प्रज्ञानानंद ने संतुलित शुरुआत की, लेकिन दोनों खिलाड़ी कोई भी निर्णायक बढ़त नहीं बना सके और मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ। चौथे राउंड में हार के बाद भारत की दिव्या देशमुख ने वापसी करते हुए तान झोंगयी के खिलाफ ड्रॉ खेला। मुकाबला शुरुआत से ही संतुलित रहा, जहां दोनों खिलाड़ियों ने जल्दी कास्टलिंग कर अलग-अलग विंग्स पर खेलना शुरू किया। मिडिल गेम में तान ने Ra5, Rfa1, Ra7 और नाइट मूव्स से दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन दिव्या ने ह्स्न6, ह्स्न7 और समय पर किंग को सेंटर में लाकर बेहतरीन बचाव किया। 42वीं चाल के बाद उन्होंने पर्पेचुअल चेक के जरिए ड्रॉ सुनिश्चित किया।अन्य मुकाबलों में कातेरिना लाग्नो ने बिबिसारा असाउबायेवा को हराया। ओपन वर्ग में फैबियानो कारुआना ने मथियास ब्लूबाउम को मात देकर 3.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत की, जबकि अनिश गिरी और वेई यी के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा।

धीमी ओवर गति के कारण श्रेयस अय्यर पर जुर्माना

एजेंसी

चेन्नई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के मैच नंबर 7 में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के कप्तान श्रेयस अय्यर पर बड़ी कार्रवाई की गई है। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबले के दौरान टीम द्वारा धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण उन पर जुर्माना लगाया गया है।

आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत, जो न्यूनतम ओवर-रेट से जुड़ा है, यह पंजाब किंग्स का इस सीजन का दूसरा अपराध था। इसके चलते श्रेयस अय्यर पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। वहीं, प्लेइंग इलेवन के अन्य खिलाड़ियों और इम्पैक्ट प्लेयर पर भी कार्रवाई करते हुए या तो 6 लाख रुपये या उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत (जो भी कम हो) का जुर्माना लगाया गया है।लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान श्रेयस अय्यर ने अहम भूमिका निभाई।

सचिवालय सुपर लीग का शानदार आगाज, सचिवालय ए और माइटी 11 की जीत

एजेंसी

देहरादून। देहरादून स्थित महाराणा प्रताप क्रिकेट ग्राउंड, रायपुर में सचिवालय सुपर लीग 2026 का आगाज़ रोमांचक मुकाबलों के साथ हुआ। दिन के पहले मैच में सचिवालय ए का सामना सचिवालय रॉयल स्ट्राइकर से हुआ। पहले बल्लेबाजी करते हुए सचिवालय ए ने निर्धारित ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 234 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से सागर ने 87 रनों की शानदार पारी खेली, जबकि टी.एच. खान ने 42 रन का योगदान दिया। रॉयल स्ट्राइकर की ओर से विवेक, रोहित, सूर्या और चंदन ने एक-एक विकेट हासिल किया। 235 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सचिवालय रॉयल स्ट्राइकर की टीम 8 विकेट के नुकसान पर 176 रन ही बना सकी। प्रदीप आगरी ने 57 और नीरज गिरी ने 43 रनों की पारी खेली, लेकिन टीम को जीत दिलाने में नाकाम रहे। सचिवालय ए की ओर से राहुल जेटली ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट झटके। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। सचिवालय ए ने यह मुकाबला 58 रनों से अपने नाम किया। दिन का दूसरा

मुकाबला सचिवालय माइटी 11 और सचिवालय वॉरियर के बीच खेला गया। वॉरियर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन पूरी टीम 14 ओवर में 91 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। राजीव तड़ियाल ने 21 और पवन असवाल ने 18 रन बनाए। माइटी 11 की ओर से संतोष पांडे ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट लिए, जबकि चंदू पुरोहित और अंकित नौटियाल ने 3-3 विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सचिवालय माइटी 11 की टीम ने 13 ओवर में 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। अरविंद दानू ने 37 रनों की उपयोगी पारी खेली। वॉरियर की ओर से नीरज भंडारी और अमित रावत ने 2-2 विकेट लिए। माइटी 11 ने यह मुकाबला 5 विकेट से जीत लिया। संतोष पांडे को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। इससे पूर्व टूर्नामेंट का उद्घाटन समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तराखंड कोऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक ए.के. शुक्ल, महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज के प्रधानाचार्य राजेश ममगाई उपस्थित रहे। इसके अलावा क्लब के अध्यक्ष अनिल नेगी, सचिव विनोद शर्मा, संयुक्त सचिव प्रदीप आगरी, मीडिया प्रभारी प्रियांशु आहूजा सहित पूरी कार्यकारिणी को उपस्थिति रही।

दो हार के बाद CSK के कोच फ्लेमिंग ने मानी गलती, बोले - नीलामी में खिलाड़ी मिस हो गए

एजेंसी

नई दिल्ली। पंजाब के खिलाफ मैच हारने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स के हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने माना कि IPL 2026 की नीलामी में टीम ने कई गेंदबाजों पर नजर रखी थी, लेकिन वे उन्हें टीम में शामिल नहीं कर पाए। फ्लेमिंग ने कहा, 'हमने नीलामी के दौरान कई गेंदबाजों पर विचार किया था, लेकिन हम उनमें से कई को नहीं ले पाए।

उस समय कुछ गेंदबाज फॉर्म में नहीं थे, लेकिन अब वे अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। भरोसा मानिए, हमने हर विकल्प पर चर्चा की थी, लेकिन आखिर में हम कुछ खिलाड़ियों को मिस कर गए।' Punjab Kings के खिलाफ चेन्नई ने 210 रन का बड़ा स्कोर बनाया था, लेकिन टीम इसे डिफेंड नहीं कर पाई और मैच हार गई। इस हार के बाद टीम की गेंदबाजी पर सवाल उठ रहे हैं और नीलामी रणनीति भी चर्चा में है। फ्लेमिंग ने कहा कि अब टी20 क्रिकेट में पारंपरिक फिनिशर की भूमिका पहले जैसी नहीं रही। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि अब फिनिशर जैसी कोई चीज रह गई है। अब

बल्लेबाज पहली गेंद से ही आक्रामक खेलते हैं। पहले ऐसा होता था कि 16वें ओवर तक पारी बनाते थे और फिर आखिर में तेजी से रन बनाते थे, लेकिन अब हर ओवर में 10-12 रन की जरूरत होती है।' फ्लेमिंग ने टीम की बल्लेबाजी पर भरोसा जताते हुए कहा कि टीम के पास अभी भी दमदार बल्लेबाज हैं। उन्होंने कहा, '240 रन बनाने के लिए अब पूरी टीम को आक्रामक खेलना पड़ता है और हमारे पास ऐसे खिलाड़ी हैं। हमारे पास डेवॉल्ड ब्रेविस हैं और एमएस धोनी जैसे दुनिया के बेहतरीन फिनिशर हैं। टीम के पास पावर है और हम तेज रन गति से बल्लेबाजी कर सकते हैं। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के लिए यह सीजन अब तक अच्छा नहीं रहा है। टीम अपने शुरुआती दोनों मैच हार चुकी है। अब टीम का अगला मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन Royal Challengers Bengaluru से होगा, जहां चेन्नई की टीम जीत के साथ वापसी करना चाहेगी।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में 11 पदकों के साथ मध्य प्रदेश ने दर्ज कराई दमदार मौजूदगी

एजेंसी

भोपाल। छत्तीसगढ़ में 14 फरवरी से शुरू हुए खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 का समापन हुआ। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए कुल 11 पदक जीतकर देशभर में 11वां स्थान हासिल किया। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के इस प्रथम संस्करण में मप्र के खिलाड़ियों ने विभिन्न खेल विधाओं में शानदार खेल का प्रदर्शन कर राज्य का गौरव बढ़ाया। आयोजन का उद्देश्य जनजातीय समुदायों के पारंपरिक एवं मुख्यधारा के खेलों को बढ़ावा देना और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर मंच प्रदान करना रहा। प्रतियोगिता में आर्चरी, एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, स्विमिंग, वेटलिफ्टिंग और रेसलिंग सहित कुल सात खेल विधाओं को शामिल किया गया। इन सभी खेलों में कुल मिलाकर 133 खिलाड़ियों (पुरुष 81, महिला 52) ने मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। एथलेटिक्स में मध्य प्रदेश को सबसे

अधिक सफलता मिली, जहां खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल पांच पदक- एक स्वर्ण, 2 रजत और 2 कांस्य- अपने नाम किए। इस श्रेणी में मार्टिना लकड़ा ने लॉन्ग जंप में रजत पदक जीता, जबकि गुलाब सिंह ने जेवलिन थ्रो में स्वर्ण पदक हासिल कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया। वहीं, रंगलाल डोडियार ने 5000 मीटर दौड़ में कांस्य पदक अर्जित किया, जबकि आरती डावर ने इसी स्पर्धा में रजत पदक जीता। इसके अलावा शांति बाई ने 800 मीटर दौड़ में कांस्य पदक प्राप्त कर एथलेटिक्स में मध्य प्रदेश के उत्कृष्ट प्रदर्शन को और मजबूती दी।

रेसलिंग में स्वर्ण के साथ, अन्य खेलों में भी रहा दबदबा

अन्य खेलों में भी मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने सराहनीय प्रदर्शन किया। आर्चरी में पवन परमार, पुष्पा सिंह, सलोनी डाबी एवं मुस्कान भूरिया ने शानदार खेल दिखाते हुए 2 कांस्य पदक अर्जित किए। स्विमिंग में श्रृष्टि वर्मा ने 100 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में रजत पदक जीतकर प्रदेश का मान बढ़ाया। वेटलिफ्टिंग में गुंजन उइके ने 86+ किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। वहीं रेसलिंग में खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए शिवा भलावी ने ग्रीको रोमन 130 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जबकि चांदनी नरेती ने फ्रीस्टाइल 62 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया।

खेल मंत्री सारंग ने दी बधाई

मध्य प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे प्रदेश के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने सभी पदक विजेताओं एवं प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता जनजातीय अंचलों में छिपी खेल प्रतिभाओं की अपार क्षमता को दर्शाती है। मंत्री ने विश्वास जताया कि ये खिलाड़ी भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

ग्रैंड चेस टूर 2026 : गुकेश ने लिया ब्रेक, सिंदारोव बने नए प्रतिभागी

एजेंसी

सेंट लुईस। शतरंज के सबसे प्रमुख टूर ग्रैंड चेस टूर (जीसीटी) 2026 के लिए एक बड़ा बदलाव सामने आया है। भारत के युवा विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने पूरे टूर से अपना नाम वापस ले लिया है, हालांकि वह वारसॉ और ज़ाग्रेब में होने वाले रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट में वाइल्डकार्ड खिलाड़ी के रूप में हिस्सा लेंगे।

गुकेश ने अपने बयान में कहा कि हाल के टूर्नामेंटों में उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है और बेहतर फॉर्म में लौटने के लिए उन्होंने कुछ समय तक कम प्रतियोगिताएं खेलने का फैसला किया है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि वह इस दौरान लंबी प्रतियोगिताओं से दूर रहकर ट्रेनिंग पर ध्यान देंगे और भविष्य में फिर से पूरे टूर में वापसी करेंगे।गुकेश की जगह अब उज़्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव को 2026 ग्रैंड चेस टूर के पूर्ण प्रतिभागी के रूप में शामिल किया गया है। हाल ही में फीडे वर्ल्ड कप जीतने वाले सिंदारोव शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने अपने प्रदर्शन के दम पर यह स्थान हासिल किया है। अब वह वारसॉ, बुखारेस्ट और सेंट लुईस में होने वाले सभी प्रमुख टूर्नामेंट में खेलते नजर आएंगे।

ग्रैंड चेस टूर के डिप्टी एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एलेक्स ओनिशुक ने गुकेश के फैसले का सम्मान करते हुए कहा कि वे उनके रैपिड और ब्लिट्ज इवेंट्स में खेलने से खुश हैं, वहीं सिंदारोव के जुड़ने से टूर और अधिक प्रतिस्पर्धात्मक होगा। गौरतलब है की गुकेश को इस वर्ष दिसंबर में अपने खिताब की रक्षा करने के लिए कैंडिडेट के विजेता से मुकाबला खेलना है और फ़िलहाल कैंडिडेट में सिंदारोव ही सबसे आगे चल रहे है ।

डोपिंग मामलों में भारत सबसे ऊपर, एआईयू की सूची में केन्या को पीछे छोड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। एथलेटिक्स में डोपिंग के मामलों को लेकर भारत के लिए चिंताजनक खबर सामने आई है। एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) की ताजा सूची के अनुसार, डोपिंग उल्लंघनों के कारण अयोग्य घोषित खिलाड़ियों की संख्या में भारत ने केन्या को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल कर लिया है। भारत में इस समय 148 ट्रैक एंड फील्ड एथलीट निलंबित हैं, जो केन्या से दो अधिक हैं। वहीं, रूस 66 निलंबित खिलाड़ियों के साथ तीसरे स्थान पर है। इस सूची में भारत के कई प्रमुख एथलीट भी शामिल हैं। इनमें महिला 100 मीटर राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक दूती चंद, जो दिसंबर 2022 से चार साल के प्रतिबंध का सामना कर रही हैं, मध्य दूरी के धावक परवेज खान, जिनका छह साल का प्रतिबंध जुलाई 2030 तक चलेगा, और तमिलनाडु की स्प्रिंटर

सेकर धनलक्ष्मी, जिन्हें 2025 में आठ साल के लिए निलंबित किया गया, प्रमुख नाम हैं। एआईयू की इस सूची में केवल डोपिंग मामलों में दोषी पाए गए खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि वे लोग भी शामिल हैं जिन्होंने टेस्टिंग से बचने, सैंपल में छेड़छाड़, तस्करी या अपनी लोकेशन की जानकारी नहीं देने जैसे गैर-डोपिंग उल्लंघन किए हैं। इन सभी मामलों में भी डोपिंग जैसी ही सख्त सजा दी जाती है। एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट, वर्ल्ड एथलेटिक्स द्वारा स्थापित एक स्वतंत्र एंटी-डोपिंग संस्था है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों और उनके सहयोगियों पर निगरानी रखती है। डोपिंग की समस्या से निपटने के लिए एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) ने सख्त कदम उठाए हैं। फेडरेशन देश में उन ट्रेनिंग सेंटर्स की पहचान कर रहा है, जो डोपिंग गतिविधियों से जुड़े हुए हैं। इसके अलावा, एएफआई ने सभी कोचों के लिए रजिस्ट्रेशन अनिवार्य कर दिया है। बिना रजिस्ट्रेशन वाले कोचों को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा और उनके खिलाड़ियों को राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए अयोग्य माना जाएगा।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026: भारत ने पक्के किए तीन पदक, निखत, प्रिया और प्रीति सेमीफाइनल में पहुंचीं

एजेंसी

नई दिल्ली। मंगोलिया के उलानबटार में चल रही एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन पदक पक्के कर लिए हैं। पांचवें दिन निखत जरीन, प्रिया और प्रीति पवार ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। महिलाओं के 51 किलोग्राम वर्ग में निखत जरीन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फिलीपींस की शियान बागुहिन को पहले ही राउंड में आरएससी के जरिए हराया। अब सेमीफाइनल में उनका मुकाबला चीन की वू यू से होगा, जो पेरिस 2024 ओलंपिक की स्वर्ण पदक विजेता हैं।

महिलाओं के 60 किलोग्राम वर्ग में प्रिया ने बेहतरीन संयम और रणनीति का प्रदर्शन करते हुए चीन की चेंग्यू यांग को 4-1 से हराया। अब उनका सामना फाइनल में जगह बनाने के लिए मंगोलिया की नामून मोंखोर से होगा। वहीं, महिलाओं के

54 किलोग्राम वर्ग में प्रीति पवार ने दिन का सबसे दमदार प्रदर्शन करते हुए मंगोलिया की मुंगुंतसेत्सेंग को 5-0 से एकतरफा हराया। प्रीति अब सेमीफाइनल में कोरिया की इम एजी से भिड़ेंगी, जो पेरिस 2024 ओलंपिक और 2025 विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता हैं। हालांकि पुरुषों के 70 किलोग्राम वर्ग में भारत को झटका लगा, जहां दीपक को जॉर्डन के जियाद एशाश के खिलाफ 1-4 से हार का सामना करना पड़ा और वह क्वार्टरफाइनल में ही बाहर हो गए।

सूर्यवंशी के फैन हुए जोस बटलर: मिलकर कहा- आप जैसा खिलाड़ी पहले कभी नहीं देखा

एजेंसी

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस के जोस बटलर ने भारतीय युवा सनसनी और राजस्थान रॉयल्स से खेलने वाले वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की है। गुजरात टाइटंस के विकेटकीपर-बल्लेबाज बटलर का मानना है कि यह 15 साल का खिलाड़ी आने वाले दशक में क्रिकेट पर राज कर सकता है। राजस्थान रॉयल्स के कैंप में हुई बातचीत के दौरान बटलर ने सूर्यवंशी के टैलेंट को देखकर हैरानी जताई और खुलकर उनकी प्रशंसा की। राजस्थान ने इसका वीडियो शेयर किया है। बटलर ने सूर्यवंशी के खेल को लेकर कहा, 'मैंने कहा था कि इसे ज्यादा उत्साहित मत करो, लेकिन सच में यह सबसे बेहतरीन खिलाड़ी है जिसे मैंने देखा है। सोचिए जब यह 21 या 25 साल का होगा, तब दुनिया इसके कदमों में होगी। इसे खेलते देखना शानदार है। अंडर-19 वर्ल्ड कप में तुमने इंग्लैंड का दिल तोड़ दिया था, कमाल है।' बटलर की इस तारीफ पर सूर्यवंशी मुस्कुराते नजर आए और दोनों ने गर्मजोशी से हाथ मिलाया।बटलर ने युवा बल्लेबाज को सलाह देते हुए कहा, 'तुम बहुत अच्छा खेल रहे हो, ऐसे ही जारी रखो। तुम्हारी खेलने की आजादी देखने लायक है।' वहीं टीम मैनेजर ने खुलासा किया कि सूर्यवंशी ने कभी बटलर जैसा खिलाड़ी बनने और ट्रॉफी जीतने की इच्छा जताई थी।

मैरी कॉम और भूटिया ने जमीनी स्तर पर निवेश एवं संरचित विकास प्रणाली के महत्व पर दिया जोर

एजेंसी

रायपुर। छह बार की विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता एमसी मैरी कॉम और भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाइचुंग भूटिया ने यहां खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के दौरान पत्रकारों से बातचीत में जमीनी स्तर पर निवेश और संरचित विकास प्रणाली के महत्व पर जोर दिया।भविष्य के चैंपियन तैयार करने के लिए दोनों दिग्गज खिलाड़ियों ने कहा कि भारतीय परिवारों को बच्चों को अत्यधिक स्क्रीन टाइम से दूर रखने और उन्हें विभिन्न खेलों का अनुभव लेने के लिए मैदान में भेजने की जरूरत है। भारतीय फुटबॉल के सबसे प्रतिष्ठित खिलाड़ियों में से एक भूटिया ने कहा कि खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स जैसे पहल एक मजबूत शुरुआत जरूर हैं, लेकिन दीर्घकालिक सफलता के लिए देश में खेलों की बुनियाद को और मजबूत करना बेहद जरूरी है। अपने करियर को याद करते हुए उन्होंने बताया कि उस समय जब खेल ढांचा अभी विकसित हो रहा था, तब भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने युवा खिलाड़ियों को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भूटिया ने कहा, 'मैं साई का प्रोडक्ट रहा हूं। 1986 के पहले बैच का साई प्रोडक्ट। जमीनी स्तर पर निवेश करना बहुत जरूरी है, लेकिन हम अक्सर इसे नजरअंदाज कर देते हैं और केवल शीर्ष स्तर पर ही ध्यान केंद्रित करते हैं।' भूटिया ने खेलों की पिरामिड संरचना के आधार को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, खासकर आदिवासी क्षेत्रों में, लेकिन उसे निखरने के लिए सही माहौल और व्यवस्था की जरूरत होती है। उन्होंने कहा, 'आदिवासी समुदायों में स्वाभाविक रूप से खेल प्रतिभा बहुत अधिक होती है, और हमने इसे खासकर पूर्वोत्तर भारत में साफ तौर पर देखा है, जहां से कई खिलाड़ियों ने भारत का शानदार प्रतिनिधित्व किया है और हमें विश्व मंच पर पहुंचाया है। युवाओं को मंच देना बहुत जरूरी है। मुझे लगता है कि आने वाले समय में आदिवासी समुदायों से और भी अधिक खिलाड़ी उभरकर सामने आएंगे। यह तो बस शुरुआत है, आने वाले वर्षों में हम आदिवासी पृष्ठभूमि से और भी ज्यादा प्रतिभा देखेंगे। 'भूटिया ने यह भी बताया कि किसी खिलाड़ी के विकास में माहौल और अवसर की कितनी महत्वपूर्ण भूमिका होती है, और अपने शुरुआती दिनों को याद किया। बोले, 'देखिए, जब मैं अपने बारे में बात करता हूं, तो हमेशा कहता हूं कि जब आप पूर्वोत्तर से होते हैं, तो आप दो ही चीजें करते हैं-फुटबॉल या संगीत। यही मेरा माहौल था। बचपन में मेरे आसपास के बच्चे कोई और खेल नहीं खेलते थे। सिक्किम में हर गांव और हर कस्बे में फुटबॉल एक संस्कृति की तरह था। ' उनके विचारों पर सहमति जताते हुए मैरी कॉम ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की सराहना की और इसे एक परिवर्तनकारी पहल बताया, जो लंबे समय से चली आ रही अवसर और जागरूकता की कमी को दूर कर सकती है। 2012 लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज़ ने कहा, 'सबसे पहले, मैं छत्तीसगढ़ सरकार को बधाई देना चाहती हूं। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की शुरुआत यहीं से हुई है और मुझे इस पर बहुत खुशी है। मुझे इस पहल का समर्थन करने के लिए आमंत्रित किया गया और मैं पूरे दिल से इसका समर्थन करती हूँ, क्योंकि हमारे आदिवासी समुदायों में अपार क्षमता है। पहले उन्हें इस तरह के मंच नहीं मिलते थे और न ही पर्याप्त जागरूकता थी। शायद यही कारण था कि कई प्रतिभाशाली बच्चे आगे नहीं बढ़ पाए। ' मणिपुर की इस स्टार मुक्केबाज़ ने यह भी बताया कि सरकार द्वारा समर्थित कार्यक्रमों ने अब परिदृश्य को बदलना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, 'लेकिन आज, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के खेलो इंडिया और फिट इंडिया कार्यक्रमों की बदौलत बच्चे धीरे-धीरे आगे आ रहे हैं।

जन विश्वास विधेयक-2 के लागू होने से पांच करोड़ मुकदमे निपट सकते हैं शीघ्रता से : गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जन विश्वास विधेयक -दो को ' विश्वास-आधारित शासन का एक नया युग!' बताते हुए कहा कि इस विधेयक में देश भर की अदालतों में लंबित अनुमानित 5 करोड़ मुकदमों का बोझ कम होने की संभावना है।श्री गोयल ने जन विश्वास (उपबंध संशोधन) विधेयक 2026 को पारित होने के साथ संसद के दोनों सदनों की स्वीकृति के बाद यहां इस विधेयक को लेकर एक विशेष संवाददाता सम्मेलन में कहा इस विधेयक के जरिए कुल 79 केंद्रीय कानूनों में 1000 उपबंधों को संशोधित, समाप्त या उनमें आपराधिक कार्रवाई के प्रावधानों को समाप्त किया जा रहा है। इनमें से छह कानून अंग्रेजों के जमाने के हैं। श्री गोयल के साथ उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया भी थे। वाणिज्य मंत्री ने कहा इसके माध्यम से कई जगह भूल चूक या छोटी मोटी गलती पर भी जुर्माने के प्रावधानों को हटा कर अर्थदंड लगाया गया है। उन्होंने कहा कि इससे इस समय पूरे देश में अदालतों में चल रहे अनुमानित पांच करोड़ मुकदमों का त्वरित निस्तारण होने की संभावना बनी है। उन्होंने संवाददाताओं के सवालों के जवाब में भी संसद की तरह यह स्पष्ट किया कि इन कानूनों के उपबंधों में संशोधन पिछली तारीख से करना कठिन था। पर इसके आधार पर स्थानीय प्रशासन अब पहले से चल रहे मामलों में अभियोजन की प्रक्रिया को नये संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में वापस लेने की कार्रवाई शुरू कर सकता है।

फॉक्सवैगन इंडिया की नई टाइगुन का प्रीमियर नौ अप्रैल को

मुंबई। फॉक्सवैगन इंडिया ने एसयूवी पैसेंजर कार श्रेणी में अपनी नयी टाइगुन की झलक पेश की और कहा कि इसे भारत में अप्रैल में ही प्रस्तुत किया जाएगा। कंपनी अपनी इस एसयूवी कार का प्रीमियर नौ अप्रैल को करने की तैयारी में है। फॉक्सवैगन इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर नितिन कोहली ने कहा, 'नयी टाइगुन इस एसयूवी में पहले की उन सभी खूबियों का एक सशक्त विकास है, जिसने इसे उत्साही ग्राहकों के बीच लोकप्रिय बनाया है। ' उन्होंने कहा कि अपनी शानदार डिज़ाइन और अपने वर्ग में सबसे उत्तम तकनीकी क्षमता वाली नयी टाइगुन कार की सवारी के अनुभव को नये स्तर पर ले जएगी। कंपनी की एक विज्ञप्ति के अनुसार नयी टाइगुन का डिज़ाइन मजबूत और उद्देश्यपूर्ण कैरेक्टर लाइनों के साथ आ रहा है जो इसकी एक अनोखी पहचान को दर्शाता है। इसकी स्टांस पूरी तरह एसयूवीडब्ल्यू जैसी हैः मजबूत, संतुलित और प्रदर्शन के लिए तैयार। कंपनी ने कहा है कि वह भारत के ग्राहकों के प्रति फॉक्सवैगन की प्रतिबद्धता के अनुरूप , नयी टाइगुन को इस वर्ष ब्रांड की दूसरी एसयूवी के रूप में पेश करने जा रही है।

डाबर को मार्च तिमाही में राजस्व में मध्यम वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली। दैनिक उपभोग के सामान बनाने वाली घरेलू कंपनी डाबर को हाल ही में समाप्त मार्च तिमाही में अपनी एकीकृत आय में मध्यम स्तर की वृद्धि होने की उम्मीद है। इसके साथ ही कंपनी ने कहा कि घरेलू बाजार में सुधार और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अच्छी बढ़त से उसे समर्थन मिलेगा।

कंपनी ने 31 मार्च, 2026 को समाप्त हुई तिमाही के वित्तीय अनुमानों की जानकारी देते हुए कहा कि घरेलू बाजार में मांग लौटने से भारतीय कारोबार में लगातार सुधार हो रहा है। हालांकि, पश्चिम एशिया में जारी राजनीतिक और सैन्य तनाव के कारण वहां सामान की आपूर्ति और मांग पर बुरा असर पड़ा है। डाबर के अनुसार, घर की साफ-सफाई और व्यक्तिगत सौंदर्य से जुड़े उत्पादों के खंड में अच्छी तेजी बनी हुई है। इसके अलावा, रियल एक्टिव जूस और नारियल पानी के कारोबार में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि जारी है। डाबर ने कहा कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जारी तनावों पर नजर बनाए हुए है और भविष्य में होने वाले नुकसान से बचने के लिए जरूरी कदम उठाती रहेगी।

आइनॉक्स एयर का तमिलनाडु में अति-उच्च शुद्धता वाला तरल ऑक्सीजन संयंत्र शुरू

नई दिल्ली। आइनॉक्स एयर प्रोडक्ट्स ने कहा कि उसने भारत के सेमीकंडक्टर एवं सौर विनिर्माण क्षेत्रों को सहायता देने के लिए तमिलनाडु के होसुर में अपना पहला अति-उच्च शुद्धता वाला तरल ऑक्सीजन संयंत्र शुरू किया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि यह संयंत्र प्रतिदिन 17 टन (500 घन मीटर प्रति घंटा) की क्षमता के साथ '6एन ग्रेड' (99.9999 प्रतिशत शुद्धता) वाला तरल ऑक्सीजन का उत्पादन करता है। इससे इलेक्ट्रॉनिक्स और फोटोवोल्टिक उद्योगों की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। आइनॉक्स एयर प्रोडक्ट्स ने कहा कि यह संयंत्र अति-उच्च शुद्धता वाले ऑक्सीजन के आयात पर निर्भरता कम करने में मदद करेगा, जिसे पहले विदेशों से मंगाया जाता था। साथ ही इससे घरेलू निर्माताओं के लिए आपूर्ति की विश्वसनीयता में भी सुधार होगा। आइनॉक्स एयर प्रोडक्ट्स के प्रबंध निदेशक सिद्धार्थ जैन ने कहा कि भारत की वास्तविक प्रगति देश के भीतर उन क्षमताओं के निर्माण में निहित है, जो भविष्य के उद्योगों को शक्ति प्रदान करती हैं।

पश्चिम एशिया संकट से वैश्विक खाद्य सुरक्षा पर मंडराया काला साया, 40 दिनों से अधिक युद्ध खिंचने पर आसमान छू सकती हैं खाने-पीने की चीजों की कीमतें

एजेंसी

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (FAO) ने पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव को लेकर दुनिया भर में आर्थिक चेतावनी जारी की है। एफएओ की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, मार्च महीने में वैश्विक खाद्य मूल्य सूचकांक औसतन 128.5 अंक दर्ज किया गया, जो फरवरी की तुलना में 2.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इस उछाल का मुख्य कारण कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी और ऊर्जा संकट को माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यह संघर्ष 40 दिनों की समयसीमा को पार कर जाता है, तो आपूर्ति श्रृंखला में आने वाले व्यवधान के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजारों में खाद्यान्न की कीमतें अनियंत्रित हो सकती हैं, जिससे विकासशील देशों में भुखमरी और महंगाई का संकट गहरा जाएगा। एफएओ के मुख्य अर्थशास्त्री मैक्सिमो टोरेरो ने स्पष्ट किया है कि युद्ध लंबा खिंचने का सीधा असर

खेती की लागत पर पड़ेगा। ईंधन और उर्वरक (फर्टिलाइजर) महंगे होने के कारण किसानों का मुनाफा कम होगा, जिससे वे उत्पादन में कटौती करने या कम खाद का उपयोग करने पर मजबूर हो सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, लागत बढ़ने पर किसान कम रकबे में बुवाई करेंगे या ऐसी फसलों की ओर रुख करेंगे जिनमें उर्वरक की कम आवश्यकता हो। यह बदलाव न केवल वर्तमान वर्ष के लिए, बल्कि पूरे 2027 के लिए वैश्विक खाद्य आपूर्ति चक्र को प्रभावित करेगा। अनुमान है कि इस साल वैश्विक गेहूं उत्पादन पिछले साल के मुकाबले 1.7 प्रतिशत घटकर 820 मिलियन टन रह सकता है, जो भविष्य के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। खाद्य पदार्थों की श्रेणी में सबसे अधिक असर चीनी और वनस्पति तेलों पर देखा जा रहा है। मार्च में चीनी की कीमतों में 7.2फीसदी की भारी वृद्धि दर्ज की गई है, क्योंकि प्रमुख निर्यातक देश ब्राजील अब ऊंचे कच्चे तेल के दामों के कारण गन्ने का उपयोग चीनी के बजाय 'इथेनॉल' बनाने में अधिक कर रहा है।

इसी तरह, बायोफ्यूल की मांग बढ़ने की उम्मीद में वनस्पति तेलों के दाम 5.1फीसदी तक बढ़ गए हैं। अमेरिका में सूखे और ऑस्ट्रेलिया में खाद की कमी के डर से गेहूं की कीमतें भी 4.3फीसदी तक चढ़ गई हैं। एफएओ ने चेतावनी दी है कि यदि पश्चिम एशिया का संकट जल्द नहीं सुलझा, तो परिवहन और उर्वरक की बढ़ी हुई लागत दुनिया के गरीब और विकासशील देशों की 'थाली' पर सीधा प्रहार करेगी।

एनबीसीसी का नवीनीकृत कॉर्पोरेट कार्यालय हुआ उद्घाटित, आधुनिक कार्यसंस्कृति और स्थिरता की झलक

एजेंसी

नई दिल्ली। आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव श्री श्रीनिवास कातिकिथला ने लोधी रोड स्थित एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड के नवनिर्मित एवं नवीनीकृत कॉर्पोरेट कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मंत्रालय के संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार संजीत, एनबीसीसी के सीएमडी डॉ. के.पी. महादेवस्वामी, निदेशक (वित्त) अंजीव कुमार जैन, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्रीमती ऋतु पांडे सहित स्वतंत्र निदेशक और कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।उद्घाटन समारोह पारंपरिक विधियों के साथ संपन्न हुआ, जिसमें पूजा-अर्चना, दीप प्रज्वलन और उद्घाटन पट्टिका का अनावरण शामिल रहा। इसके बाद अतिथियों ने कार्यालय परिसर का अवलोकन किया और अधिकारियों व कर्मचारियों से संवाद किया। अपने संबोधन में कातिकिथला ने देश के निर्माण में एनबीसीसी के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि आधुनिक, कुशल और पर्यावरण के अनुकूल कार्यस्थल उत्पादकता बढ़ाने और नवाचार को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।एनबीसीसी के सीएमडी डॉ. महादेवस्वामी ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कंपनी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप एक आधुनिक, गतिशील और जन-केंद्रित संगठन के रूप में आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध है। करीब 40,000 वर्ग फुट में फैला यह नवीनीकृत कार्यालय एनबीसीसी के विकास और परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

कोटक की रिपोर्ट में पश्चिम एशिया तनाव के बीच भारतीय शेयर बाजार के लिए राहत के संकेत

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के बीच भारतीय इक्विटी बाजारों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, यदि ईरान-इजरायल और अमेरिका के बीच चल रहा मौजूदा संघर्ष अगले कुछ हफ्तों में समाप्त हो जाता है, तो भारतीय कंपनियों की कमाई और घरेलू बाजारों पर इसका असर काफी सीमित रहेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि हालिया गिरावट के बाद निवेशकों के लिए जोखिम और रिटर्न का संतुलन पहले से बेहतर हुआ है, जिससे मौजूदा स्तर पर निवेश के अवसर अधिक आकर्षक हो गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति की सकारात्मक टिप्पणियों ने भी तनाव कम होने और ऊर्जा आपूर्ति स्थिर होने की उम्मीदें जगाई हैं, जिससे बाजार में स्थिरता लौटने के संकेत मिल रहे हैं। भारत सरकार पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण की सीमा को मौजूदा 20 प्रतिशत (E20) से बढ़ाकर 25-27 प्रतिशत करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है। अनाज एथेनॉल निर्माता संघ (GEMA) के अध्यक्ष सी.के. जैन ने स्पष्ट किया कि भारत की यह नीति किसी तात्कालिक युद्ध या संकट से प्रेरित नहीं है, बल्कि यह ऊर्जा क्षेत्र में पूर्ण आत्मनिर्भरता हासिल करने का एक दीर्घकालिक लक्ष्य है। 1 अप्रैल से देश भर में श्र20 के पूर्ण रोलआउट के बाद अब फीडस्टॉक और अतिरिक्त अनाज की पर्याप्त उपलब्धता को देखते हुए इस लक्ष्य को और ऊपर ले जाने की 100 प्रतिशत संभावना है। यह कदम न केवल कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करेगा, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था को वैश्विक झटकों से बचाने में सुरक्षा कवच का काम करेगा। कोटक की रिपोर्ट और एथेनॉल क्षेत्र के विकास को जोड़कर देखें तो भारतीय अर्थव्यवस्था एक मजबूत स्थिति की ओर बढ़ रही है। कोटक के बेस केस परिदृश्य के मुताबिक, मौजूदा संघर्ष से वैश्विक तेल आपूर्ति ढांचे पर कोई दीर्घकालिक नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा, जिससे आने वाले महीनों में कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति सामान्य रहने की उम्मीद है। दूसरी ओर, एथेनॉल उत्पादन क्षमता में विस्तार और निवेशकों के बढ़ते उत्साह ने भारत को ऊर्जा सुरक्षा के मामले में एक चेकपॉइंट पार करने में मदद की है। विशेषज्ञों का मानना है कि घरेलू उत्पादन पर जोर और बाजार में सुधरते जोखिम-रिटर्न प्रोफाइल के कारण भारत पश्चिम एशिया के संकट के बावजूद अपनी विकास दर को बरकरार रखने में सफल रहेगा।

विदेशी मुद्रा भंडार 10.29 अरब डॉलर घटकर 688.06 अरब डॉलर पर

एजेंसी

नई दिल्ली। आर्थिक मोर्चे पर झटका लगने वाली खबर है। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार तीसरे हफ्ते गिरावट दर्ज हुई है। 27 मार्च को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10.28 अरब डॉलर घटकर 688.06 अरब डॉलर रह गया है।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार 27 मार्च को समाप्त हफ्ते में 10.28 अरब डॉलर घटकर 688.06 अरब डॉलर रहा है। इससे पिछले हफ्ते में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 11.413 अरब डॉलर घटकर 698.34 अरब डॉलर रहा था। केंद्रीय बैंक की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार 27 मार्च को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां इस अवधि में 6.62 अरब डॉलर घटकर 551.07 अरब डॉलर रह गईं। इस दौरान उसके स्वर्ण भंडार का मूल्य भी 3.66 अरब डॉलर घटकर 113.52 अरब डॉलर रह गया है।

आरबीआई के अनुसार 27 मार्च

को समाप्त हफ्ते में विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 1.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.64 अरब डॉलर हो गए। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित निधि 1.7 करोड़ डॉलर घटकर 4.81 अरब डॉलर रह गई।

उल्लेखनीय है कि पश्चिम एशिया संघर्ष शुरू होने से पहले 27 फरवरी को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 728.49 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। पश्चिम एशिया संघर्ष शुरू होने के बाद से रुपया लगातार दबाव में है, और आरबीआई डॉलर की बिक्री के जरिये विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप कर रहा है। इसके साथ ही रुपये की गिरावट को रोकने के लिए कुछ बड़े नीतिगत कदम भी उठाए गए हैं।

TVS ने रचा इतिहासः 59 लाख गाड़ियों की रिकॉर्ड बिक्री, 24फीसदी की तेज़ रफ्तार ने बदली तस्वीर

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग में बीता वित्त वर्ष 2025-26 कई मायनों में ऐतिहासिक साबित हुआ, लेकिन जिस कंपनी ने सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरीं, वह रही TVS Motor Company। इस दिग्गज टू-व्हीलर निर्माता ने एक साल के भीतर 59 लाख से अधिक वाहनों की बिक्री कर ऐसा कीर्तिमान स्थापित किया है, जो इसके अब तक के इतिहास में सबसे बड़ा है। यह उपलब्धि सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि उस भरोसे और रणनीति का परिणाम है, जिसने कंपनी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है।

घरेलू बाजार में मजबूत पकड़ ने दी रफ्तार

इस शानदार प्रदर्शन की सबसे बड़ी नींव भारतीय बाजार में कंपनी की मजबूत पकड़ रही। TVS Motor Company ने देशभर में अपने टू-व्हीलर्स की जबरदस्त मांग के दम पर बिक्री में लगातार बढ़त हासिल की। मोटरसाइकिल से लेकर स्कूटर तक, हर सेगमेंट में कंपनी ने ग्राहकों की पसंद को समझते हुए अपने उत्पादों को मजबूती से स्थापित किया। मार्च 2026 में ही कंपनी की कुल बिक्री 5.19 लाख यूनिट्स के पार पहुंच गई, जो पिछले साल की तुलना में करीब 25 प्रतिशत अधिक है। यह उछाल इस बात का संकेत है कि कंपनी की रणनीति और उत्पाद लाइनअप दोनों ही सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

स्कूटर और मोटरसाइकिल सेगमेंट में जबरदस्त उछाल

अगर सेगमेंट के हिसाब से देखा जाए, तो टू-व्हीलर श्रेणी में कंपनी का दबदबा साफ नजर आता है। मार्च महीने में करीब 4.98 लाख टू-व्हीलर्स की बिक्री यह दिखाती है कि बाजार में इसकी पकड़ कितनी मजबूत है।

मोटरसाइकिल सेगमेंट में जहां 18 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, वहीं स्कूटर सेगमेंट ने तो उम्मीद से भी ज्यादा प्रदर्शन किया। स्कूटर की बिक्री में 31 प्रतिशत की तेजी इस बात का संकेत है कि शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में इस सेगमेंट की मांग तेजी से बढ़ रही है।

इलेक्ट्रिक सेगमेंट में भी बजा कंपनी का डंका

आज जब पूरी दुनिया इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की ओर बढ़ रही है, तब **TVS Motor Company** ने इस क्षेत्र में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। कंपनी के इलेक्ट्रिक स्कूटर, खासकर TVS iQube, ने बाजार में शानदार प्रदर्शन किया है।

इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में 44 प्रतिशत की वृद्धि इस बात का प्रमाण है कि कंपनी ने समय के साथ खुद को तेजी से ढाला है। मार्च महीने में ही लगभग 39 हजार इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री इसे इस सेगमेंट में एक मजबूत खिलाड़ी बनाती है।

सिर्फ टू-व्हीलर ही नहीं, बल्कि थ्री-व्हीलर सेगमेंट में भी कंपनी ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। मार्च के दौरान इस श्रेणी में 46 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो इसके व्यापक पोर्टफोलियो की सफलता को दर्शाती है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कंपनी ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। एक्सपोर्ट में 25 प्रतिशत की वृद्धि यह दिखाती है कि भारतीय उत्पादों की मांग वैश्विक स्तर पर लगातार बढ़ रही है। कंपनी के टू-व्हीलर्स कई देशों में अपनी गुणवत्ता और विश्वसनीयता के कारण लोकप्रिय हो रहे हैं। इस ऐतिहासिक सफलता के पीछे सिर्फ बढ़ती मांग ही नहीं, बल्कि कंपनी की स्पष्ट रणनीति, ग्राहकों के प्रति भरोसा और लगातार नवाचार की भूमिका भी रही है।

पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत में कटौती, नया भाव 378 रुपये प्रति लीटर

एजेंसी

इस्लामाबाद। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पेट्रोल की कीमतों में कटौती की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि यह कदम दुनिया भर में तेल की बढ़ती कीमतों के बीच नागरिकों पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ को कम करने के उद्देश्य से उठाया गया है। राष्ट्र के नाम संबोधन में शरीफ ने कहा कि पेट्रोल की नई कीमत 378 रुपये प्रति लीटर तय की गई है। यह एक महीने तक लागू रहेगी। यह कटौती पेट्रोलियम लेवी में 80 रुपये प्रति लीटर की कमी के बाद की गई है। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, शहबाज शरीफ ने कहा कि पिछले तीन हफ्तों में सरकार ने राष्ट्रीय संसाधनों से 129 अरब रुपये की सब्सिडी दी है। इन उपायों का उद्देश्य ईंधन की बढ़ती कीमतों का पूरा बोझ जनता पर पड़ने से रोकना है। इसके अलावा सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों के लिए लक्षित सब्सिडी की भी घोषणा की है। मोटरसाइकिल चालकों को 100 रुपये प्रति लीटर की सब्सिडी दी जाएगी। परिवहन क्षेत्र को भी राहत उपायों में शामिल किया गया है। बढ़ते परिचालन खर्चों की भरपाई के लिए मालवाहक और

कमर्शियल वाहनों को सब्सिडी दी जाएगी। सार्वजनिक परिवहन बसों को हर महीने 100,000 रुपये की सब्सिडी मिलेगी, ताकि यात्रियों के लिए किराया स्थिर रखा जा सके। प्रधानमंत्री ने कहा कि इकोनॉमी-क्लास ट्रेन यात्रा का किराया नहीं बढ़ाया जाएगा।

केंद्र सरकार युद्ध प्रभावित उद्योगों को देगी 2.5 लाख करोड़ रुपये की बड़ी राहत

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी भीषण संघर्ष के बीच भारतीय उद्योगों को बड़ी राहत देने के लिए केंद्र सरकार एक महत्वाकांक्षी कर्ज गारंटी योजना लाने की तैयारी कर रही है। वित्तीय सेवा विभाग द्वारा तैयार की जा रही इस योजना के तहत लगभग 2 से 2.5 लाख करोड़ रुपये की कर्ज गारंटी दी जा सकती है। यह पहल मुख्य रूप से उन कंपनियों और क्षेत्रों को लक्षित करेगी जो कच्चे माल की बढ़ती लागत, लॉजिस्टिक चुनौतियों और आपूर्ति श्रृंखला में आए व्यवधानों के कारण नकदी के संकट से जूझ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, इस योजना का ढांचा कोविड-19 महामारी के दौरान सफल रही 'ईसीएलजीएस' योजना पर आधारित होगा, जिसकी आधिकारिक घोषणा अगले 15 दिनों के भीतर होने की संभावना है।

ईरान युद्ध के चलते सबसे ज्यादा दबाव सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (MSMEs) और निर्यात क्षेत्र पर देखा जा रहा है। बढ़ते समुद्री मालभाड़े और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर आवाजाही में रुकावट ने इन क्षेत्रों के लाभ मार्जिन को काफी कम कर दिया है। सरकार की इस नई योजना से छोटे उद्यमियों को बिना किसी अतिरिक्त कोलेटरल के बैंक से कर्ज मिल सकेगा, जिससे वे न केवल अपना कारोबार सुचारू रख पाएंगे, बल्कि अपने कर्मचारियों का वेतन भी समय पर दे सकेंगे। यह कदम अनिश्चित वैश्विक माहौल में उद्यमियों का मनोबल बढ़ाने और भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले अतिरिक्त दबाव को कम करने के लिए एक रणनीतिक सुरक्षा कवच के रूप में देखा जा रहा है। भू-राजनीतिक तनाव और यूक्रेन युद्ध जैसी चुनौतियों के बावजूद, भारत के निर्यात क्षेत्र ने अद्भुत जुझारूपन दिखाया है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 के रुझान सकारात्मक बने हुए हैं और कई बाधाओं के बावजूद वस्तु निर्यात की रफ्तार थमी नहीं है। सरकार विभिन्न क्षेत्रों के साथ निरंतर संपर्क में है ताकि उत्पादन पर पड़ने वाले प्रभाव का सटीक आकलन किया जा सके। विशेषज्ञों का मानना है कि समय रहते 2.5 लाख करोड़ रुपये की इस लिक्विडिटी सहायता से भारतीय निर्यातक वैश्विक बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखने में सक्षम होंगे और आपूर्ति श्रृंखला के

पश्चिम एशिया संकट के बीच ब्रेंट क्रूड का भाव पहुंचा 109 डॉलर के पार

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में चल रहे संकट से कच्चे तेल की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला रहा है। होर्मुज के जरिए तेल की सप्लाई में बाधा पैदा होने के कारण ब्रेंट क्रूड लगभग आठ फीसदी उछलकर 109.24 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कारोबार के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल दर्ज किया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान पर अगले 2 से तीन हफ्तों में संभावित सैन्य कार्रवाई की चेतावनी के बाद कच्चे तेल की सप्लाई को लेकर चिंता बढ़ने से क्रूड ऑयल के दाम में तेजी आई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स करीब आठ फीसदी उछलकर 109.24 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड फ्यूचर्स 111.54 डॉलर प्रति बैरल पर

ट्रेड करता देखा गया।

एशिया में जारी संकट से साप्ताहिक आधार पर भी कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। यूएस डब्ल्यूटीआई क्रूड में पिछले शुक्रवार के मुकाबले 11.94 फीसदी की मजबूत बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालांकि, ब्रेंट क्रूड की कीमत में इसी अवधि के दौरान 3.14 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जो बाजार में अस्थिरता को दर्शाती है।

दिल्ली जिंस बाजार में खाद्य तेल, दाल-दलहनों में तेजी, चावल नरम

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली थोक जिंस बाजार में मांग के समर्थन से खाद्य तेलों में अच्छी खासी तेजी दिखी जबकि दाल का बाजार भी हल्का तेज दिखा। सामान्य चावल के औसत भावों में गिरावट दिखी जबकि गेहूं में स्थिरता

दिखी। चीनी और गुड़ का बाजार भी तेज दिखा। सामान्य किस्म के चावल के औसत भाव करीब 42-43 रुपये प्रति क्विंटल नरम चल रहे थे जबकि गेहूं का बाजार करीब करीब पिछले स्तर पर स्थिर था। इसके विपरीत आटा 30 रुपये चढ़ा हुआ था। स्थानीय खाद्य तेलों में तेजी के बीच मूंगफली तेल में 245 रूपये और पाम तेल में 226 रुपये प्रति क्विंटल तक का उछाल दर्ज किया गया। सरसों , वनस्पति , सोया और सूरजमुखी तेल के भाव भी 115 से 150 रुपये के दायरे में चढ़े हुए थे। मलेशिया के बुरसा डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाप आयल का भाव 47 रिंगिट मजबूत हो कर 4838 रिंगिट प्रतिटन पर चल रहा था। अमेरिकी वायदा बाजार में सोया मई वायदा अनुबंध 6 सेंट प्रति पौंड की नरमी के साथ 68.94 डॉलर प्रति पौंड के भाव पर था।

रिजर्व बैंक ने आरबीएल बैंक के अधिग्रहण के लिए एमिरेट्स एनबीडी बैंक को दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने दुबई के एमिरेट्स एनबीडी बैंक को आरबीएल बैंक में 74 फीसदी तक हिस्सेदारी खरीदने की मंजूरी दे दी है। इसके बाद बैंक को सब्सिडी मॉडल के तहत विदेशी बैंक के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। आरबीएल बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि आरबीआई ने यह मंजूरी एक अप्रैल को दी, जिसकी वैधता एक वर्ष तक रहेगी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दूसरे सबसे बड़े बैंक एमिरेट्स एनबीडी ने अक्टूबर 2025 में आरबीएल बैंक में 60 फीसदी की हिस्सेदारी करीब 26,853 करोड़ रुपये में खरीदने का प्रस्ताव पेश किया था, जिसके बाद यह मंजूरी दी गई है। आरबीआई की मंजूरी पत्र के अनुसार एमिरेट्स एनबीडी (ईएनबीडी) को आरबीएल बैंक की चुकता पूंजी का कम से कम 51 फीसदी हिस्सा बनाए रखना होगा। रिजर्व बैंक ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के नियमों के अधीन ईएनबीडी को आरबीएल बैंक का प्रवर्तक वर्गीकृत करने पर

भी कोई आपत्ति नहीं जताई है, लेकिन कहा कि बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 12(2) के तहत ईएनबीडी के मताधिकार को आरबीएल बैंक के कुल मतदान अधिकारों के 26 फीसदी तक सीमित रखा जाएगा। ईएनबीडी को 'सिंगल मोड ऑफ प्रेजेंस' की शर्त से अस्थायी छूट दी गई है, जब तक कि भारत में उसकी शाखाओं का आरबीएल बैंक के साथ विलय नहीं हो जाता या अधिकतम एक वर्ष की अवधि पूरी नहीं हो जाती। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि यह मंजूरी भारत सरकार से 49 प्रतिशत से अधिक निवेश के लिए आवश्यक स्वीकृति, बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949, विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) 1999, सेबी नियमों तथा अन्य लागू नियमों के अनुपालन के अधीन होगी। इस प्रस्तावित सौदे को अभी अन्य नियामकीय मंजूरियां और 18 अक्टूबर, 2025 को निवेशक एवं बैंक के बीच हुए निवेश समझौते में उल्लिखित शर्तों को भी पूरा करना होगा। इससे पहले जनवरी में प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने भी एमिरेट्स एनबीडी बैंक के आरबीएल बैंक में बहुलांश हिस्सेदारी खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। आरबीआई ने जारी एक बयान में कहा कि ऐसे बैंक पर पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी मॉडल के तहत संचालित विदेशी बैंकों के लिए नियत प्रावधान लागू होंगे। हालांकि, निदेशक मंडल बैठकों में उपस्थित निदेशकों में कम से कम आधे स्वतंत्र निदेशक होने की शर्त इस पर लागू नहीं होगी। बैंक को अपने 'आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन' में आवश्यक संशोधन कर आरबीआई से मंजूरी लेने को कहा गया है और बैंक इस दिशा में आवश्यक कदम उठाएगा।

ईरान ने इजराइल पर किया हवाई हमला, तीन शहरों में नुकसान

एजेंसी

तेल अवीव/ तेहरान। ईरान 28 फरवरी से अमेरिका-इजराइल के साथ छिड़े युद्ध में बहुत कुछ खोने के बावजूद दुश्मन को नाकों चने चबवा रहा है। राजधानी तेहरान के पश्चिम में स्थित करज में गुरुवार को महत्वपूर्ण पुल पर किए गए हमले के बाद ईरान आक्रामक हो गया है। उसने आज तड़के इजराइल के तीन शहरों पर हवाई हमला किया है। इसके अलावा अमेरिका का एक और विमान मार गिराने का दावा किया है। द टाइम्स ऑफ इजराइल अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने रामत गान में बमबारी की है। इस बमबारी में एक इमारत ढह गई है। इसके अलावा रोश हा'यिन में किए गए हमले में बिजली गुल हो गई। फायर एंड रेस्क्यू सर्विस ने इसकी पुष्टि की है। फायर एंड रेस्क्यू सर्विस का कहना है कि ईरान ने बीरशेबा के दक्षिण में स्थित नियोत होवाव औद्योगिक क्षेत्र में बैलिस्टिक मिसाइल दागी है। इसके अलावा बेनी ब्राक में हुए हमले में एक व्यक्ति को हल्की चोट आई आई है। उसे इलाज के लिए मयानेई हयेशुआ मेडिकल सेंटर ले जाया गया। अल जजीरा चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, करज में गुरुवार को महत्वपूर्ण पुल पर किए गए हमले के बाद ईरान ने एक अमेरिकी लड़ाकू विमान मार गिराया। तेहरान ने आज सुबह दावा किया कि उसकी सेना ने अमेरिका के दूसरे विमान (ए-10) को होर्मुज जलडमरूमध्य के पास मार गिराया।

ईरान ने एक और अमेरिकी विमान को मार गिराने का दावा किया

तेहरान/वाशिंगटन। ईरान 28 फरवरी से अमेरिका-इजराइल के साथ छिड़े युद्ध में बहुत कुछ खोने के बावजूद दुश्मन को नाकों चने चबवा रहा है। राजधानी तेहरान के पश्चिम में स्थित करज में गुरुवार को महत्वपूर्ण पुल पर किए गए हमले के बाद ईरान ने एक अमेरिकी लड़ाकू विमान मार गिराया। तेहरान ने आज सुबह दावा किया कि उसकी सेना ने अमेरिका का एक और विमान गिरा दिया है। अल जजीरा चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने दावा किया है कि उसने अमेरिका के दूसरे विमान (ए-10) को होर्मुज जलडमरूमध्य के पास मार गिराया। इस बीच अमेरिका के ईरान में प्रमुख पुल को नष्ट करने के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अब नागरिक सुविधाओं और बिजली संयंत्रों पर हमले झेलने के लिए तेहरान तैयार रहे।ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने ट्रंप की धमकी को 'बड़े पैमाने पर युद्ध अपराध' करने के इरादे की स्वीकारोक्ति बताया है। कुवैत ने कहा है कि ईरान ने एक जल विलवणीकरण संयंत्र और एक तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया है। तेहरान ने विलवणीकरण संयंत्र को निशाना बनाने की बात से इनकार किया है। ईरान ने इजराइल पर भी मिसाइलें दागी हैं। 28 फरवरी से अब तक, पूरे ईरान में अमेरिकी-इजराइली हमलों में कम से कम 2,076 लोग मारे गए हैं और 26,500 घायल हुए हैं।

युद्ध के चलते खाड़ी देशों से 38 नेपाली नागरिकों के शव हवाई मार्ग से लाने में समस्या

काठमांडू। ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध के कारण खाड़ी और पश्चिम एशिया के विभिन्न देशों से 38 नेपाली नागरिकों के शव स्वदेश लाने में कठिनाई हो रही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लोक बहादुर क्षेत्री ने बताया कि युद्ध के दौरान पश्चिम एशिया के विभिन्न देशों में विभिन्न कारणों से नेपाली नागरिकों की मृत्यु हुई है, जिनके शव हवाई मार्ग सुचारु न होने के कारण नेपाल नहीं लाए जा सके हैं। इन शवों को नेपाल लाने के लिए आवश्यक पहल की जा रही है और उन्हें जल्द ही लाया जाएगा। प्रवक्ता के अनुसार सऊदी अरब में 17, यूएई में 15, कतर में 2, बहरीन में 1 और इजराइल में 3 नेपाली नागरिकों के शव रुके हुए हैं। इन्हें नेपाल लाने के लिए प्रयास जारी है। इससे पहले 1 अप्रैल को कुवैत से 9 नेपाली नागरिकों के शव कुवैत एयरवेज की उड़ान से लाए गए थे। इनके साथ ही 291 यात्रियों को भैरहवा स्थित गौतम बुद्ध अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतारा गया था।

नेपाल में शैक्षिक सत्र शुरू होने से पहले छात्रों के नामांकन पर सुप्रीम कोर्ट की अंतरिम रोक

काठमांडू। नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने सरकार और संबंधित पक्षों को निर्देश दिया है कि छात्र-छात्राओं का प्रवेश केवल शैक्षणिक सत्र के आधिकारिक रूप से शुरू होने के बाद ही किया जाए। यह अंतरिम आदेश उन स्कूलों द्वारा सत्र शुरू होने से पहले ही प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने की प्रथा को चुनौती देने वाली एक रिट याचिका पर सुनवाई के दौरान जारी किया गया।

याचिका में कहा गया था कि कुछ स्कूलों ने शैक्षणिक सत्र औपचारिक रूप से शुरू होने से पहले ही प्रवेश परीक्षा और दाखिला प्रक्रिया से संबंधित सूचनाएं जारी कर दी थीं। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया है कि मौजूदा शिक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाली कोई भी कार्रवाई न की जाए। नेपाल में अधिकांश निजी विद्यालय शैक्षिक सत्र शुरू होने से पहले ही विद्यार्थियों के नामांकन की प्रक्रिया शुरू कर दी है और इसके लिए कई विद्यालयों ने प्रवेश परीक्षा भी ले ली है, जबकि चालू शैक्षिक सत्र का अभी अंत भी नहीं हुआ है। नेपाल में वैशाख महीने अर्थात 15 अप्रैल के बाद ही शैक्षिक सत्र की औपचारिक शुरुआत होती है। इसी व्यवस्था के खिलाफ अभिभावकों ने सुप्रीम कोर्ट में रिट दाखिल कर इस प्रक्रिया को रोकने की मांग की थी, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने यह अंतरिम आदेश दिया है।

ईरानी संघर्ष में मध्यस्थ बन रहे पाकिस्तान की बढ़ी मुसीबत, यूएई ने वापस मांगा 3.5 अरब डॉलर का कर्ज

एजेंसी

इस्लामाबाद । ईरान और अमेरिका के बीच संघर्ष खत्म करने के लिए पाकिस्तान ने मध्यस्थता करने की कोशिश की। हालांकि आर्थिक मोर्चे पर खुद तंगहाली से जूझ रहे पाकिस्तान को अब संयुक्त अरब अमीरात ने बड़ा झटका दे दिया है। दुनिया से आर्थिक मदद मांगकर काम चला रहे पाकिस्तान को इस महीने के अंत तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से लिया हुआ 3.5 अरब डॉलर का कर्ज लौटाना होगा। यूएई की तरफ से कर्ज चुकाने की अवधि को बार-बार बढ़ाया जा रहा था। हालांकि, आई मीडिया रिपोर्ट्स में साफ किया गया है कि यूएई ने पाकिस्तान से इस महीने के अंत तक सारा कर्ज वापस करने के लिए कहा है। मौजूदा समय में पाकिस्तान के पास विदेशी मुद्रा भंडार (रिजर्व) में 21 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि है। विदेशी मुद्रा भंडार की राशि से पाकिस्तान फिलहाल यूएई को कर्ज चुका सकता है, लेकिन आने वाले महीनों में देश को बाहरी वित्तीय मदद की आवश्यकता पड़ सकती है।हालांकि, पाकिस्तान दुनिया के अन्य देशों के सामने हाथ फैलाकर ही अपनी गाड़ी को आगे खींच रहा है। 31 मार्च 2026 तक पाकिस्तान ने आईएमएफ से लगभग 729 करोड़ डॉलर का कर्ज ले रखा है। ट्रेडिंग इकोनॉमिक्स के अनुसार, पाकिस्तान पर कुल विदेशी कर्ज दिसंबर 2025 की दूसरी तिमाही तक लगभग 138 अरब डॉलर पहुंच गया है।

आईएमएफ के अनुसार, पाकिस्तान वर्तमान में आईएमएफ के 7 अरब डॉलर के विस्तारित फंड सुविधा कार्यक्रम के तहत काम कर रहा है। मार्च 2026 के अंत में, आईएमएफ ने पाकिस्तान के लिए लगभग 1.2 अरब डॉलर की अगली किस्त जारी करने पर सहमति जताई।

चीन पाकिस्तान का सबसे बड़ा कर्जदाता है। चीन ने पाकिस्तान को लगभग 29 अरब डॉलर का कर्ज दिया है। इसके अलावा सऊदी अरब ने करीब 9.16 अरब डॉलर की वित्तीय सहायता और जमा राशि के रूप में मदद दी है। प्रोफिट बाई पाकिस्तान के आंकड़ों के अनुसार, पाकिस्तान को अप्रैल 2026 में 1.3 अरब डॉलर के यूरोबॉन्ड का भुगतान भी करना है। पाकिस्तानी मीडिया डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारी ने बताया कि अबू धाबी ने रकम तुरंत वापस करने की मांग की थी। अधिकारी ने कहा, 'यह रकम जल्द से जल्द वापस कर दी जाएगी। वित्तीय कारणों से राष्ट्रीय गरिमा से समझौता नहीं किया जा सकता। '

डॉन के अनुसार, ये फंड 2019 में यूएई द्वारा पाकिस्तान के पेमेंट बैलेंस को स्थिर करने में मदद के लिए दिए गए बाहरी फाइनेंसिंग सपोर्ट का हिस्सा थे। अधिकारी ने कहा कि इस फैसले से अबू धाबी फंड फॉर डेवलपमेंट के जरिए जमा किए गए डिपॉजिट को लेकर अनिश्चितता खत्म हो गई है, जिसे 2019 से कई बार रोलओवर किया गया था।

अपने चल रहे इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड प्रोग्राम के तहत, पाकिस्तान को रिजर्व लेवल बनाए रखने और बाहरी फंडिंग की जरूरतों को पूरा करने के लिए तीन मुख्य पार्टनर–चीन, सऊदी अरब और यूएई–से लगभग 12.5 बिलियन डॉलर का रोलओवर हासिल करने की जरूरत है। इसलिए, यूएई के डिपॉजिट इस व्यवस्था का एक जरूरी हिस्सा थे।

काठमांडू में पुलिस का रातभर चला सर्च ऑपरेशन, 195 लोग गिरफ्तार

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू में पुलिस ने रातभर सर्च ऑपरेशन चलाकर बड़ी संख्या में लोगों को गिरफ्तार किया है। गुंडागर्दी, ठगी और बिचौलियागिरी में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ यह कार्रवाई की गई। काठमांडू के एसएसपी रमेश थापा के अनुसार, शहर के विभिन्न स्थानों से कुल 195 लोगों को पकड़ा गया। त्रिभुवन अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल, ठमेल और बुढानीलकण्ठ समेत विभिन्न क्षेत्रों से इन लोगों को हिरासत में लिया गया।

एसएसपी थापा ने बताया, 'ठमेल और विमानस्थल जैसे इलाकों में यात्रियों को खींचतान करने वाले, पहले से गुंडागर्दी में शामिल और बिचौलिया गतिविधियों में लगे 195 लोगों को नियंत्रण में लिया गया है।' पुलिस के अनुसार, इन सभी के खिलाफ आगे की जांच जारी है। वहीं, त्रिभुवन अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल से 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इन्हें यात्रियों को जबरन खींचने (कस्टमर पकड़ने) के आरोप में पकड़ा गया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार लोगों में टैक्सी चालक और होटल प्रतिनिधि शामिल हैं।

नाटो प्रमुख मार्क रुट्टे अगले सप्ताह वाशिंगटन में डोनाल्ड ट्रंप से करेंगे मुलाकात

एजेंसी

वाशिंगटन । उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के महासचिव मार्क रुट्टे 8 से 12 अप्रैल तक वाशिंगटन डीसी की यात्रा पर रहेंगे, जहां वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। यह जानकारी नाटो के प्रवक्ता द्वारा जारी एक बयान में दी गई है। प्रवक्ता ने बताया कि 8 अप्रैल को रुट्टे, ट्रंप, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के साथ बातचीत करेंगे। इस यात्रा में 9 अप्रैल को एक सार्वजनिक कार्यक्रम भी शामिल है, जिसमें रुट्टे द्वारा रोनाल्ड रीगन प्रेसिडेंशियल फाउंडेशन एंड इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित एक चर्चा में भाषण देने और भाग लेने की उम्मीद है। यह यात्रा ट्रांस अटलांटिक गठबंधन के लिए एक महत्वपूर्ण समय पर हो रही है, क्योंकि ईरान से जुड़े संघर्ष के बीच ट्रंप की हालिया आलोचना के बाद तनाव बढ़ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यूरोपीय सहयोगियों के प्रति कड़ी असंतोष व्यक्त करते हुए नाटो पर अमेरिकी रणनीतिक उद्देश्यों का समर्थन

करने के लिए पर्याप्त कदम न उठाने का आरोप लगाया है। ट्रंप ने तो यहां तक संकेत दिया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका 77 साल पुराने गठबंधन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर पुनर्विचार कर सकता है, जिससे नाटो के भविष्य को लेकर सदस्य देशों में चिंताएं बढ़ गई हैं। उन्होंने यूरोप में सैन्य ठिकानों तक अमेरिकी सैन्य पहुंच को प्रतिबंधित करने और होर्मुज स्ट्रेट जैसे महत्वपूर्ण वैश्विक मार्गों की सुरक्षा में नेतृत्व करने में रुचि नहीं दिखाने के लिए सहयोगी देशों की आलोचना की है। नाटो अधिकारियों ने पुष्टि की है कि 8 अप्रैल को रुट्टे और ट्रंप के बीच होने वाली आगामी बैठक पर बारीकी से नजर रखी जाएगी, क्योंकि यह भू-राजनीतिक अनिश्चितता के दौर में गठबंधन की दिशा तय कर सकती है।

ट्रंप के सत्ता में लौटने के बाद से कई संकटों के दौरान अमेरिकी नेता के साथ रचनात्मक संबंध बनाए रखने की उनकी क्षमता के कारण, नीदरलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री रुट्टे को पर्यवेक्षकों द्वारा 'ट्रंप का सलाहकार' बताया गया है। उन्होंने लगातार तर्क दिया है कि ट्रंप के दबाव ने यूरोपीय देशों को रक्षा खर्च बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है, जिससे अंततः नाटो की क्षमताएं मजबूत हुई हैं।

नेपाल के उद्योगपति शंकर अग्रवाल गिरफ्तार

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के उद्योग समूह शंकर ग्रुप के संस्थापक और अध्यक्ष शंकर लाल अग्रवाल को संपत्ति शुद्धीकरण अनुसन्धान विभाग (मनी लॉन्ड्रिंग जांच विभाग) ने हिरासत में लिया है। इतना ही नहीं अग्रवाल के दोनों बेटों साहिल अग्रवाल और सुलभा अग्रवाल के देश छोड़ने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। संपत्ति शुद्धिकरण विभाग के तरफ से इमिग्रेशन विभाग को पत्र लिख कर दोनों के पासपोर्ट को निगरानी में रखने का निर्देश दिया गया है। बिचौलिया दीपक भट्ट के साथ मिलकर नीतिगत अनियमितताओं में संलिप्त होने के आरोपों के बीच विभाग ने जांच शुरू की, जिसके बाद शंकर अग्रवाल को गिरफ्तार किया गया और साहिल तथा सुलभ अग्रवाल के पासपोर्ट को वाचलिस्ट के डाला गया है। व्यापारी दीपक भट्ट को दो दिन पहले ही गिरफ्तार किया गया था।

विभाग ने उन्हें कार्यालय में बुलाकर पूछताछ की थी। बयान पूरा

नहीं होने के कारण उन्हें ललितपुर पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। जिला ललितपुर के एसपी गौतम मिश्र ने बताया कि विस्तृत जानकारी अभी प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने कहा, 'विभाग ने हमें हिरासत में रखने के लिए भेजा है, लेकिन जांच से संबंधित विस्तृत जानकारी हमारे पास नहीं है। '

विभाग ने शंकर ग्रुप से जुड़े बिचौलिया दीपक भट्ट को गुरुवार को ही गिरफ्तार किया था। उन पर विभिन्न कंपनियों के धन के दुरुपयोग में संलिप्त होने का आरोप है और इस मामले में उनसे भी पूछताछ जारी है। बताया जा रहा है कि भट्ट ने अतीत में शंकर ग्रुप को लाभ पहुंचाने के लिए कई नीतिगत निर्णयों को प्रभावित किया । शंकर ग्रुप के मुख्य निवेश वाली हिमालयन री-इन्स्योरेन्स कंपनी पर भी बड़े स्तर के भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहे हैं।

धन अनियमितता के मामले में विभाग ने हाल के दिनों में विस्तृत जांच की है। विभाग हिरासत में रखकर ही मामला दर्ज करने की तैयारी कर रहा है। विभाग के जांच अधिकारियों के अनुसार, भट्ट से जुड़े अन्य व्यावसायिक घरानों पर भी जांच जारी है।

उत्तरी अफगानिस्तान में 5.9 तीव्रता के भूकंप से आठ लोगों की मौत

एजेंसी

काबुल । अफगानिस्तान में 5.9 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस हुए। अफगानिस्तान नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के प्रवक्ता मोहम्मद यूसुफ हम्माद ने बताया कि उत्तरी अफगानिस्तान में आए इस भूकंप में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई है। हम्माद ने शुक्रवार देर रात बताया कि भूकंप के बाद काबुल प्रांत में एक घर गिर गया, जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई और एक बच्चा घायल हो गया। राजधानी काबुल में भी तेज झटके महसूस किए गए। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप का केंद्र शुरू में 36.55 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 70.85 डिग्री पूर्वी देशांतर पर पाया गया। इसके अलावा भूकंप की गहराई 186.4 किलोमीटर थी। रात दिल्ली-एनसीआर और उत्तर भारत के कई हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों में घबराहट फैल गई और वे घरों और ऑफिस की बिल्डिंग से बाहर निकल आए। दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम, गाजियाबाद और फरीदाबाद के साथ-साथ उत्तर प्रदेश, हरियाणा और आस-पास के इलाकों सहित

कई जगहों से भूकंप के झटके महसूस किए गए। लोगों ने बताया कि बैठे-बैठे उन्हें अचानक झटके महसूस हुए, जिससे फर्नीचर और घर में रखी हुई या लटकी अन्य चीजें हिलने लगीं। कई लोगों ने कहा कि झटके कुछ सेकंड तक रहे लेकिन इतने तेज थे कि घर के अंदर भी साफ महसूस किए जा सकते थे।

कई रिहायशी इलाकों में, लोग सावधानी के तौर पर अपने घरों से बाहर निकल गए, जबकि ऑफिस में मौजूद लोग कुछ देर के लिए बिल्डिंग से बाहर निकल आए।

अफगानिस्तान में कई तरह की प्राकृतिक आपदाएं आती हैं, लेकिन यहां भूकंप से सबसे ज्यादा मौतें होती हैं। हर साल औसतन लगभग 560 लोग मारे जाते हैं और सालाना लगभग 80 मिलियन डॉलर का नुकसान होता है। अध्ययनों से पता चलता है कि 1990 से अब तक अफगानिस्तान में 5.0 से ज्यादा तीव्रता वाले कम से कम 355 भूकंप आए हैं। अफगानिस्तान यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेट के किनारे पर है, जो इंडियन प्लेट के साथ एक ट्रांसग्रेशन जोन शेयर करता है। इसका मतलब है कि दोनों एक-दूसरे से मिल सकते हैं या एक-दूसरे को छू सकते हैं, और यह अपने दक्षिण में अरेबियन प्लेट से भी प्रभावित है, जिससे यह दुनिया के सबसे ज्यादा टेक्टोनिक रूप से सक्रिय इलाकों में से एक बन गया है।

इंडियन प्लेट का उत्तर की ओर बढ़ना और यूरेशियन प्लेट से उसका टकराना आमतौर पर अफगानिस्तान में कई भूकंपों के लिए जिम्मेदार होता है।

नेपाल में 130 करोड़ का रेस्क्यू घोटाला, 32 लोगों के खिलाफ मुकदमा

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के व्हाइट हाउस ने दावा किया है कि भारत सहित कई देशों के साथ हुए नए व्यापार समझौतों ने अमेरिकी व्यापार घाटे को कम करने में अहम भूमिका निभाई है। यह बयान डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति के एक साल पूरे होने पर जारी किया गया, जिसे प्रशासन 'लिबरेशन डे' के रूप में देखता है। व्हाइट हाउस के अनुसार, इन नीतियों के चलते अमेरिकी अर्थव्यवस्था पहले से अधिक मजबूत, प्रतिस्पर्धी और सुरक्षित बनी है। प्रवक्ता कुश देसाई ने कहा, 'एक साल पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने 'फ्री ट्रेड' के भ्रम को खत्म कर 'अमेरिका फर्स्ट' को प्राथमिकता दी। इसके नतीजे चौंकाने वाले रहे हैं, जिसमें 20 से अधिक नए व्यापार समझौते, मैन्युफैक्चरिंग में खरबों डॉलर का निवेश, दवाओं की कीमतों में कमी और व्यापार घाटे में गिरावट शामिल।' प्रशासन का कहना है कि अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 के बीच अमेरिका का वस्तु व्यापार घाटा पिछले साल की तुलना में 24 प्रतिशत तक घटा है। खास बात यह है कि नीति में बदलाव के बाद से हर महीने साल-दर-साल आधार पर घाटा कम होता गया है। आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका के 63 प्रतिशत से अधिक व्यापारिक साझेदारों के साथ द्विपक्षीय व्यापार संतुलन में सुधार हुआ है। चीन के साथ व्यापार घाटा पिछले एक साल में 32 प्रतिशत और अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 के बीच 46 प्रतिशत तक घटा है। व्हाइट हाउस ने यह भी बताया कि साल 2000 के बाद पहली बार चीन अब वह देश नहीं रहा, जिसके साथ अमेरिका का सबसे बड़ा व्यापार घाटा है। वहीं यूरोपीय संघ के साथ भी घाटा लगभग 40 प्रतिशत तक कम हुआ है। इसके अलावा, स्विट्ज़रलैंड के साथ अमेरिका ने 2012 के बाद पहली बार वस्तु व्यापार में सरप्लस दर्ज किया है।

नासा ने आर्टेमिस II मिशन से जारी की पृथ्वी की खूबसूरत तस्वीरें, 'ब्लू मार्बल' पर दिखी ऑरोरा लाइट्स

एजेंसी

नई दिल्ली । अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने अपने ऐतिहासिक आर्टेमिस II मून मिशन के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों द्वारा ली गई पृथ्वी की पहली शानदार तस्वीरें जारी की हैं। इन तस्वीरों में 'ब्लू मार्बल' यानी हमारी पृथ्वी बेहद खूबसूरत दिखाई दे रही है। नासा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इन तस्वीरों को पोस्ट करते हुए लिखा, 'पिछले 54 सालों में हमने बहुत लंबा सफर तय किया है, लेकिन एक चीज नहीं बदली और वो है अंतरिक्ष से हमारा 'घर' यानी पृथ्वी जो बेहद खूबसूरत दिखता है।' नासा ने दो तुलनात्मक तस्वीरें साझा की हैं। इनमें बाईं ओर की तस्वीर 1972 में 'अपोलो-17' मिशन के चालक दल द्वारा ली गई थी, जबकि दाईं ओर की तस्वीर 'आर्टेमिस-II' के अंतरिक्ष यात्रियों ने कल ही कैमरे में कैद की है। ये तस्वीरें स्पेसक्राफ्ट के अंदर से ली गई पहली इमेज हैं। आर्टेमिस II मिशन

के कमांडर और नासा के अनुभवी एस्ट्रोनॉट रीड वाइजमैन ने ट्रांसलूनर इंजेक्शन बर्न पूरा करने के बाद ओरियन अंतरिक्ष यान की खिड़की से ये तस्वीरें लीं। एक तस्वीर में पृथ्वी सूर्य को ढकती नजर आ रही है, जिससे उत्तर और दक्षिण दिशा में दो 'ऑरोरा' (ध्रुवीय ज्योति) की चमक दिखाई दे रही है। इसके साथ ही, दाईं ओर नीचे की तरफ 'जोडिएकल लाइट' भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है।

दूसरी तस्वीर में पृथ्वी घने बादलों से घिरी हुई दिख रही है। जैसे-जैसे स्पेस क्राफ्ट आगे बढ़ रहा है, पृथ्वी धीरे-धीरे दूर होती हुई प्रतीत हो रही है। इस समय क्रू पृथ्वी से लगभग 90,000 मील (लगभग 1.45 लाख किलोमीटर) दूर है और चंद्रमा की ओर बढ़ रहा है। आर्टेमिस II मिशन में चार एस्ट्रोनॉट्स शामिल हैं, इनमें तीन अमेरिकी (रीड वाइजमैन, विक्टर ग्लोवर और क्रिस्टीना कोच) व एक कनाडाई (जेरेमी हैनसन) शामिल हैं। यह मिशन 1972 के बाद पहला ऐसा मिशन है जिसमें मानव चंद्रमा के चारों ओर चक्कर लगाने जा रहे हैं, लेकिन चंद्रमा की सतह पर नहीं उतरेंगे। क्रू ओरियन कैप्सूल में बैठकर चंद्रमा के फार साइड से गुजरेंगे और फिर पृथ्वी पर वापस लौट आएंगे।

ईरान ने अमेरिका के 48 घंटे के सीजफायर वाले प्रस्ताव को किया खारिजः रिपोर्ट

एजेंसी

तेहरान। ईरान ने अमेरिका के 48 घंटे के सीजफायर वाले प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। ईरान की सेमी-ऑफिशियल फार्स न्यूज एजेंसी ने यह जानकारी दी। फार्स ने एक जानकार सूत्र के हवाले से बताया कि यह प्रस्ताव गुरुवार को एक मित्र देश के जरिए ईरान को दिया गया। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने सूत्र के हवाले से बताया कि खासकर कुवैत के बुबियान आइलैंड पर अमेरिकी 'मिलिट्री फोर्स डिपो' को निशाना बनाकर किए गए ईरानी हमले के बाद, वाशिंगटन ने सीजफायर सुनिश्चित करने के लिए अपनी डिप्लोमैटिक कोशिशें तेज कर दी हैं। फार्स के मुताबिक, कयास लगाए जा रहे हैं कि यह प्रस्ताव इलाके में संकट के बढ़ने और ईरान की सैन्य क्षमता को कम आंकने की वजह से अमेरिकी फोर्स के लिए 'गंभीर दिक्कतें' पैदा होने के बाद पेश किया गया।

रिपोर्ट में आगे कहा गया कि ईरान ने इस ऑफर पर लिखकर जवाब नहीं दिया, बल्कि लड़ाई के मैदान में हमले जारी रखकर जवाब दिया।

इस बीच, ईरानी सेना ने पुष्टि की है कि उसके एयर डिफेंस सिस्टम ने ईरान के दक्षिणी समुद्री इलाके के ऊपर होर्मुज स्ट्रेट के पास एक यूएसए-10 'वॉर्थोग' अटैक प्लेन को मार गिराया, जिससे एयरक्राफ्ट फारस की खाड़ी में क्रैश हो गया। इससे पहले आईआरजीसी ने दावा किया कि सेंट्रल ईरानी एयरस्पेस में एक यूएसएफ-35 फाइटर जेट को मार गिराया था। बाद में , ईरान की सेमी-ऑफिशियल मेहर न्यूज एजेंसी ने बताया कि एक यूएस ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर भी ईरानी एयरस्पेस में एक प्रोजेक्टाइल से टकरा गया था, जब वह गिरे हुए यूएस फाइटर जेट के पायलट को ढूंढ रहा था।

कोगिलुयेह और बोयर-अहमद प्रांत के गवर्नर यादोल्लाह रहमानी ने कबायली और ग्रामीण इलाकों के लोगों से 'दुश्मन पायलटों' का पता लगाने में अधिकारियों की मदद करने को कहा।

बता दें, इजरायल और अमेरिका ने 28 फरवरी को तेहरान और ईरान के कई दूसरे शहरों पर मिलकर हमले किए। इसमें ईरान के उस समय के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई, सीनियर मिलिट्री कमांडर और आम लोग मारे गए। ईरान ने जवाब में मिडिल ईस्ट में इजरायल और अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाकर मिसाइल और ड्रोन हमले किए।

मकवानपुर में ट्रक पलटने से त्रिभुवन राजपथ अवरुद्ध

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में मकवानपुर के थाहा नगरपालिका-12 टिस्टुड स्थित त्रिभुवन राजपथ पर बीती रात लगभग डेढ़ बजे ट्रक (बा.प्र.03-001 ख 1750) पलटने से पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है। यह ट्रक काठमांडू से हेटौंडा की ओर जा रहा था। जिला पुलिस कार्यालय

मकवानपुर के अनुसार, ट्रक आगे दाहिने हिस्से का पट्टा (मैकेनिकल हिस्सा) टूटने के कारण अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया।इस दुर्घटना में ट्रक चालक धादिंग के बेनिघाट मौवाखोला निवासी लगभग 27 वर्षीय ध्रुब घले घायल हो गए।। ट्रक से कूदने के दौरान उनके दाहिने पैर के तलवे में चोट लगी है। उन्हें इलाज के लिए पालुङ अस्पताल भेजा गया है। मकवानपुर पुलिस के प्रवक्ता डीएसपी पुष्कर बोगटी ने जानकारी दी कि सड़क खोलने का काम जारी है। उन्होंने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त ट्रक के अभी भी घटनास्थल पर ही होने के कारण यातायात पूरी तरह बाधित है। सड़क बंद होने से दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई है।

अमेरिकी बजट प्रस्ताव में आया बड़ा बदलाव, घरेलू खर्च में की कटौती और रक्षा खर्च में ऐतिहासिक बढ़ोतरी

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्तावित वित्तीय वर्ष 2027 के बजट में घरेलू कार्यक्रमों में बड़ी कटौती देखने को मिल रहा है। प्रस्तावित बजट में फेडरल एजेंसियों के व्यापक पुनर्गठन की रूपरेखा दी गई है, जबकि सुरक्षा, कानून-व्यवस्था जैसी प्रमुख प्राथमिकताओं के लिए फंडिंग बरकरार रखी गई है। बजट में 2026 के गैर-रक्षा स्तरों की तुलना में 10 फीसदी कटौती का प्रस्ताव रखा गया है। इसका उद्देश्य खर्च पर नियंत्रण और फेडरल सरकार के ढांचे में बदलाव करना है। इस योजना को 'फिजूल और अप्रभावी कार्यक्रमों' से हटकर बताया गया है, जबकि सीमा सुरक्षा, पुलिसिंग और वेटरन्स सेवाओं जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है।

विभिन्न विभागों में बड़े पैमाने पर कटौती का खाका पेश किया गया है। कृषि विभाग को 20.8 अरब डॉलर की फंडिंग देने का प्रस्ताव है, जो 19 फीसदी की कमी को दर्शाता है। वाणिज्य विभाग का बजट 9.2 बिलियन डॉलर रखा गया है, जो 12.2 फीसदी कम है, जबकि शिक्षा विभाग को 76.5 बिलियन डॉलर मिलेंगे और इसे खत्म होने की राह पर बताया गया है।

स्वास्थ्य और मानवीय सेवाओं की फंडिंग घटकर 111.1 बिलियन डॉलर हो जाएगी, जो 12.5 फीसदी की कमी को दर्शाता है, जबकि हाउसिंग और शहरी विकास में 13 फीसदी की कटौती होकर 73.5 बिलियन डॉलर हो जाएगी।

राज्य विभाग और अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों को सबसे ज्यादा कटौती का सामना करना पड़ रहा है।

प्रस्तावित बजट के तहत 35.6 बिलियन डॉलर की फंडिंग की बात कही गई है, जो पिछले साल से 30 फीसदी कम है।बजट में, दूसरी चीजों के अलावा, शिक्षा ग्रांट, हाउसिंग इनिशिएटिव और विदेशी सहायता योजना सहित कई एजेंसियों के कई कार्यक्रमों को खत्म करने या एक साथ करने की बात कही गई है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में इस योजना के तहत स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग के पुनर्गठन का प्रस्ताव है, ताकि 'एडमिनिस्ट्रेशन फॉर अ हेल्दी अमेरिका' के तहत पोषण, खाद्य सुरक्षा और दीर्घकालिक बीमारियों की रोकथाम को प्राथमिकता दी जा सके।

गृह सुरक्षा विभाग का बजट घटाकर 63 बिलियन डॉलर कर दिया जाएगा, जबकि बॉर्डर एनफोर्समेंट और इमिग्रेशन कंट्रोल में निवेश बरकरार रहेगा। इसी तरह, न्याय विभाग को लॉ एनफोर्समेंट के लिए ज्यादा फंडिंग मिलेगी, जबकि गैर-जरूरी समझे जाने वाले ग्रांट प्रोग्राम को कम या खत्म कर दिया जाएगा।

बजट में फेडरल ब्यूरोक्रेसी को कम करने और शिक्षा, हाउसिंग और वर्कफोर्स डेवलपमेंट जैसे क्षेत्र में राज्यों और लोकल सरकारों पर जिम्मेदारियां डालने पर जोर दिया गया है। ओएमबी के डायरेक्टर रसेल टी. वॉट ने कहा कि यह प्रस्ताव एक बड़े वित्तीय बदलाव को दिखाता है। उन्होंने कहा कि 'बजट प्रक्रिया में एक ऐतिहासिक बदलाव हो रहा है और इससे अमेरिकी जनता को असली नतीजे मिल रहे हैं। '

यह प्लान अब कांग्रेस में जाएगा, जहां सांसदों से घरेलू कटौतियों के स्तर और जरूरी फेडरल प्रोग्राम के रीस्ट्रक्चरिंग पर बहस करने की उम्मीद है।

page 1 and 8 Apr 5_page 1 Mar 25 final ds.qxd 4/5/2026 12:20 AM Page 2

नक्षत्र से संबंधित पौधे

रीठे का पेड़ (संबंधित नक्षत्र- हस्त, संबंधित राशि- कन्या)

प्रकृति ने सब कुछ हमारी जरूरत के अनुसार ही बनाया है। लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ में हम अपनी पुरातन सभ्यता को भूलते जा रहे हैं। ऐसे ही एक जड़ी बूटी व (soap nut) वृक्ष है रीठा। रीठे का पेड़ भारतवर्ष में लगभग हर जगह मिलता है। वैसे इसका पौधा मुख्य रूप से महाराष्ट्र के पश्चिमी धाट इलाके में कोंकण एवं गोवा में और नेपाल तक पाया जाता है।

इसकी दो जातियाँ होती हैं। पहली सापिडंस मुक्रोसी (Sapindus mukorossi) और दूसरी सापिंडस ट्राइफोलियाट्स । इसमें सापिडंस मुक्रोसी के जंगली पेड़ हिमालय के क्षेत्र में अधिक पाये जाते जाते हैं। इसके अतिरिक्त उत्तर भारत व आसाम में भी इसके पेड़ मिलते हैं। जबकी सापिंडस ट्राइफोलियाट्स दक्षिण भारत में मिलता है।

रीठा का पेड़ लगभग 15 मीटर तक ऊँचा व 150 सेमी परिधि में फैला होता है। इसके पत्ते 15-30 सेमी तक लम्बे होते हैं तथा फूल सफेद रगं के होते हैं। इसके फल कच्ची अवस्था में रोमयुक्त व सूखने पर काले-भूरे रंग के सिकुड़नयुक्त होते हैं।

इस पेड़ पर गर्मियों में फूल आते हैं, जो कि आकार में बहुत छोटे हैं। इनका रंग हल् का हरा होता है। रीठा का फल जुलाई और अगस् त तक आ जाता है जो कि नवंबर और दिसंबर तक पकता है। बाद में इसको सुखा लिया जाता है।

रीठा का पेड़ साधारण होने के साथ अनेक गुणों से भरा होता है। आयुर्वेद के मत में यह फल त्रिदोषनाशक, गरम, भारी, गर्भपातक, वमनकारक, गर्भाशय को निश्चेष्ट करनेवाला तथा अनेक विषों का प्रभाव नष्ट करेनवाला है। संभवत- वमनकारक होने कारण ही यह विषनाशक भी है। वमन के लिए इसकी मात्रा दो से चार माशे तक बताई जाती है। फल के चूर्ण के गाढ़े घोल की बूंदोंको नाक में डालने से अधकपारी, मिर्गी और वातोन्माद में लाभ होना बताया गया है। रीठा के पेड़ से कीड़े-मकोड़े और सांप एवं चूहे दूर रहते हैं, इसलिए धान की खेती करने वाले अपने खेतों में रीठा लगाते हैं ताकि उनकी फसल चूहों से बची रहे। साथ ही रीठा में मौजूद एंटी-वेनम से सांप या बिच्छू के काटे का जहर उतारा जा सकता है।

इसके फल में सैपोनिन, शर्करा और पेक्टिन जो कफनाशक होता है। इसके बीज में 30 प्रतिशत वसा होती है जिसका उपयोग साबुन व शैम्पू बनाने में होता है। इसके फलों को पानी में भिगोने और मथने से फेन उत्पन्न होता है और इससे सूती, ऊनी तथा रेशमी सब प्रकार के कपड़े तथा बाल धोए जा सकते हैं।

सुखाया गया रीठा का फल शैंपू, डिटर्जेंट या फिर हाथ धोने वाले साबुन के रूप में प्रयोग किया जाता है लेकिन बहुत कम लोग रीठे के दूसरे फायदों के बारे में जाते है। रीठे को घर के दूसरे कामों में भी प्रयोग में लाया जाता है।

रीठा का नाम सुनते ही सबके मन में बालों का ख्याल आता है क्योंकि अधिकांश लोग रीठे का प्रयोग बालों की खूबसूरती के लिए करते हैं। बालों के लिए रीठा काफी लाभकारी होता है। रीठा के पानी से बाल धोने से बाल स्वस्थ और घने एवं चमकीले होते हैं,इसमें नेचुरल क्लींजिंग एजेंट हैं जो स्किन को हानि नहीं पहुंचाते। इससे बालों की जूंए भी खत्म होती है और कोई नुक्सान नहीं होता। रीठा को आंवला पाउडर की ही तरह बाल और शरीर साफ़ करने के काम में लिया जा सकता है। इससे बाल बढ़ते हैं और डैंड्रफ खत्म होती है।

रीठा के 12-15 नट को छह कप पानी में डुबोकर रख दें। इसके बाद पानी को थोड़ी देर तक उबाल लें। 5-10 मिनट उबालने के बाद गैस बंद कर दें और पानी को रात भर ऐसे ही रहने दें। सुबह इस पानी को किसी एयरटाइट डिब्बे में भर दें। चाहें तो आप इसमें नींबू का रस भी मिला सकते हैं। घर की साफ-सफाई के लिए इस पानी को एक सप्ताह तक प्रयोग में ले सकते हैं।

खिड़कियों के कांच को चमकाने के लिए रीठे का पानी का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए आप 15 मिली रीठा वॉटर को 25 मिली पानी में मिलाकर एक स्प्रे बोतल में डाल लें। अब खिड़कियों पर स्प्रे करने के बाद सूखे कपड़े से अच्छी तरह से रगड़ कर पौंछ लें।

कारपेट पर दाग लग गया है तो उसे साफ करने में भी रीठा का पानी बहुत अच्छा रहता है। यह दाग को आसानी से निकाल देता है। इस पानी से आप जमे हुए दाग निकाल सकते हैं। कार की सफाई के लिए भी इस पानी का इस्तेमाल किया जा सकता है।

गहनों और एंटीक आइटम्स को चमकाने में भी रीठा पानी अच्छा है। गहनों को साफ करने के लिए किसी लिक्विड सोप या फिर रसायन का इस्तेमाल नहीं करना पड़ेगा। गहनों को चमकाने के लिए रीठे के पानी में कुछ देर के लिए गहनों को डुबोकर रख दें।

रीठा के फल की मज्जा (फल के बीच का भाग) को तम्बाकू की तरह हुक्के में रखकर पीने से बिच्छू का जहर खत्म हो जाता है।

रीठे के फल को पानी में पकाकर, थोड़ी मात्रा में लेने से उल्टी के द्वारा जहर बाहर निकल जाता है।

रीठे की गिरी को सिरके में पीसकर विषैले कीटों (कीड़ों) के काटने के स्थान पर लगाने से राहत मिलती है।

जम्मू कश्मीर में बसोहली क्षेत्र में रीठा के कम पेड़ होने के बावजूद लोगों को इससे खूब कमाई हो रही है। हट्ट, माश्का, पेपड़ी, जंदरैली, डोडला, द्रमण सहित कई गांवों में रीठा के पेड़ लगे हुए हैं। लोग इसका इस्तेमाल केवल कपड़े धोने तक ही सीमित रखे हुए हैं। अगर क्षेत्र में रीठा के और पेड़ लगा दिए जाएं तो लोगों की आमदनी बढ़ जाएगी। तहसील बसोहली के कई गांवों में रीठा के पेड़ लगाने की परंपरा है। आज भी कुछ लोगों ने इस पेड़ को लगाने की परंपरा कायम रखी है। अगर किसान अपने बाग बगीचों में इस पेड़ को लगाएं तो उत्पादन में बढ़ोतरी के साथ रीठा आमदनी का सबसे अच्छा जरिया हो सकता है। इस पेड़ को लगाने में ज्यादा मेहनत की जरूरत नहीं है। एक बार पेड़ लगाने पर सात साल बाद रीठा लगना शुरू हो जाता है, जो समय के साथ बढ़ता जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य क्षेत्रवासियों को केवल कपड़े धोने के लिए इसका इस्तेमाल करना है। साबुन और शैंपू के उत्पादन में रीठा मुख्य भूमिका निभाता है। हिमाचल प्रदेश की सीमा से सटे होने के कारण क्षेत्र में कई बार हिमाचल प्रदेश से साबुन और शैंपू बनाने वाली कंपनियों के व्यापारी रीठा की खरीदारी के लिए आते हैं। लोगों को घर बैठे बिना ज्यादा मेहनत किए खूब पैसे दे जाते हैं।

2. नक्षत्र से संबंधित पौधे

बिल्व वृक्ष; (संबंधित नक्षत्र-= हस्त, राशि-कन्या, तुला)

बिल्व के वृक्ष को बहुत ही पवित्र माना जाता है। बिल्व पत्र को बेल पत्र भी कहा जाता है। बेल के वृक्ष को रोगों को नष्ट करने की क्षमता के कारण बिल्व कहा गया है। इसके अन्य नाम हैं-शाण्डिल्रू (पीड़ा निवारक), श्री फल, सदाफल इत्यादि। इसका गूदा या मज्जा बल्वकर्कटी कहलाता है तथा सूखा गूदा बेलगिरी। बेल के वृक्ष सारे भारत में, विशेषत: हिमालय की तराई में, सूखे पहाड़ी क्षेत्रों में 4000 फीट की ऊँचाई तक पाये जाते हैं। मध्य व दक्षिण भारत में बेल जंगल के रूप में फैला पाया जाता है।

धार्मिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण होने के कारण इसे मंदिरों के पास लगाया जाता है। इनके तीन पत्तों को जो एक साथ होते हैं उन्हे त्रिदेव का स्वरूप मानते हैं परंतु पाँच पत्तों के समूह वाले को अधिक शुभ माना जाता है, अत: पूज्य होता है। धर्मग्रंथों में भी इसका उल्लेख मिलता है। इसके वृक्ष 15-30 फीट ऊँचे कँटीले एवं मौसम में फलों से लदे रहते हैं। इसके पत्ते संयुक्त विपत्रक व गंध युक्त होते हैं तथा स्वाद में तीखे होते हैं। गर्मियों में पत्ते गिर जाते हैं तथा मई में नए पुष्प आ जाते हैं। फल मार्च से मई के बीच आ जाते हैं। बेल के फूल हरी आभा लिए सफेद रंग के होते हैं व इनकी सुगंध भीनी व मनभावनी होती है।

बेल का फल 5-17 सेंटीमीटर व्यास के होते हैं। इनका हल्के हरे रंग का खोल कड़ा व चिकना होता है। पकने पर हरे से सुनहरे पीले रंग का हो जाता है जिसे तोड़ने पर मीठा रेशेदार सुगंधित गूदा निकलता है। इस गूदे में छोटे, बड़े कई बीज होते हैं। बाजार में दो प्रकार के बेल मिलते हैं- छोटे जंगली और बड़े उगाए हुए। दोनों के गुण समान हैं। जंगलों में फल छोटा व काँटे अधिक तथा उगाए गए फलों में फल बड़ा व काँटे कम होते हैं। बेल का फल अलग से पहचान में आ जाता है। इसकी अनुप्रस्थ काट करने पर यह 10-15 खण्डों में विभक्त सा लगता है, जिनमें प्रत्येक में 6-10 बीज होते हैं। ये सभी बीज सफेद लुआव से परस्पर जुड़े होते हैं। प्राय: सर्वसुलभ होने से इसमें मिलावट कम होती है। कभी-कभी इसमें गार्मीनिया मेंगोस्टना तथा कैथ के फल मिला दिए जाते हैं, परन्तु इसे काट कर इसकी परीक्षा की जा सकती है। इनकी वीर्य कालावधि लगभग एक वर्ष है।

फल-वात शामक मानते हुए इसे ग्राही गुण के कारण पाचन संस्थान के लिए समर्थ औषधि माना गया है। अनेक औषधीय गुणों एवं योगों में बेल का महत्त्व बताया गया है, परन्तु एकाकी बिल्व, चूर्ण, मूलत्वक्, पत्र स्वरस भी अत्यधिक लाभदायक है। चक्रदत्त बेल को पुरानी पेचिश, दस्तों और बवासीर में बहुत अधिक लाभकारी मानते हैं। बंगसेन एवं भाव प्रकाश ने भी इसे आँतों के रोगों में लाभकारी पाया है। यह आँतों की कार्य क्षमता बढ़ती है, भूख सुधरती है एवं इन्द्रियों को बल मिलता है।

बेल फल का गूदा डिटर्जेंट का काम करता है जो कपड़े धोने के लिए प्रयोग किया जा सकता है। यह चूने के प्लास्टर के साथ मिलाया जाता है जो कि जलअवरोधक का काम करता है और मकान की दीवारो सीमेंट में जोड़ा जाता है। चित्रकार अपने जलरंग मे बेल को मिलाते है जो कि चित्रों पर एक सुरक्षात्मक परत लगाता है।

बेल के फल की मज्जा में मूलत: ग्राही पदार्थ पाए जाते हैं। ये हैं-म्युसिलेज पेक्टिन, शर्करा, टैनिन्स। इसमें मूत्र रेचक संघटक हैं-मार्मेलोसिन नामक एक रसायन जो स्वल्प मात्रा में ही विरेचक है। इसके अतिरिक्त बीजों में पाया जाने वाला एक हल्के पीले रंग की तीखा तेल (लगभग 12 प्रतिशत) भी रेचक होता है। शक्कर 4.3 प्रतिशत, उड़नशील तेल तथा तिक्त सत्व के अतिरिक्त 2 प्रतिशत भस्म भी होती है। भस्म में कई प्रकार के आवश्यक लवण होते हैं। बिल्व पत्र में एक हरा-पीला तेल, इगेलिन, इगेलिनिन नामक एल्केलाइड भी पाए गए हैं। कई विशिष्ट एल्केलाइड यौगिक व खनिज लवण त्वक् में होते हैं।

माना जाता है कि यदि आपने बिल्वपत्र के पेड़ को घर के आसपास लगा लिया तो आपको कई तरह के फायदे होंगे। यदि यह गलत दिशा में लगा है तो नुकसान भी हो सकते हैं। आओ जानते हैं कि बिल्व पत्र लगाने के शुभ फल।

1. बिल्वपत्र के वृक्ष को श्रीवृक्ष के नाम से भी जाना जाता है। इसके घर के पास होने से धन-समृद्धि के योग बनते हैं।

2. यह माना जाता है कि देवी महालक्ष्मी का भी बेल वृक्ष में वास है। जिस घर में एक बिल्व का वृक्ष लगा होता है उस घर में लक्ष्मी का वास बतलाया गया है।

3. बिल्व वृक्ष के पत्ते शिवलिंग पर चढ़ाए जाते हैं। इसके घर के पास लगे होने से शिवजी प्रसन्न होते हैं।

4. चतुर्थी, अष्टमी, नवमी, चतुर्दशी, अमावस्या और किसी माह की संक्राति को बिल्वपत्र नहीं तोडना चाहिए।

5. बिल्वपत्र की जड़ का जल अपने माथे पर लगाने से समस्त तीर्थयात्राओं का पुण्य प्राप्त हो जाता है।

6. कहते हैं कि जिस स्थान पर बेलपत्र का पौधा लगा होता है वह काशी तीर्थ के समान पवित्र और पूजनीय स्थल हो जाता है।

7. बेलपत्र का पौधा होने से व्यक्ति के पाप कर्म नष्ट हो जाते हैं और सभी सदस्यों को अक्षय फल की प्राप्ति होती है।

8. कर्ज से मुक्ति के लिए उत्तर-पश्चिम दिशा में लगाएं बेल का पौधा।

9. जहां बेल पत्र लगा होता है वहां के घर पर किसी भी तंत्र बाधा का असर नहीं होता है।

10. वास्तुशास्त्र के अनुसार बेल का पौधा नकारात्मक शक्तियों का नाश कर सकारात्मक शक्तियों का संचार करता है।

11. ज्योतिषशास्त्र के अनुसार यह घर के सदस्यों को चंद्र दोष से मु क्त करता है। मान सम्मान में बढ़ोतरी करता है।

12. इस पौधे के घर में लगे होते से गृह कलह कलेश दूर होता है।

13. औषधीय गुणों से परिपूर्ण बिल्व की पत्तियों में टैनिन, लौह, कैल्शियम, पोटेशियम और मैग्नेशियम जैसे रसायन पाए जाते हैं। बिल्व पत्र आंखों की रोशनी बढ़ाने, पेट के कीड़े मारने और कैंसर की रोकथाम में बहुत काम आता है।

14. बिल्वपत्र का सेवन, त्रिदोष यानी वात (वायु), पित्त (ताप), कफ (शीत) व पाचन क्रिया के दोषों से पैदा बीमारियों से रक्षा करता है। यह त्वचा रोग और डायबिटीज के बुरे प्रभाव बढ़ने से भी रोकता है व तन के साथ मन को भी चुस्त-दुरुस्त रखता है।

15. जो व्यक्ति शिव-पार्वती की पूजा बेलपत्र अर्पित कर करते हैं, उन्हें महादेव और देवी पार्वती दोनों का आशीर्वाद मिलता है। शिवपुराण में इसकी महिमा विस्तृत रूप में बताई गई है।

16. माना जाता है कि अश्विनी नक्षत्र वाले दिन एक रंग वाली गाय के दूध में बेल के पत्ते डालकर वह दूध नि:संतान स्त्री को पिलाने से उसे संतान की प्राप्ति होती है। लेकिन इसकी पुष्टि के लिए किसी आयुर्वेद के विशेषज्ञ से संपर्क करें। यहां सिर्फ जानकारी हेतु दिया है।

3. नक्षत्र से संबंधित पौधे

अर्जुन का पेड़ (संबंधित नक्षत्र- स्वाति, राशि- तुला)

अर्जुन का पौधा औषधीय गुणों से भरपूर होता है जिसका इस्तेमाल अनेकों प्रकार के आयुर्वेदिक उपचार में किया जाता है। इसकी जड़ें तना छाले और पत्ते इत्यादि काफी आयुर्वेदिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होते और उनका इस्तेमाल अनेकों प्रकार के रोगों के उपचार करने के लिए किया जाता है ।

पहचान- अर्जुन का पौधा देखने में काफी विशाल होता है इसकी ऊंचाई 60 से 80 फिट होती है इन के पत्तों का आकार बिल्कुल मनुष्य के जीभ जैसा होता है।

पत्ते अमरुद के पत्तों जैसे 7 से 20 सेण्टीमीटर लंबे आयताकार होते हैं या कहीं-कहीं नुकीले होते हैं। वैशाख और जेठ में इसके फूल आते हैं। फूल बहुत छोटे हरी झाई लिए हुए सफेद रंग के होते हैं। इसके फल सर्दियों में पकते हैं। सफेद या पीले मंजरियों में लगे होते हैं जिनमें हल्की सी सुगंध भी होती है। 2 से 5 सेण्टी मीटर लंबे ये फल कच्ची अवस्था में हरे-पीले तथा पकने पर भूरे-लाल रंग के हो जाते हैं। फलों की गंध अरुचिकर और स्वाद कसौला होता है। इसकी छाल हरापन लिए हुए सफेद, खाकी भुरी या बैंगनी रंग की और साफ होती है इसकी लकड़ी की राख रंगने के काम में आती है। इस झाड़ में एक प्रकार का साफ, सुनहरा, भूरा और पारदर्शक गोंद लगता है जो खाने के काम में आता है।

अर्जुन का पेड़ कहां पाया जाता है - अर्जुन का पेड़ ज्यादातर पहाड़ी क्षेत्र, नाला जैसे जगह, मध्यप्रदेश राज्य और बिहार राज्य में पाया जाता है क्योंकि अर्जुन का पेड़ अधिकांश आपको पहाड़ी क्षेत्रों में दिखाई पड़ जाएगा। अगर आप इन राज्यों में रहते हैं तो आप आसानी से अर्जुना के पेड़ को देखकर पहचान पाएंगे। अर्जुन का पेड़ सबसे अधिक बिहार और मध्य प्रदेश में पाया जाता है

फायदे

अर्जुन का पेड़ का अगर आप इस्तेमाल करेंगे तो आपको इसका निम्नलिखित प्रकार का फायदा मिलेगा जिसका विवरण में आपको नीचे बिंदुसार दूंगा-

अर्जुन का पेड़ मुंह संबंधित समस्याओं को दूर करता है- अगर आपको मुंह संबंधित किसी प्रकार की भी समस्या है तो आप अर्जुन के पेड़ के छालों का इस्तेमाल कर सकते हैं इससे आपको मुंह के छाले दांतों मसूड़ों के दर्द इत्यादि जैसी चीजों से आपको छुटकारा मिल जाएगा इसलिए आप अर्जुन के पेड़ का इस्तेमाल अपने मुंह संबंधित समस्याओं को दूर करने के लिए भी कर सकते हैं ।

हृदय को स्वस्थ रखे- अगर आप अपने हृदय को स्वस्थ रखना चाहते हैं तो इसके लिए आप अर्जुन की छाल के द्वारा बनाई गई चाय अगर आप नियमित रूप से पीते हैं तो आपको हृदय संबंधित किसी प्रकार की गंभीर समस्या होने की जो संभावना है। वह कम हो जाएगी और आपका हृदय हमेशा स्वस्थ रहेगा इसके अलावा अगर आप चाहते हैं कि आपके शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा ना पड़े तो इसके लिए आप अर्जुन की छाल का इस्तेमाल जरूर करें ।

अर्जुन की छाल डायबिटीज की रोगी के लिए फायदेमंद है- डायबिटीज की बीमारी को नियंत्रित करने में अर्जुन की छाल बड़े काम की औषधि है।

लेकिन इसके लिए अर्जुन की छाल के साथ देसी जामुन को समान मात्रा मिलाकर पीसकर चूर्ण बना लेना चाहिए। इस चूर्ण को रोज सोने से पहले गुनगुने पानी के साथ लेना डायबिटीज के मरीज के लिए फायदेमंद होता।

मोटापा के समस्या को कम करता है- अगर आप मोटापा की समस्या से परेशान हैं तो इसके लिए आप अर्जुन के पेड़ की छाल से बने हुए चूर्ण को नियमित रूप से दूध में मिलाकर अगर पीते हैं तो आपके शरीर में जो भी अतिरिक्त चर्बी होगी उसे गलाने में अर्जुन का पेड़ सहायक होता है ।

इसके अलावा इसके नियमित सेवन करने से आपके शरीर का इम्यून सिस्टम भी मजबूत होगा जिससे आपको सर्दी खासी जैसी वायरल बीमारी होने की संभावना कम हो जाती है ।

अर्जुन का पेड़ त्वचा को स्वस्थ और सुंदर बनाता है- अगर आप अपनी त्वचा को स्वस्थ और सुंदर बना चाहते हैं तो इसके लिए आप अर्जुन के पेड़ों का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले अर्जुन के पेड़ की छाल को पीसकर आप उसे उबटन के साथ मिलाकर उसका एक मिशन बना लें और फिर आप अपने चेहरे पर लगाएं इससे आपके चेहरे पर जितनी भी गंदगी जमा होगी और जो भी आपके चेहरे के कोशिकाएं मृत हो गई हैं उससे भी आपको छुटकारा मिल जाएगा और आपका चेहरा स्वस्थ और सुंदर बनेगा।

कान दर्द की समस्या को दूर करता है- आप कान दर्द की समस्या से परेशान है तो इसके लिए आप अर्जुन के पेड़ की छाल का इस्तेमाल कर सकते हैं क्योंकि इसके अंदर एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं जो बैक्टीरिया के विकास को रोकते हैं। ये बैक्टीरिया संक्रमण का कारण बनते हैं। इसमें एंटी- इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज भी होती हैं जो कान में सूजन को कम करती है और दर्द से राहत दिलाती है।

शुक्राणुओं की संख्या में वृद्धि करता है- पुरुषों में अगर शुक्राणु की समस्या की कमी है तो उसे दूर करने के लिए आप अर्जुन के पेड़ के छालों का इस्तेमाल कर सकते हैं क्योंकि आपके शरीर में शुक्राणु की संख्या में वृद्धि करने में महत्वपूर्ण सहायक साबित होगा। इसके लिए आपको अर्जुन के पेड़ की छाल को पीसकर उसका काढ़ा बनाकर पीना होगा यकीन मानिए कुछ दिनों के भीतर ही आपको इसका असर दिखाई पड़ेगा।

पेशाब की समस्या को कम करता है- अगर आप को पेशाब संबंधित किसी प्रकार की भी समस्या है तो इसके लिए आप अर्जुन का पौधा के छालों को अच्छी तरह से पीसकर उसका काढ़ा अगर पीते हैं तो आपको पेशाब संबंधित सभी प्रकार की समस्या से छुटकारा मिल जाएगा ।

गैस की समस्या को समाप्त करता है- रात के पेट में गैस संबंधी समस्या है तो इससे छुटकारा पाने के लिए आपको अर्जुन के पेड़ की छाल का प्रयोग करना होगा जो आपके पेट में गैस या अपच जैसी समस्याओं का निवारण करने में मददगार साबित होता है

फायदे हड्डी टूट जाए तो- अगर कही से कुछ चोट लगे और हड्डी टूट जाए तो अर्जुन के पेड़ की छाल का पाउडर दूध के साथ पिएं ऐसा करने से हड्डी तेजी से जुड़ने लगेगी। इसके छाल को पानी के साथ पीसकर उस जगह लगा सकते है। इससे दर्द को आराम मिलेगा।

अर्जुन की छाल जलन की समस्या से छुटकारा दिलाता है- अगर शरीर का कोई भाग जल जाए और आपको जलन की समस्या हो रही है तो इससे बचने के लिए अर्जुन के पेड़ की छाल को पीसकर उसे जलने वाले स्थान पर लगाएंगे तो जलन की समस्या से राहत मिलेगी क्योंकि अर्जुन के पेड़ की तासीर काफी ठंड होती है।

बुखार जैसी समस्याओं से छुटकारा दिलाता है- अगर अधिक बुखार आ गया है तो इससे छुटकारा पाने के लिए अर्जुन के पेड़ के छालों को पीसकर उसका घर पर काढ़ा बना लेंगे और अगर आप नियमित रूप से इसका सेवन सुबह-शाम करेंगे तो बुखार जैसी समस्याओं से छुटकारा पाने में मदद मिलेगी

4. नक्षत्र से संबंधित पौधे

विकंकत का वृक्ष; (संबंधित नक्षत्र विशाखा, राशि- तुला)

विशाखा का अर्थ होता है विभाजित या एक से अधिक शाखाओं वाला। आकाशमंडल में स्थित 27 नक्षत्रों में से सोलहवां विशाखा नक्षत्र है। इस नक्षत्र का प्रतीक चिन्ह विवाह आदि के समय सजाये गए घर के मुख्य द्वार को माना जाता है, जबकि इसका संबंध विकंकत के पेड़ से बताया गया है। विकंकत बेर जाति के अंतर्गत आने वाला एक कँटीला झाड़ीदार वृक्ष है, जिसे कई स्थानों पर पिण्डारा के नाम से भी जाना जाता है। विशाखा नक्षत्र में जन्मे लोगों विककंत के पेड़ की उपासना करनी चाहिए।

रीठे के फल से करें ये खास उपाय

हस्त नक्षत्र के दौरान चन्द्रदेव की उपासना करना शुभ माना जाता है, साथ ही हस्त नक्षत्र में भगवान शंकर की भी पूजा की जाती है। जबकि वनस्पतियों में हस्त नक्षत्र का संबंध रीठा के पेड़ से बताया गया है। आचार्य इंदु प्रकाश के अनुसार, जिन लोगों का जन्म हस्त नक्षत्र में हुआ हो, उन लोगों को हस्त नक्षत्र के दौरान रीठे का पेड़ या उससे बनी किसी अन्य चीज़ को किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचाना चाहिए। रविवार के दिन रीठा के पेड़ की उपासना करनी चाहिए। इससे शुभ फलों की प्राप्ति होगी।

अगर आप किसी प्रतियोगिता परीक्षा में अपनी सफलता सुनिश्चित करना चाहते हैं तो रीठा के पेड़ की जड़ में जल चढ़ाने के साथ-साथ उसके तने को छूकर प्रणाम भी कीजिए और प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के लिए प्रार्थना कीजिए।

आपको अपने कार्यों की तरक्की के लिये रीठा के वृक्ष को प्रणाम करना चाहिए। अगर संभव हो तो उसके तने को छूकर आशीर्वाद लेना चाहिए और उसकी विधि-पूर्वक रोली-चावल से पूजा करनी चाहिए। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि रीठा के वृक्ष को किसी भी रूप में नुकसान नहीं पहुंचाना चाहिए। न ही उसके फलों को, उसकी पत्तियों को या उसकी टहनियों को पेड़ से तोड़ना चाहिए और न ही इस दिन इन सब चीज़ों को किसी उपयोग में लेना चाहिए।

अपने दाम्पत्य जीवन को एक कदम आगे बढ़ाने के लिए रविवार के दिन शिव मन्दिर में जाकर भगवान शंकर को रीठा का फल अर्पित करें। अगर रीठा का फल न मिले तो रीठा का चूर्ण खरीद लें। मार्केट में रीठा का चूर्ण आपको आसानी से मिल जाएगा।

Note: इस लेख में दी गई जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं